हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 20 सितंबर 2026

acer | acerpure

House of Acer

Acerpure Air Conditioner

Acerpure Television

Acer All-in-One Desktop

Acer Laptop

Acer Tablet

UP TO ₹10,000 CASHBACK on Select Products

Khanna

माइक्रो डिस्टीब्यूटर हेतु सम्पर्क करें- 9893090009

JAI BABA KISHARAM ENTERPRISES

AUTHORISED DISTRIBUTOR (C.G.) Mr. Rajesh Vaswani 9893090009

7828002600, 9575832859, 9893314137

LAXMI ELECTRONICS & SHOPPING MALL

Malviya Road, Raipur, Ph: 0771-2210000 Mo: 7000477757

Main Road, Katora Talab, Raipur, Mo: 9826139800

RAMA EIKO
The Urban Forest

Luxury floors, surrounded by greenery. In Raipur

A private world of space, serenity,
green views and a more considered way of living.



- An exclusive luxury development featuring a private residence on every floor
- Each apartment has a private elevator
- Flats starting from 7000+ sq.ft.
- Overlooking 1.86 acres of lush and flourishing greens

STATE-OF-THE-ART AMENITIES

Putting Pitch · Semi Olympic Sized Pool · Amphitheatre & Multi-Purpose Lawn · Aerial Tree Deck · Sports Zone · Running Track · Kid's Play Area

Plan a Visit Now

RAMA GROUP
Building a Better Tomorrow

70491 10000 / 20000 / 30000 / 40000

Site Address - Rama Eiko, Near Palm Bellagio, Shankar Nagar, Raipur
Chhattisgarh- 492007 | www.ramaeiko.com | sales@ramaeiko.com

RERA Reg. Number
PCGRERA200924001830
RERA Reg. Number
PCGRERA130326002060
RERA Reg. Number
PCGRERA240726002122

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹116258/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹141990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹154995/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 20 सितंबर 2026

दिहाड़ी मजदूर, सफाईकर्मी, फेरीवाले के नाम से जीएसटी नंबर लेकर 150 करोड़ का फर्जी कारोबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लभांडी में एम. आगस्त्य इंटरप्राइजेस के नाम से कारोबार करने वाले कारोबारी द्वारा दिहाड़ी मजदूर, सफाईकर्मी, फेरीवाला सहित अन्य दस लोगों के नाम से जीएसटी नंबर लेकर डेढ़ सौ करोड़ रुपए का फर्जी कारोबार करने का मामला सामने आया है। कारोबारी द्वारा बोगस कंपनियों के नाम से 24 करोड़ रुपए से ज्यादा आईटीसी का दावा किया गया। गड़बड़ी मिलने पर जीएसटी के अफसरों ने कारोबारी अमन अग्रवाल के खिलाफ तेलीबांधा थाने में ठगी, अमानत में खयानत सहित अन्य गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज कराया है। थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, कारोबारी अमन कुमार अग्रवाल ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर दस बोगस एवं अस्तित्वहीन फर्म बनाकर उसे संचालित करते हुए फर्जी तरीके से उन फर्मों से क्रय दर्शाते हुए बड़ी मात्रा में बोगस आईटीसी का दावा किया। कारोबारी द्वारा जिन फर्जी फर्मों के नाम से आईटीसी का दावा किया गया, उक्त फर्म की जांच करने पर धरातल पर उसका अस्तित्व नहीं मिला।

खास खबर

बोगस फर्म के माध्यम से फर्जी आईटीसी लेने की कोशिश

- जीएसटी अफसरों के बयान के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी
- अपराध में शामिल अन्य कारोबारियों पर पुलिस शिकंजा कसेगी



कारोबारी से जुड़े लोगों की जांच

जीएसटी के अफसर उन कारोबारियों की जानकारी जुटा रहे हैं, जिनको अमन ने कच्चे में माल बेचा। इसके बाद उसने बेचे गए कच्चे में माल का बोगस फर्म के माध्यम से फर्जी आईटीसी लेने की कोशिश की। सूत्रों के मुताबिक, कारोबारी ने 30 से ज्यादा कारोबारियों को कच्चे में माल बेचा है। इसके अलावा उसके द्वारा फर्जी आईटीसी लाभ लेने बिल बेचे जाने की जानकारी मिली है।

इनके नाम से बनाई फर्म

- **हुसैनी इंटरप्राइजेस** - प्रोपराइटर मो. इस्लाम गरियाबंद, उक्त फर्म का भौतिक सत्यापन करने पर फर्म संचालित नहीं होना पाया गया। पंजीयन में दर्शित किरायानामा में दर्शित मकान मालिक फूल सिंह का वर्ष 2010 में निधन होना पाया गया। किरायानामा का निष्पादन 21 मार्च 2025 को होना पाया गया। मो. इस्लाम की भिलाई चूड़ीलाइन में बैंगल शॉप है।
- **मेसर्स यूनिक इंटरप्राइजेस** - प्रोपराइटर मजहर खान गरियाबंद, मजहर खान ने बताया कि वे एक इलेक्ट्रिशियन हैं, इसके पूर्व वे फेरी लगाने का कार्य करते थे।
- **मेसर्स अंसारी ट्रेडर्स** - प्रोपराइटर अफजल अंसारी, बैजनाथपारा रायपुर, अफजल अंसारी ने बताया कि वह शास्त्री मार्केट के सामने सुन्नी हन्फी ट्रस्ट के पार्किंग में मासिक वेतन पर कार्य करता है।
- **मेसर्स अगस्त इंटरप्राइजेस** - प्रोपराइटर विकास यदु, महादेवघाट रोड रायपुरा, मकान मालिक घनश्याम साहू द्वारा बताया गया कि अगस्त इंस्टप्राइजेस के नाम से व्यवसाय करने के लिए 5 माह पूर्व एक व्यक्ति को किराये पर दिया था। दुकान किराया लेने के बाद से बंद है। विकास यदु ने बताया कि वह चाय ठेला लगाता था।
- **मेसर्स ललित ट्रेड लिंक** - प्रोपराइटर ललित सोनी, दुर्ग पाटन, ललित सोनी ने बताया कि वह पिछले तीन वर्षों से एक वेब पोर्टल में कार्यरत है। ▶▶|शेष पेज 5 पर

एक और बहस... गृहमंत्री ने भूपेश को दी नक्सलवाद पर चर्चा की चुनौती



हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को प्रधानमंत्री आवास योजना के बाद अब नक्सलवाद के मुद्दे पर सार्वजनिक बहस की चुनौती दी है। श्री शमा्र ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर केवल घड़ियाली आंसू बहाती है। कांग्रेस नेताओं को स्पष्ट करना चाहिए, कैसा न्याय चाहते हैं? उन्होंने पूर्व सीएम भूपेश पर निशाना साधा और कहा, उनकी जेब से सबूत पांच साल नहीं निकल सके। अब भी समय है, सबूत एनआईए को देने चाहिए। प्रधानमंत्री आवास योजना को बीते दिनों हुई डिबेट को लेकर ▶▶|शेष पेज 5 पर

कांग्रेस के मुताबिक पीड़ितों को मिला अधूरा न्याय

झीरम फैसले पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, भूपेश बोले, असली गुनहगारों तक नहीं पहुंची एनआईए

झीरम कांड में आए फैसले के विरोध में कांग्रेस ने इसे अधूरा न्याय बताते हुए न्याय के लिए आगे की लड़ाई लड़ने की बात कही है। कांग्रेस के मुताबिक झीरम कांड में जो फैसला आया है, उसमें असली गुनाहगारों को बचाया गया है। कई लोगों से जो उस मामले में जुड़े हुए हैं, उनसे पूछताछ भी नहीं की गई। जिन लोगों को पकड़कर सजा सुनाई गई है, वो बेकसूर हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

फैसले को लेकर दिल्ली में एक बड़ी प्रेसवार्ता रखी जाएगी। साथ ही साथ कानूनी विशेषज्ञों से राय लेकर फैसले को कांग्रेस चुनौती देगी। भूपेश बघेल ने कहा, हम इस घटना और इससे जुड़े फैसले को लेकर हाईकमान को अवगत कराएंगे क्योंकि उनको घटना के बारे में पूरी जानकारी है। उनसे मार्गदर्शन लेंगे और वकीलों से मिलकर आगे की रणनीति तैयार करेंगे.इसके बाद इस गंभीर मामले में अगला ▶▶|शेष पेज 5 पर

खास खबर



बड़े नक्सलियों के नाम हटा दिए

उन्होंने कहा, 120 बी धारा है जिसमें षड़यंत्र करने की धारा लगती है, लेकिन आज 13 साल बाद हमें एनआईए ये बताए कि षड़यंत्र को लेकर ये किस तरह से जांच किए हैं। आज षड़यंत्र को लेकर किसी तरह का साक्ष्य नहीं है। एनआईए ने ही जो बड़े नक्सली शामिल थे उनके नाम हटा दिए और रसद पहुंचाने वालों को आरोपी बना दिया। एजेंसी ने ना तो तात्कालिक सरकार में बैठे लोगों से पूछताछ की और ना ही बड़े नक्सलियों से।

गणपति-रमन्ना की सहमति से हुआ झीरम नरसंहार

सुरेंदर व देवा ने तय की एंबुश की जगह

कानूनी जंग और फैसले पर हरिभूमि लगातार...



हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

झीरम नरसंहार पर आरोपियों को मौत की सजा देने का आधार जो साक्ष्य बना उसमें एक आत्मसमर्पित नक्सली के बयान की बड़ी भूमिका रही है। 2013 में आत्मसमर्पित नक्सली सिम्बाला रविंदर बटालियन कमांडर था। हमले को लेकर हुई बड़ी बैठक का उसने ब्योरा दिया है। डीआरजी में बतौर आरक्षक पदस्थ पूर्व आत्मसमर्पित नक्सली सिम्बाला रविंदर ने अपने बयान में बताया कि वह वर्ष 1990 ▶▶|शेष पेज 5 पर

हरिभूमि फॉलोअप

सुरेंदर को दी गई थी टीसीओसी की जिम्मेदारी एक सप्ताह चली बैठक

हमले से पूर्व टीसीओसी की जिम्मेदारी दरभा डिवीजन कमेटी के सचिव सुरेंदर को दी गई थी। वहीं देवजी ने सुरेंदर व देवा को रेकी कर एम्बुश की जगह चुनकर रिपोर्ट देने कहा गया था। हमले के लिए एसजेडसी श्याम व सुरेंदर को सामान एकत्रित करने व रिपोर्ट आने के बाद देने कहा गया था। एनआईए की रिपोर्ट में कहा गया है कि टीसीओसी के दौरान एक सप्ताह बैठक चली इसके बाद ग्राम मुम्मरका के जंगल में सेण्ट्रल कमेटी की बैठक में मई-जून के आसपास घटना को अंजाम देने का निर्णय लिया गया था जिसकी मंजूरी सीसी व पोलित ब्यूरो मेंबर गणपति व रमन्ना ने दी थी।

ये रहे विजयी

विजयी उम्मीदवारों के नाम

- यश डबास -अध्यक्ष- एबीवीपी
- दीपांशु शौकीन-उपाध्यक्ष निर्दलीय
- रिया छाबड़ी- सचिव एबीवीपी
- लक्ष्य राज -संयुक्त सचिव एबीवीपी

तीन पदों पर एबीवीपी बागी शौकीन उपाध्यक्ष

हॉस्टल, पीजी की सुरक्षा पहली प्राथमिकता



- शौकीन ने इशु मौर्य और वीर चतरथ दोनों को बड़े अंतर से हराया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के चुनाव में केंद्रीय पैनल के चार पद में से तीन पर जीत दर्ज की, जबकि एनएसयूआई का टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरे बागी प्रत्याशी दीपांशु शौकीन ने उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। कांग्रेस से संबद्ध भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) का खाता नहीं खुल सका, हालांकि उसके उम्मीदवार अध्यक्ष और संयुक्त सचिव पदों पर मामूली अंतर से हार गए। एनएसयूआई के प्रदर्शन पर उसके बागी उम्मीदवार दीपांशु शौकीन का भी असर पड़ा, जिन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और 13,700 से अधिक वोटों के बड़े अंतर से उपाध्यक्ष पद ▶▶|शेष पेज 5 पर

महुदा की घटना, 3 घायल

बारिश से बचने के लिए झोपड़ी में रुके, बिजली गिरी, तीन की मौत



हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-चांपा

शनिवार शाम मौसम में अचानक आए बदलाव के बीच तेज बारिश के दौरान बलौदा थाना क्षेत्र के महुदा गांव में दर्दनाक हादसा हो गया। बाड़ी में काम कर रहे 6 लोग बारिश से बचने के लिए एक झोपड़ी में रुके हुए थे। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। गाज की चपेट में आने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य झुलसकर घायल हो गए।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शनिवार 19 सितंबर की शाम महुदा क्षेत्र में मौसम अचानक बदला। देखते ही देखते तेज बारिश शुरू हो गई। उस समय कुछ लोग महुदा में बाड़ी में काम कर रहे थे। बारिश से बचने के लिए सभी लोग पास स्थित एक झोपड़ी में जाकर रुक गए। इसी दौरान ▶▶|शेष पेज 5 पर

#1 WORLD'S NO. HAIR OIL
ASLI AMLA, DABUR AMLA
Dabur Amla Hair Oil
याद रखना,
सस्ता आँवला, बालों को महँगा पड़ेगा
डाबर आँवला तेल
का उत्तम गाढ़ापन बालों में समाए
और उन्हें बनाए मज़बूत
10X मज़बूत.*
असली आँवला, डाबर आँवला^
सस्ता आँवला**
FREE 44% EXTRA
3 HAIR BENEFITS
STRONGER • LONGER • THICKER
*स्वतंत्र लैब में बिना तेल लगे बालों की तुलना में बाल टूटने के अध्ययन के आधार पर
**और जो दे साधारण तेल के मुकाबले बिना तेल लगे बालों की तुलना में ज़्यादा मज़बूती.
#वर्ष 2024 के लिए ग्लोबल हेयर ऑयल मार्केट रिपोर्ट में "मोर्डर इंटेलिजेंस" द्वारा जारी किए गए वैल्यू शेयर के अनुसार.
^'असली आँवला, डाबर आँवला', डाबर इंडिया लिमिटेड का पंजीकृत ट्रेडमार्क है.
Email: daburcares@dabur.com | Toll free no. 18001031644
Also available on Amazon amazon Flipkart zepto instamart and dabur shop.com

नौ जिलों के वनक्षेत्रों में बाघों के विचरण के मिले प्रमाण

एमपी-महाराष्ट्र में बढ़ा कुनबा, इलाके की खोज में युवा बाघों की छत्तीसगढ़ में दस्तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य के टाइगर रिजर्व के बाहर पिछले छह महीनों में युवा बाघों का मूवमेंट बढ़ा है। इसका बड़ा कारण पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ की सीमा से सटे महाराष्ट्र के ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व में क्षमता से अधिक बाघ होने के कारण वहां के युवा बाघ छत्तीसगढ़ के वनक्षेत्र में नई टेरिटरी की तलाश कर रहे हैं। पड़ोसी राज्य से आने वाले बाघों का सबसे ज्यादा मूवमेंट कबीरधाम जिले के भोरमदेव अभयारण में हो रहा है। ऐसे में बाघों की ▶▶|शेष पेज 5 पर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

बाघों के बढ़ते मूवमेंट को देखते हुए यहां जल्द ही केंद्र की टीओटीआर परियोजना लागू करनी होगी

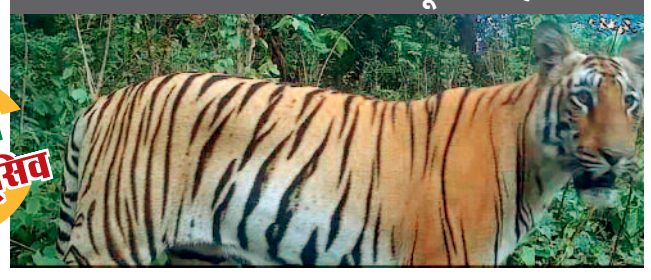

बाघों के मूवमेंट का कर रहे अध्ययन

राज्य में टाइगर रिजर्व के बाहर अन्य जिलों के वनक्षेत्र में बाघों का मूवमेंट बढ़ा है। यह कहना जल्दबाजी होगा कि जो बाघ बढ़े हैं, वे किसी दूसरे प्रदेश से आए टाइगर हैं या अपने टाइगर रिजर्व के। इसका अध्ययन किया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर यहां भी टीओटीआर परियोजना लागू की जाएगी।

- ओपी यादव, पीसीसीएफ, वाइल्ड लाइफ

इसलिए बढ़ रहा बाघों का मूवमेंट

नर और मादा बाघ अपने-अपने इलाके (टेरिटरी) में अकेले घूमते हैं और गंध या आवाज से अपनी सीमा तय करते हैं। बाघिन गर्भधारण के लिए तैयार होती है तो वह अपनी उपस्थिति दर्ज कराती है, जिसके बाद दोनों कुछ दिनों के लिए साथ आते हैं। मेटिंग के बाद नर बाघ वापस अपने रास्ते चला जाता है। बच्चों का पालन-पोषण अकेले बाघिन द्वारा सुरक्षित गुफा या घनी झाड़ियों में किया जाता है।

खबर संक्षेप

गृहमंत्री शाह हुए फूड प्वाइजनिंग के शिकार

हुबली/बेलगावी। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि शनिवार को कर्नाटक में दो कार्यक्रमों में शामिल होने आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को 'खाद्य विषाक्तता' यानी फूड प्वाइजनिंग हो गई थी, लेकिन अब वे 'पूरी तरह ठीक' हैं। शाह को हुबली के गबूर में केएलई जगद्गुरु गंगाधर महास्वामीगलु मूरुसाविरमठ चिकित्सा महाविद्यालय की नयी शैक्षणिक इमारत और 1,200 बिस्तरों वाले केएलई अस्पताल एवं चिकित्सा अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन करना था लेकिन वह इन कार्यक्रमों में शामिल नहीं हुए। स्थानीय नेताओं ने हालांकि, बताया कि दिल्ली के लिए हवाई अड्डा जाने से पहले शाम को उन्होंने परिसर का दौरा किया।



आतंकी हमला : तीन आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

जम्मू। अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सांबा दौरे से पहले जम्मू में हुए आतंकवादी हमले के मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों की संयुक्त जमानत याचिका विशेष अदालत ने खारिज कर दी। उल्लेखनीय है कि 21 और 22 अप्रैल 2022 की मध्यरात्रि को जम्मू के बाहरी इलाके सुंजवां में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के वाहन पर हुए हमले में एक सहायक उप-निरीक्षक (एसएसआई) शहीद हो गया था और कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए थे। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो हमलावरों को बाद में जवाबी कार्रवाई में मार गिराया गया था और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद किया गया था। दोनों पाकिस्तानी नागरिक थे।



कोलकाता : कमांडो ने लगाई बैरक में फांसी

कोलकाता। कोलकाता पुलिस का एक कमांडो शनिवार को यहां पुलिस प्रशिक्षण स्कूल (पीटीएस) के एक शौचालय के अंदर फंदे से लटका पाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान दीपक तमांग (49) के रूप में हुई है, जो कमांडो बैरक की चौथी मंजिल के शौचालय में एक ओवरहेड पाइपलाइन से लटके हुए पाये गये। तमांग राज्य के उत्तरी हिस्से के कलिम्पोंग जिले के रहने वाले थे। पुलिस अधिकारी के अनुसार, शौचालय कुछ समय से अंदर से बंद था, जिससे उनके साथियों को संदेह हुआ। जब बार-बार आवाज देने पर भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, तो साथियों ने दरवाजा तोड़ा और तमांग को अंदर फंदे से लटका हुआ पाया।



विकसित भारत बनाने में आप जैसे युवाओं का बड़ा रोल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

रोजगार मेला : प्रधानमंत्री मोदी ने 51 हजार युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 20वें रोजगार मेले के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 51 हजार से ज्यादा नवनियुक्त युवाओं को विभिन्न सरकारी संगठनों में नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान देशभर में 45 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने नवनियुक्त युवाओं को संबोधित भी किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि देश में त्योहारी सीजन शुरू हो गया है और इन उत्सवों के बीच आज हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशी आई है। उन्होंने कहा कि देशभर में 51 हजार से ज्यादा युवा आज सरकारी सेवा में शामिल हो रहे हैं।

अब तक 12.75 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र

आज जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र मिले हैं उनकी नियुक्तियां केंद्र सरकार के अलग-अलग विभागों और संगठनों में हुई हैं। रोजगार मेला देश के 45 स्थानों पर आयोजित किया गया। नियुक्ति पत्र पाने वाले अभ्यर्थी केंद्र सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों में काम शुरू करेंगे। इनमें राजस्व विभाग, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और रक्षा मंत्रालय शामिल हैं। अब तक अलग-अलग विभागों और सरकारी संगठनों में करीब 12.75 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र मिल चुके हैं।



अक्टूबर 2022 से शुरू हुआ था रोजगार मेला

प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। तब पीएम ने कहा था- हमारा लक्ष्य देश के युवाओं को 2023 के आखिर तक 10 लाख सरकारी नौकरियां देना था। लोकसभा चुनाव से पहले 12 फरवरी 2024 को 12वां रोजगार मेला आयोजित हुआ था, जिसमें सबसे ज्यादा 1 लाख जॉब लेटर बांटे गए थे। 11 लाख का आंकड़ा 2025 में पूरा हुआ था।

उन्होंने कहा कि युवा ऐसे समय में भारत सरकार का हिस्सा बन रहे हैं, जब देश 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।

दुनिया को भारत से उम्मीदें

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि युवाओं की प्रतिभा और कौशल ने पूरी दुनिया का भरोसा जीता है। दुनिया को भारत के इनोवेटर्स, उद्यमियों और युवा शक्ति से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के साथ भारत ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि सहयोग केवल सरकारों तक सीमित न रहे, बल्कि उद्यमी, किसान, महिलाएं और युवा भी इस साझेदारी में सक्रिय भागीदार बनें।

रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर कसेगा शिकंजा

भारत पर खतरा, ट्रंप ने किया 100% टैरिफ वाला बिल साइन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को रूस और उससे तेल खरीदने वालों पर शिकंजा कस दिया है। उन्होंने 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट' पर हस्ताक्षर किए हैं। ऐसा करके इसे कानून बना दिया गया है। इससे उनके प्रशासन को रूस और उन देशों पर प्रतिबंध और टैरिफ लगाने के लिए ज्यादा अधिकार मिल गए हैं जो रूस से बड़े पैमाने पर तेल और गैस खरीदते रहते हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

व्हाइट हाउस ने कहा कि यह कानून रूस के खिलाफ कानूनी प्रतिबंधों, टैरिफ और रोक के दायरे को बढ़ाता है। साथ ही ईरान पर मौजूदा प्रतिबंधों को पांच साल के लिए और बढ़ा देता है। यह कानून भारत के लिए अहम है। कारण है कि नई दिल्ली रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले दुनिया के सबसे बड़े देशों में से एक है। हालांकि, यह कानून भारतीय सामानों पर अपने आप 100% टैरिफ नहीं लगाता है। इसके बजाय, यह ट्रंप प्रशासन के लिए कुछ खास शर्तों के तहत ऐसे टैरिफ लगाने का कानूनी रास्ता बनाता है।

- **नया कानून बनने से प्रतिबंध और टैरिफ लगाने के लिए मिले ज्यादा अधिकार**

भारत पर पहले लग चुका 50% टैरिफ

यह पहला मौका नहीं है, जब अमेरिका ने भारत पर बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाने को लेकर कदम उठाया है। पिछले साल अगस्त महीने में भी इस संबंध उसने नई दिल्ली पर दुनिया में सर्वाधिक 50% टैरिफ लगाया था। जिसे मौजूदा वर्ष के दूसरे महीने में घटाकर 18% कर दिया गया है। अभी अमेरिकी टैरिफ 10% है। यहां बता दें कि 2022 में यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से भारत रूस से बड़े पैमाने पर छूट के साथ कच्चे तेल की खरीद कर रहा है। अनुमानित आंकड़ों के हिसाब से वर्तमान में नई दिल्ली द्वारा अपनी कुल आवश्यकता का 40% से अधिक कच्चा तेल मास्को से खरीदा जा रहा है।



यह कहा है भारत ने

भारत ने बार-बार रूस से तेल खरीदने के अपने फैसले का बचाव किया है। उसका कहना है कि उसकी ऊर्जा नीति अपनी आबादी के लिए सस्ती और भरोसेमंद सप्लाई सुनिश्चित करने की जरूरत पर आधारित है। नई दिल्ली ने कहा कि वह इस मामले में आगे होने वाली गतिविधियों पर नजर रख रही है। अपने लोगों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारत के लिए 100% टैरिफ का क्या मतलब है?

जीटीआरआई के संस्थापक और व्यापार मंत्रालय के पूर्व अधिकारी अजय श्रीवास्तव के अनुसार, यह कानून भारत पर दबाव बनाने की एक चाल है। बीबीसी के अनुसार, उन्होंने कहा, 'यह बिल भारत पर एकतरफा शर्तों पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव डालने की सीधी और खतरनाक कोशिश है। भारत 1.4 अरब लोगों के लिए सस्ती ऊर्जा पाने के लिए रूस से तेल खरीदता है। न कि युद्ध को फंड देने के लिए। उन्होंने आगे कहा, '100% तक के टैरिफ से भारतीय एक्सपोर्टरों और अमेरिकी उपभोक्ताओं को नुकसान होगा। व्यापार में रुकावट आएगी। अगर अमेरिका नए कानून के तहत भारतीय सामानों पर भारी टैरिफ लगाता है तो इसका सबसे बड़ा असर रूसी कच्चे तेल की कीमत पर सीधे पड़ने के बजाय अमेरिका को होने वाले भारतीय एक्सपोर्ट पर पड़ेगा।

एच-1बी वीजा : ट्रंप ने साल भर के लिए बढ़ाया शुल्क



एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा पर विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने वाले नियोक्ताओं पर लगने वाली 1,00,000 अमेरिकी डॉलर की फीस को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी. यह फीस पहली बार 2025 में लगाई गई थी और इसी महीने इसकी अवधि खत्म होने वाली थी। जारी राष्ट्रपति की घोषणा में ट्रंप ने कहा कि 2025 के इस फैसले के बाद बड़ी आईटी आउटसोर्सिंग कंपनियों की ओर से एच-1बी रजिस्ट्रेशन में 92 फीसदी की गिरावट आई है। एच-1बी वीजा कार्यक्रम के सबसे बड़े लाभार्थी समूह में भारतीय अब भी सबसे आगे हैं। ट्रंप ने कहा, '2025 की घोषणा का विस्तार अमेरिका के आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा करना जारी रखेगा, अमेरिकी कर्मचारियों और ग्रेजुएट्स के लिए श्रम बाजार तक पहुंच में सुधार करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि नियोक्ता जरूरत पड़ने पर कार्यक्रम के मूल उद्देश्य के अनुरूप केवल सबसे अधिक कुशल और जरूरी विदेशी कर्मचारियों की भर्ती करें।' ट्रंप ने एच-1बी वीजा आवेदनों की जांच को सख्त करने के लिए एक अलग घोषणा भी जारी की है।

केरल नौसेना अकादमी में बांग्लादेशी हुआ गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। केरल की एझिमाला नौसेना अकादमी में फर्जी कागजात से भारतीय नागरिक बनकर काम कर रहे बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 32 साल के बिप्लब सोरेन के रूप में हुई है। वह अकादमी के लॉन्ड्री सेक्शन में कॉन्ट्रैक्ट वर्कर था। नौसेना अधिकारियों ने शुक्रवार रात करीब 8:15 बजे उससे पूछताछ की। उसके कागजात की जांच के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, वह बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहा था। नौसेना अधिकारियों को बिप्लब के व्यवहार पर शक हुआ था। इसके बाद उस पर नजर रखी गई। इसके बाद हिरासत में लिया गया। जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन से ऐसे दस्तावेज और जानकारी मिली, जिनसे उसके बांग्लादेशी नागरिक होने का संकेत मिला।

राहुल एक पागल व्यक्ति हैं: असम सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार की गिरफ्तारी के बाद 'लोकतंत्र की हत्या' वाली टिप्पणी को लेकर पार्टी के पूर्व अध्यक्ष पर निशाना साधा और कहा कि 'राहुल गांधी एक पागल व्यक्ति हैं, कभी आप उन्हें दाढ़ी के साथ देखते हैं, तो कभी बिना दाढ़ी के दिखाई देते हैं'। शर्मा ने 19 साल पुराने मामलों के सिलसिले में कांग्रेस उम्मीदवार की गिरफ्तारी का बचाव करते हुए कहा कि यह 'पुलिस का कर्तव्य' था। पश्चिम बंगाल पुलिस ने बताया कि प्रधान को चार लंबित गिरफ्तारी वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया गया। ये वारंट गैर-जमानती मामलों में कथित संलिप्तता को लेकर जारी किए गए थे, जिनमें 2007 के नंदीग्राम भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के दौरान दर्ज दंगा, हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण और आपराधिक धमकी से जुड़े मामले शामिल हैं।

बंगाल उपचुनाव, सुबह कहा- नहीं लड़ूंगा, दोपहर में बोले- लड़ूंगा

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के रेजीनगर उपचुनाव में सियासी ड्रामा जारी है। शनिवार सुबह चुनाव मैदान से हटने की घोषणा करने वाले 'ममता टीएमसी' के उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी ने कुछ ही घंटों के भीतर अपना फैसला बदल लिया है। पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी से टेलीफोन पर हुई सीधी बातचीत और उनके आश्वासन के बाद रबीउल अब उपचुनाव लड़ने पर अड़े हुए हैं। शनिवार को नामांकन वापसी की अंतिम समय सीमा (दोपहर 3 बजे) समाप्त होने के ठीक पहले यह नाटकीय मोड़ आया। चौधरी ने कहा कि वह पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी की इच्छा के अनुसार छह अक्तूबर को होने वाला उपचुनाव लड़ेंगे। बता दें, यह घटनाक्रम ममता बनर्जी की पार्टी की नंदीग्राम उपचुनाव उम्मीदवार संचिता प्रधान डे के नामांकन वापस लेने के एक दिन बाद हुआ। संचिता ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात के बाद अपनी उम्मीदवारी

- **रेजीनगर उपचुनाव में नाटकीय मोड़**



यह कहा था आलम ने पहले

रबीउल आलम चौधरी पहले टीएमसी विधायक रह चुके हैं। उन्होंने दोपहर में अपने मुर्शिदाबाद स्थित घर पर पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, मेरे लिए जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए तैयार करना मुश्किल होता जा रहा है। इन कार्यकर्ताओं को लगातार परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इतने कम समय में मतदाताओं को नए 'फुटबॉलर' चुनाव चिह्न से परिचित कराना भी एक बड़ी मुश्किल है। ऐसी स्थिति में मैंने कल रात ममता दीदी को अपने फैसले की जानकारी दी थी कि मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा। देखते हैं।

अब क्या कहा?

हालांकि, कुछ घंटे बाद चौधरी ने जल्दबाजी में एक और प्रेस वार्ता बुलाई। इसमें उन्होंने कहा, मैं उपचुनाव लड़ूंगा। पार्टी प्रमुख के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने मुझे सुरक्षा का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा, मैंने अपनी पार्टी प्रमुख से बात की। उन्होंने मुझे और मेरे कार्यकर्ताओं को भी चुनाव प्रचार के दौरान सुरक्षा देने का भरोसा दिया है। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि हमारे किसी भी कार्यकर्ता को प्रताड़ना का सामना न करना पड़े। मेरे पास अगर 10 कार्यकर्ता भी हैं, तो मैं जीतूंगा।

उड़ानें प्रभावित, देरी- कैंसिलेशन से यात्री परेशान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर शनिवार को ऑपरेशनल दिक्कतों के चलते स्पाइसजेट की कई फ्लाइट्स प्रभावित हुईं। कुछ फ्लाइट्स में देरी हुई, जबकि कुछ रद्द भी की गईं। इसके कारण सैकड़ों यात्री परेशान हुए। दिल्ली एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया पोस्ट में यात्रियों से माफी मांगी। एयरपोर्ट के मुताबिक, ग्राउंड स्टाफ प्रभावित यात्रियों को जरूरी मदद दे रहा है और स्पाइसजेट के साथ मिलकर काम कर रहा है। ऑपरेशनल दिक्कतों क्या हैं, इस पर स्पाइसजेट की ओर से फिलहाल कोई बयान नहीं आया है। स्पाइसजेट की उड़ानों में पिछले कुछ दिनों में लगातार देरी की घटनाएं सामने आई हैं। 15 सितंबर को दिल्ली से दुबई जाने वाली दो फ्लाइट्स में घंटों की देरी हुई थी। इनमें एक फ्लाइट करीब 30 घंटे और दूसरी करीब 19 घंटे की देरी से रवाना हुई थी। इस दौरान करीब 200 यात्रियों ने एयरपोर्ट पर प्रदर्शन भी किया था।

- **दिल्ली एयरपोर्ट पर हंगामा, स्पाइसजेट ने यात्रियों से मांगी माफी**



समय पर उड़ान का रिकॉर्ड सबसे खराब

समय पर उड़ान के मामले में स्पाइसजेट का इस साल का रिकॉर्ड बड़ी एयरलाइंस के मुकाबले कमजोर रहा है। जुलाई में एयरलाइन की सिर्फ 34.5% फ्लाइट्स निर्धारित समय पर चलीं। जुलाई में स्पाइसजेट की घरेलू बाजार हिस्सेदारी 1.6% रही, जबकि जून में यह 1.9% थी। यानी एक महीने में हिस्सेदारी 0.3 प्रतिशत अंक घट गई। जुलाई में एयरलाइन ने करीब 1.87 लाख यात्रियों को सफर कराया। इसी अवधि में इंडिगो की हिस्सेदारी 67.4%, एयर इंडिया ग्रुप की 24% और अकासा एयर की 5.5% रही।

केजरीवाल को एसआईआर नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रही मतदाता सूची की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल समेत उनके परिवार के पांच सदस्यों को नोटिस जारी किया गया है। ये नोटिस 'अनमैप्ड विथ लास्ट एसआईआर' यानी पिछली एसआईआर की मतदाता सूची से मैप नहीं होने की कैटेगरी में जारी किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली निर्वाचन अधिकारियों की ओर से अरविंद केजरीवाल के अलावा उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल, पिता गोविंद राम केजरीवाल और मां गीता देवी को नोटिस दिया गया है। इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल के 25 वर्षीय बेटे पुलकित केजरीवाल को भी इसी कैटेगरी में नोटिस जारी किया गया है।



अमेरिका से जंग के बावजूद न्यूयॉर्क आएंगे ईरानी राष्ट्रपति

नहीं होगी गिरफ्तारी, मिला यूएस वीजा

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच 7 महीने से जंग चल रही है। इसके बावजूद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान और विदेश मंत्री अब्बास अराघची अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली यूएनजीए बैठक में शामिल होंगे। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं को वीजा दे दिया गया है। युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली बार होगा, जब ईरान के शीर्ष नेता अमेरिका पहुंचेंगे। ईरानी राष्ट्रपति पजशकियान न्यूयॉर्क में गिरफ्तार नहीं हो पाएंगे। इसकी दो बड़ी वजहें हैं। राष्ट्रपति को खास कानूनी सुरक्षा मिलती है। किसी देश के मौजूदा राष्ट्रपति को दूसरे देश में जाकर सीधे गिरफ्तार करना आसान नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत मौजूदा राष्ट्राध्यक्षों को खास कानूनी सुरक्षा मिलती है। इसका मकसद यह है कि कोई देश अपनी मर्जी से दूसरे देश के मौजूदा राष्ट्रपति को गिरफ्तार न कर सके। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि राष्ट्रपति पर कभी कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती। यह इस बात पर निर्भर करता है कि मामला किस अदालत में है, आरोप क्या हैं और उस देश के कानून क्या कहते हैं। निकोलस मादुरो का मामला इसका उदाहरण है। उन्हें अमेरिका ने गिरफ्तार किया था, लेकिन अमेरिका उन्हें उस समय वेनेजुएला का वैध राष्ट्रपति नहीं मानता था।



यूएनजीए के लिए अमेरिका की अलग जिम्मेदारी

यह मामला सिर्फ अमेरिका और ईरान के बीच का नहीं है। यूएन का मुख्यालय न्यूयॉर्क में है और अमेरिका इसकी मेजबानी करता है। इसलिए यूएन की बैठकों में हिस्सा लेने वाले दूसरे देशों के प्रतिनिधियों को अमेरिका आने की अनुमति देना उसकी जिम्मेदारी का हिस्सा है। यूएन के नियमों के मुताबिक अमेरिका ऐसा नहीं कर सकता कि किसी विदेशी प्रतिनिधि को यूएन के आधिकारिक काम में हिस्सा लेने से ही रोक दे। हालांकि, यूएन के बाहर उसकी आवाजाही पर पाबंदी लगाई जा सकती है। इसी वजह से पजशकियान और अराघची को अमेरिका आने की अनुमति दी गई है। लेकिन ईरानी प्रतिनिधिमंडल छोटा रखा गया है और उसके सदस्यों की आवाजाही भी सीमित रहेगी।

बाल-बाल बचे, गलत रिपोर्ट से हमले की तैयारी में थी यूएस आर्मी

एआई की एक गलती से छिड़ सकता था चीन-अमेरिका युद्ध!

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का इस्तेमाल कई सेक्टर में हो रहा है, जिसमें सेना का भी नाम शामिल है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एआई की एक गलती की वजह से अमेरिका और चीन के बीच युद्ध छिड़ सकता था। दरअसल, ईरान और अमेरिका युद्ध के बीच एक खुफिया रिपोर्ट तेजी से सर्कुलेट हुई थी। सीएनएन की रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया है कि ईरान युद्ध के दौरान मध्य पूर्व में मौजूद एक चीनी जहाज परमाणु हथियार प्रोग्राम से संबंधित सामान लेकर जा रहा है, जो जानकारी गलत थी। रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिकी सेना ने चीनी जहाज को रोकने की योजना बनाई थी। साथ ही हथियारबंद जवान जहाज पर चढ़ने की तैयारी में थे और अमेरिका सेना का विमान भी हवा में था।

- **एआई पर निर्भरता का खतरनाक उदाहरण आया सामने**



एआई की मदद से तैयार की थी रिपोर्ट

एक्शन लेने से पहले अमेरिकी अधिकारियों ने रिपोर्ट की गहराई से जांच की, जिसके बाद पता चला कि यह रिपोर्ट स्पेशल ऑपरेशन्स कमांड के एक विश्लेषक ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की मदद से तैयार की थी। एआई ने जहाज में मौजूद सामान की गलत पहचान कर ली थी, जिसके बाद कार्रवाई को तुरंत रोका गया। हालांकि, रिपोर्ट्स में यह नहीं बताया है कि वास्तव में जहाज के अंदर क्या सामान था। फिर पता चला कि वह रिपोर्ट पूरी तरह से गलत थी। अगर अमेरिकी चीनी जहाज के खिलाफ एक्शन लेता तो दोनों देशों के बीच सैन्य युद्ध में तब्दील हो सकता था।

गलती का यह अकेला मामला नहीं

सीएनएन के मुताबिक, सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि चीनी जहाज से जुड़ी यह एआई गलती खुफिया समुदाय में कोई अकेली घटना नहीं हो सकती। सरकार में एआई टूल्स के व्यापक इस्तेमाल के बाद ऐसी गलतियों की आशंका लगातार बनी हुई है। कुछ वरिष्ठ खुफिया अधिकारियों का मानना है कि एआई के इस्तेमाल से विश्लेषकों पर खुफिया जानकारी को पहले से ज्यादा तेजी से तैयार करने और साझा करने का दबाव बढ़ रहा है।

एक्सपर्ट दे चुके हैं सलाह

यह घटना युद्ध के दौरान टारगेट तय करने में नए जोखिम सामने ला सकती है। अमेरिका द्वारा चीनी जहाज के सामान को पहचानने में भी यह गलती सामने आई है। एक्सपर्ट भी सलाह दे चुके हैं कि एआई पर पूरी तरह से निर्भरता सही नहीं है। एक्सपर्ट लंबे समय से सलाह दे रहे हैं कि अगर कोई देश गलत या खराब डेटा पर एआई की मदद से निर्भर होते हैं, तो वह कई गंभीर फैसलों में गलत सलाह दे सकता है।

रायपुर
रविवार 20 सितंबर 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष नवमी
वर्ष : 25, अंक : 61
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 33.4
न्यून. 24.2

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com



मिलर्स द्वारा चावल जमा का विवरण (टन में)

मिलर्स	जमा	शेष
विद्या श्री राइस	0	1958.6
गोयल एग्रो इंडस्ट्रीज	0	1819.77
वर्धमान इंडस्ट्रीज	0	800.73
मामावली राइस	0	731.32
अमर परबोलिंग इंडस्ट्रीज	0	652.08
जेआईएन कुशल इंडस्ट्रीज	0	376.44
रामजी फुड्स	0	274.45
पारस एग्रो इंडस्ट्रीज	0	226.87
गनपती राइसटेक	0	190.49
शैल फुड्स प्रोडक्ट प्रा.लि.	0	91.58
देवी अनपूर्णा मा राइस मिल	0	16.08
श्रीएसएस फुड्स	29	646.36
श्रीकृष्णा फुड्स एंड राइस	86.89	1728.24
कोर्णाक इंडस्ट्रीज	258.95	4053.81
शिवकुमार रवि शर्मा ट्रेडिंग कं.	28.87	415.36
सांई हनुमंत इंडस्ट्रीज प्रा.लि.	57.86	802.04
अपना बालाजी	57.85	771.01
श्रीतिरूपति राइस इंडस्ट्रीज	173.75	2204.44
अग्रसेन ट्रेडिंग	28.93	319.41
श्रीश्याम राइस उद्योग	231.55	2243.25
एमएस केशरी राइस इंडस्ट्रीज	86.98	627.33
तिरूपति राइस इंडस्ट्रीज	666.59	2863.61
कान्हा ग्रेन प्रोसेस	549.99	2204.19

वित्तीय वर्ष 2025-26 में उपार्जन केंद्रों से धान उठाव के विरुद्ध अब तक 151114.34 टन चावल जमा

कस्टम मिलिंग में खेल...183 मिलर्स में से सिर्फ 6 ही जमा करा पाए पूरा चावल, 4.66 अरब का चावल मिलों में डंप

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶ रायपुर

रायपुर जिले में एग्रीमेंट के तहत 183 मिलर्स में अभी तक सिर्फ आधा दर्जन मिलर्स ही कस्टम मिलिंग का शत-प्रतिशत चावल छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम को लौटा पाए हैं। शेष 177 मिलर्स के पास अभी भी 1 लाख 16 हजार 562 टन चावल डंप है, जिसे जमा नहीं किया है। इस डंप चावल की कीमत 4 अरब 66 करोड़ रुपए से अधिक है। इन मिलर्स में 11 ऐसे हैं, जिनके द्वारा अब तक चावल का एक दाना भी जमा नहीं किया गया है। इधर मिलर्स द्वारा चावल जमा करने में बरती जा रही लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने अब इन मिलर्स के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है। इसके लिए इन सभी मिलर्स को नोटिस भी जारी किया है और उन्हें सख्त हिदायत दी गई है कि अगर वे 3 दिन में अनुबंध के तहत चावल जमा ▶▶शेष पेज 5 पर

खास खबर

11 मिलर्स एक दाना भी नहीं कर पाए जमा

चावल जमा नहीं करने वालों में 11 मिलर्स ऐसे हैं, जिनके द्वारा इतने महीनों में चावल का एक दाना भी जमा नहीं किया है। इन मिलरों ने करोड़ों रुपए का चावल अपने मिल में ही डंप कर रखा है। हाल ही में कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक ली थी, जिसमें कस्टम मिलिंग के चावल के संबंध में समीक्षा की गई थी। इस दौरान अपर कलेक्टर ने चावल जमा नहीं किए जाने पर नाराजगी जताते हुए मिलर्स पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं, ताकि आगामी माह तक शत-प्रतिशत चावल जमा हो जाए।

राइस मिलर्स अब तेजी से नान को चावल जमा करेंगे

अभी तक एफसीआई का चावल जमा करने को प्राथमिकता दे रहे थे। दो माह का एक साथ चावल वितरण करना है, इसलिए अब नान का चावल जमा करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। सभी राइस मिलर्स अब तेजी से नान को चावल जमा करेंगे।
-दीपक अग्रवाल, अध्यक्ष, राइस मिल एसोसिएशन, रायपुर



32 मिलर्स ही 90 से 100 प्रतिशत चावल कर पाए हैं जमा

183 मिलर्स में 32 ही ऐसे हैं, जो उठाए गए कुल धान के एवज में 90 से 100 प्रतिशत तक चावल जमा कर पाए हैं, वहीं इनमें भी 6 मिलर्स ही 100 प्रतिशत चावल जमा किए हैं। इसी प्रकार करीब 80 मिलर्स ने 50 से 90 प्रतिशत तक चावल जमा किए हैं।

चावल जमा नहीं किया तो होगी कार्रवाई

कस्टम मिलिंग का चावल जमा नहीं करने वाले मिलर्स पर सख्ती बरती जाएगी। कलेक्टर के निर्देश पर राइस मिलर्स को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद भी चावल जमा नहीं किया तो बैंक गारंटी जब्त कर मिल में सीलबंदी की कार्रवाई की जाएगी।
- कीर्तिमान सिंह राठौर
अपर कलेक्टर, रायपुर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

दिल्ली हवाई अड्डे के तीसरे रनवे पर सेवाएं आज से

मुंबई। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के तीसरे रनवे पर सेवाएं 20 सितंबर से फिर से बहाल होगी। रनवे को मजबूती देने और उन्नयन कार्य के लिए बंद कर दिया गया था। रनवे 11आर/29एल (तीसरा रनवे) का जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया है।



1.7 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ जब्त

गुवाहाटी। असम के श्रीभूमि जिले में 1.7 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किये गये हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के संयुक्त अभियान में गंगपार इलाके से तस्करों द्वारा छोड़ी गई 17,000 याबा टैबलेट बरामद की गईं। तस्कर फरार हो गया लेकिन 1.17 करोड़ रुपए नहीं बच पाए। पुलिस ने श्रीभूमि के गंगपार में लावारिस पड़ी 17,000 याबा टैबलेट बरामद कीं।

दीपिका ने दिया बेटी को जन्म

मुंबई। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह एक बार फिर पेरेंट्स बन गए हैं। उनके दूसरे बच्चे का जन्म हो गया है। दीपिका ने खुद इस खुशखबरी को अपने फैंस के साथ शेयर किया है। दीपिका ने इंस्टाग्राम पर पैरों की छाप की एक तस्वीर शेयर की है।



बाइक सवार परिवार के तीन की मौत

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। यह हादसा भीलवाड़ा-कोटा राजमार्ग पर बिगोद थाना क्षेत्र के नयागांव के पास हुआ। मृतकों की पहचान रूपाहेली गांव निवासी भगवान बगड़िया (67), उनकी पत्नी देऊ बगड़िया (53) और बेटे रतन बगड़िया (24) के रूप में हुई है।

भारत-पाक युद्ध के नायक कुक का निधन

नई दिल्ली। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान कलाइकुंडा के ऊपर हुई ऐतिहासिक हवाई लड़ाई के दौरान अदम्य साहस का परिचय देने वाले फ्लाइट लेफ्टिनेंट (सेवानिवृत्त) अल्फ्रेड टाइरोन कुक का निधन हो गया। भारतीय वायुसेना ने शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी।



गुलदस्ता लेकर पहुंचीं युवतियां





रीजनल पार्क के सामने मैदान में आयोजित हुआ कार्यक्रम

इन विद्यार्थियों ने सुनाई आपबीती

1. नर्सिंग छात्र यशिका डांगी : रिजल्ट में देरी से डिग्री का समय बढ़ा। भोपाल में आंदोलन किया। सरकार को कोई मतलब नहीं। अभी भी हम 12वीं पास ही कहला रहे। अस्पताल में पांच से छह हजार की नौकरी मिल रही।
2. धार का छात्र : दिल्ली से जंतर-मंतर से लौट रहा था। हमें कुछ लोगों ने ट्रेन से उतरा दिया। बालाघाट में मिजल जैसी बीमारी हो रही। सरकार पद नहीं भर रही। आश्वासन दे रही। इंदौर के नेहरू हॉस्टल में रजाई गादी और लाइब्रेरी नहीं है।
3. देवास का छात्र: दो भर्ती बोर्ड हैं। परीक्षाएं समय पर नहीं हो रहीं। अफसर ज्ञापन नहीं लेते। इंदौर आए तो पता चला हम पर एफआईआर हो गई।
4. उज्जैन की राधा मालवीय: पीएचडी में लाखों रुपए खर्च हो रहे, आवास भत्ता कम है। बढ़ोतरी नहीं हुई। ब्याज से पैसे लेकर किराया भर रहे। मकान के किराए के लिए रजिस्ट्री देना पड़ती है।
5. रायसेन के सूरज ठाकुर : सिविल जज के 121 पदों में से एक भी आदिवासी को पद नहीं मिला। क्या कोई भी आदिवासी युवक इस पद के लायक नहीं था।

देश में अब तक का ये पांचवां कार्यक्रम... इंदौर में 'छात्रों की गूंज' में राहुल

शिक्षा लग्जरी नहीं, हक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार दोपहर इंदौर पहुंचे। वे रीजनल पार्क के सामने मैदान में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में युवाओं, खासकर जेन-जेड से रूबरू हुए। उन्हें कार्यक्रम में साढ़े पांच बजे पहुंचना था, लेकिन करीब सवा घंटे की देरी से पहुंचे। राहुल गांधी ने कहा कि छात्र देश का फाउंडेशन है, शिक्षा लग्जरी नहीं हक है। सरकार की जिम्मेदारी है इफेक्टिव सिस्टम बने। पहले आईआईटी, आईआईएम, नवोदय विद्यालय बने। अब कुछ नहीं हो रहा। राहुल गांधी ने ▶▶शेष पेज 5 पर



राहुल दिल्ली हॉस्टल हादसे में मारे गए छात्र के परिवार से मिले: राहुल गांधी ने 6 सितंबर को दिल्ली हॉस्टल हादसे में जान गंवाने वाले छात्र अर्पित जाज के परिजनों से मुलाकात की। देवास के रहने वाले 21 साल के अर्पित जाज दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र थे। राहुल ने अर्पित जाज के दादा से मंच पर बातचीत की। उनके कंधे पर हाथ रखा।

- सरकार की जिम्मेदारी है इफेक्टिव सिस्टम बने और वह चले
- 7 लाख करोड़ शिक्षा में जाने थे, वो अरबपतियों के हाथ में गए
- डेढ़ करोड़ स्कॉलरशिप छीनी गई
- देश में एक लाख स्कूल बंद किए गए
- देश के सिस्टम पर 6 लोगों का कब्जा

सीएम ने कहा-कैंसर से जंग में इलाज के साथ भरोसा और संवेदना जरूरी



बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, कैंसर के खिलाफ लड़ाई केवल उपचार तक सीमित नहीं है। बीमारी की समय पर पहचान, सुलभ उपचार, आधुनिक तकनीक और मरीज का मनोबल, इन सभी पहलुओं पर सरकार, चिकित्सा जगत और समाज को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा, कैंसर मरीज को यह भरोसा दिलाना जरूरी है कि वह इस कठिन लड़ाई में अकेला नहीं है। मुख्यमंत्री शनिवार को नवा रायपुर स्थित मे-फेयर में ▶▶शेष पेज 5 पर

34 लाख लोगों की स्क्रीनिंग

मुख्यमंत्री ने बताया कि दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए भी सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत 34 लाख लोगों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की गई है। इनमें लगभग 40 हजार लोगों में बीमारी की पहचान के बाद उन्हें उपचार से जोड़ा गया है। स्क्रीनिंग का उद्देश्य बीमारी का शुरुआती चरण में पता लगाकर समय पर उपचार शुरू करना है।

शुरुआती पहचान से बढ़ती है उपचार की संभावना

मुख्यमंत्री ने कहा, कैंसर की समय पर पहचान सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। शुरुआती चरण में बीमारी का पता चलने पर उपचार की संभावनाएं बेहतर होती हैं। उन्होंने विशेषज्ञों से ऐसी तकनीक को आगे बढ़ाने का आग्रह किया, जिससे कैंसर की जल्द पहचान हो और उपचार सस्ता व आम लोगों की पहुंच में हो।

नागोया में एशियाई खेलों का आगाज



मनु भाकर और पवन ने थामा तिरंगा

503 खिलाड़ियों के साथ भारत की पदक चुनौती शुरू

नागोया। जपान में बीसवें एशियाई खेलों का शनिवार को यहां मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में रंगारंग और 'हाई-टेक' उद्घाटन समारोह के साथ आधिकारिक आगाज हुआ। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत खिलाड़ियों की परेड में 501 सदस्यीय भारतीय दल की अगुवाई की। जापान के सम्राट नारुहितो ने महारानी मासाको, शाही परिवार के सदस्यों, एशियाई ओलंपिक परिषद के अध्यक्ष शेख जोआन बिन हमद अल थानी और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की अध्यक्ष कर्स्टी कोवेंट्री की मौजूदगी में खेलों के शुरू होने की घोषणा की। दो घंटे के उद्घाटन समारोह की शुरुआत जापान के राष्ट्रगान से हुई जिसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

आगर मालवा में हादसा

कार उफनते नाले में गिरी, आठ की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आगर मालवा

मध्यप्रदेश के आगर मालवा जिले में शनिवार तड़के एक कार के बारिश के पानी से उफन रहे नाले में गिर जाने से तीन बच्चों और दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई। नलखेड़ा थाना प्रभारी शशि उपाध्याय ने बताया कि हादसा जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर नलखेड़ा कस्बे में बगलामुखी मंदिर के पास हुआ। ओडिशा से आए श्रद्धालुओं को लेकर जा रही कार बारिश के पानी से उफन रहे नाले में गिर गई ।

पीएम मोदी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मध्य प्रदेश में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया। मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये तथा घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

हंसपुर हत्याकांड में तत्कालीन एसडीएम करुण को झटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रामानुजगंज/ कुसमी

कुसमी क्षेत्र के हंसपुर में बॉक्साइट परिवहन को लेकर हुए विवाद और ग्रामीण रामनरेश की मौत के मामले में उच्च न्यायालय ने निलंबित तत्कालीन कुसमी एसडीएम करुण डहरिया समेत तीन आरोपियों को नियमित जमानत देने से इंकार कर दिया है। न्यायमूर्ति राकेश मोहन पांडेय की अदालत ने 17 सितंबर को तीन अलग-अलग आपराधिक अपीलों पर सुनवाई के बाद सभी की याचिका खारिज कर दी। बता दें कि उच्च न्यायालय के आदेश में दर्ज अभियोजन पक्ष के अनुसार 15 फरवरी की रात ▶▶शेष पेज 5 पर



हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

आरोपियों को मिलेगा अवसर

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि मुकदमे की सुनवाई के दौरान आरोपियों को खुद को निर्दोष साबित करने का पूरा अवसर मिलेगा। वर्तमान परिस्थितियों में तीनों आरोपियों को नियमित जमानत पर रिहा करने का मामला नहीं बनता। इसके साथ ही करुण डहरिया समेत तीनों की ओर से दायर अलग-अलग आपराधिक अपील खारिज कर दी गई।

प्राकृतिक आवासों के विनाश और जल प्रदूषण के कारण घट रही संख्या

विलुप्त होने की कगार पर देशी मछलियां गंगरेल से चीतल- कुबड़ी हो रही गायब

दिलीप देवांगन ▶▶ धमतरी

छत्तीसगढ़ की नदियों, तालाबों और प्राकृतिक जलाशयों में मिलने वाली देशी प्रजाति की मछलियों के अस्तित्व पर गहरा संकट मंडरा रहा है। प्रदेश की पारंपरिक जल प्रणालियों में पाई जाने वाली कई अनूठी मछलियां अब धीरे-धीरे विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी हैं। छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और ▶▶शेष पेज 5 पर

अलग खबर



खेतों और तालाबों की संकटग्रस्त मछली

बारिश के दिनों में खेतों और छोटे डबरों, कीचड़ में स्वतः पनपने वाली औषधि गुणों से भरपूर कई प्रजातियां रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अत्याधिक छिड़काव से तेजी से गायब हो रही हैं जिसमें देशी मोंगरी, सिंघी, केवई, पबदा शामिल हैं। अन्य स्थानीय लुप्तप्राय छोटी प्रजातियों में बांबी, रीता कोटिया, पंगाज है।

विलुप्ति से बचाने उठा रहे कदम

मत्स्य पालन विभाग के उपसंचालक एमएस कमल ने बताया कि छग में विलुप्त हो रही देशी मछलियों और जलीय जैव विविधता को बचाने मत्स्य पालन विभाग, वन विभाग, स्थानीय कृषि केंद्रों द्वारा संयुक्त रूप से कई बड़े कदम और संरक्षण के उपाय किए जा रहे हैं जिसमें 16 जून से 15 अगस्त तक मछली पकड़ने पर पूर्ण ▶▶ शेष पेज 5 पर

अत्यंत दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजाति

बोध मछली की शार्क कहा जाता है। बस्तरी की इंद्रावती नदी में पाई जाने वाली इस विशालकाय कैट फिश का वजन 150 किलोग्राम तक होता है। यह अत्याधिक शिकार और जलस्तर घटने के कारण लगभग विलुप्त होने की कगार पर है। बस्तर की कुडुक जनजाति इसे देव मछली मानकर पूजती भी है। डूडुंग मछली इंद्रावती नदी में पाई जाने वाली एक बेहद दुर्लभ और लुप्तप्राय देशी मछली है जो बहुत कम देखने को मिलती है। महाशीर -तोर तोर- छत्तीसगढ़ की पहाड़ी और तेज बहाव वाली नदियां हसदेव और महानदी में पाई जाने वाली मछली संकटग्रस्त की श्रेणी में आ चुकी है। चीतल मछली कभी गंगरेल बांध में प्रचुर मात्रा में पाई जाती थी। वैज्ञानिक सर्वेक्षण में इसका अस्तित्व 2005 के बाद जलाशय से पूरी तरह से समाप्त हो गया है।



ब्रिक्स सम्मेलन के जरिए भारत ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और रणनीतिक स्वायत्तता की अपनी सोच को मजबूती से दुनिया के सामने रखा है। इसी बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका और भारत के बीच बढ़ता व्यापारिक तनाव अब केवल टैरिफ की लड़ाई नहीं रह गया है, बल्कि यह ऊर्जा सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक हितों से भी जुड़ गया है। रूस और ईरान से तेल खरीदने वाले देशों पर कड़े दंडात्मक शुल्क लगाने की अमेरिकी पहल ने भारत के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। भारत के लिए रूस से कच्चा तेल महज व्यापार का विषय नहीं, बल्कि बड़ी आबादी की ऊर्जा जरूरतों और घरेलू महंगाई से जुड़ा सवाल है। दूसरी ओर अमेरिका भारत का प्रमुख निर्यात बाजार है, इसलिए ऊंचे अमेरिकी टैरिफ का असर वस्त्र, इंजीनियरिंग, रत्न-आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य निर्यात क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसी बीच डेढ़ साल से लंबित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता निर्णायक मोड़ पर है। अमेरिका बाजार पहुंच और कृषि उत्पादों समेत रूस से तेल खरीद जैसे मुद्दों पर दबाव चाहता है, जबकि भारत किसानों, एमएसएमई और निर्यातकों के हितों के साथ स्थिर एवं प्रतिस्पर्धी टैरिफ व्यवस्था चाहता है। ऐसे समय में भारत के सामने चुनौती ब्रिक्स के जरिए वैश्विक संतुलन साधने के साथ अमेरिका से आर्थिक रिश्ते बनाए रखने की भी है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

नई विश्व व्यवस्था की धुरी बनता ब्रिक्स



विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

वरिष्ठ स्तंभकार

यक्ष प्रश्न है कि ब्रिक्स आने वाले दौर में एक अमेरिका विरोधी मंच के तौर पर क्या एक मोर्चे का आकर ग्रहण कर सकता है? एक और जटिल प्रश्न है कि क्या भारत की ख्वाहिश के अनुसार आगामी भविष्य में बहुध्रुवीय विश्व और नई विश्व व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा? दुनिया के समक्ष उपस्थित इन सवालों पर अत्यधिक चर्चा ब्रिक्स सम्मेलन 2026 में की गई। भारत की यात्रा के तत्पश्चात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 24 सितंबर से अमेरिका की कूटनीतिक यात्रा प्रारंभ करने वाले हैं। दो ध्रुवीय विश्व को और अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए क्या अमेरिका और चीन एकजुट हो रहे हैं? ताइवान पर होने वाले संभावित सैन्य संघर्ष को दृष्टि में रखते हुए अमेरिका और चीन की दोस्ती कदाचित संभव नहीं है। निश्चित तौर पर अमेरिका द्वारा चीन के प्रति व्यापारिक उदारता का परिचय दिया जा रहा है और भारत के प्रति अत्यंत कठोरता का। ब्रिक्स का एक प्रमुख देश होने के बावजूद चीन ने भारत के प्रति अपनी विस्तारवादी नीति का कदाचित परित्याग नहीं किया है। भारत को चीन और अमेरिका के गठजोड़ के प्रति अत्यंत सतर्क रहना होगा और अमेरिकन कूटनीतिक और प्रबल आर्थिक दबावों का प्रतिरोध करते हुए, रूस के साथ अपनी ऐतिहासिक दोस्ती और आर्थिक रिश्तों को और अधिक प्रगाढ़ बनाना होगा। ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करते हुए भारत को विभिन्न देशों में अपने लिए बाजार तलाशने होंगे। भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन में ईरान के प्रति अपनी बदलती हुई कूटनीति और रणनीति का परिचय दिया है। ईरान के चाबहार बंदरगाह पर अमेरिका द्वारा जबर्दस्त बमबारी की गई थी। जबकि भारत ने चाबहार बंदरगाह के निर्माण में बहुत बड़ा आर्थिक निवेश अंजाम दिया है। अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों के कारण भारत ने ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया था। संभवतः भारत अपनी इस गलती में सुधार करेगा और ईरान से अपने आर्थिक रिश्तों को अत्यंत शक्तिशाली बनाएगा अमेरिकन के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने रूस पर अत्यंत कड़े आर्थिक प्रतिबंध आयद करने वाला एक बिल बहुमत से पारित कर दिया है।



ब्रिक्स सम्मेलन के जरिए भारत ने बदलती वैश्विक व्यवस्था में अपनी कूटनीतिक भूमिका को मजबूती से रेखांकित किया है। अमेरिका-चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों, भारत-अमेरिका व्यापारिक तनाव और चीन के साथ सीमा विवाद के बीच नई विश्व व्यवस्था का सवाल बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने ब्रिक्स को किसी देश विरोधी मंच में बदलने के बजाय समावेशी, न्यायपूर्ण और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की पैरवी की। अलग-अलग मत रखने वाले देशों को एक मंच पर लाना भी भारत की कूटनीतिक क्षमता का संकेत है। अब चुनौती यह है कि भारत रूस के साथ पुराने रिश्तों, अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों और चीन के साथ जटिल समीकरणों के बीच संतुलन कायम रखते हुए वैश्विक दक्षिण की आवाज को प्रभावी बनाए।

ताकतवर लीडर एक मंच पर

वर्ष 2026 ब्रिक्स का 18वां शिखर सम्मेलन और भारत के अध्यक्षता में अत्यंत कामयाबी के साथ संपन्न हो तो गया। ब्रिक्स आयोजन में अध्यक्षता करते हुए भारत की सबसे बड़ी कामयाबी रही कि उसने दुनिया की कुछ अत्यंत ताकतवर लीडरों को दिल्ली में एक विशाल गोलमेज पर इकट्ठा कर दिखाया। चीन के राष्ट्रपति शिन जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सीरियल रामाफोसा आदि। उल्लेखनीय है कि चीन के राष्ट्रपति शी तकरीबन सात वर्ष पश्चात भारत पधारे। ब्रिक्स 2026 सम्मेलन में शिरकत करने आए अनेक राष्ट्रों के मध्य सैन्य टकरावों और सीमा विवादों का कटुता पूर्ण इतिहास रहा है। भारत और चीन के मध्य सैन्य टकराव और सीमा विवाद का दशकों पुराना इतिहास रहा है। ईरान और यूएई जंग के मैदान में आमने-सामने खड़े रहे। सऊदी अरब पर ईरान ने मिसाइलें दागीं। इन तमाम परस्पर विरोधी देशों के लीडरों को ब्रिक्स सम्मेलन में आमने-सामने एक गोल मेज पर बैठाने के लिए भारत को कठिन कूटनीतिक प्रयास करने पड़े।

जटिल प्रश्न पर सहमति

ब्रिक्स 2026 सम्मेलन में यह भी भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। यह तथ्य भारत के बहुआयामी कूटनीतिक दृष्टिकोण को भी दर्शाता है कि ब्रिक्स सम्मेलन में शिरकत करने आए देशों को ईरान युद्ध के बाद अपने परस्पर रिश्तों पर फिर से विचार करने का शानदार अवसर प्रदान किया गया। ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस ने साथ बैठकर ब्रिक्स सम्मेलन में कूटनीतिक बातचीत को प्रारंभ किया है। नई वैश्विक व्यवस्था की संरचना कैसी होनी चाहिए इस जटिल प्रश्न पर ब्रिक्स देशों के मध्य पूर्ण सहमति बनाने में भारत को कामयाब हो गया। एक समावेशी ,न्यायपूर्ण और निष्पक्ष विश्व व्यवस्था का निर्माण करने का संकल्प दोहराया गया। ब्रिक्स 2026 सम्मेलन में कुछ मुख्य मुल्क चाहते थे ब्रिक्स मंच एक अमेरिका विरोधी मंच के तौर पर निर्मित हो जाए। लेकिन भारत की अध्यक्षता में ऐसा कदाचित संभव नहीं हो सका। ब्रिक्स सम्मेलन 2026 सर्वसम्मति से संयुक्त घोषणा पत्र को जारी कराने में कामयाब रहा। ब्रिक्स 2026 सम्मेलन से पूर्व ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की दो दफा बैठक हुई थी, जो कि संयुक्त बयान जारी करने में नाकाम सिद्ध हुई थी। ब्रिक्स सम्मेलन के संयुक्त घोषणा पत्र में फलस्तीनियों के जबरन विस्थापन के किसी भी कदम पर कल अत्यंत कड़ा विरोध प्रकट किया गया है।

भारत ने कूटनीतिक संतुलन बरकरार रखा

यह बिल ट्रंप प्रशासन को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले बड़े खरीददार देशों पर सौ प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का कानूनी अधिकार प्रदान करता है। जिन देशों पर यह टैरिफ लागू किया जाना है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। क्योंकि भारत भी रूस से बड़े पैमाने पर तेल का आयात करता रहा है। भारत के साथ ही चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे अनेक देश भी अमेरिका के सौ प्रतिशत टैरिफ आयद करने के निशाने पर आ सकते हैं। यह बिल पहले ही भारी बहुमत से अमेरिकन सीनेट में पारित किया जा चुका है। अब इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा जाना है, जो कि निश्चित रूप से यथाशीघ्र एक एक्ट का प्रारूप धारण कर लेगा। अमेरिका वैश्विक पटल पर ब्रिक्स मंच पर विद्यमान अपने सबसे घनिष्ठ दोस्त भारत को आखिरकार दुश्मन बनने पर क्यों तुला हुआ है। ब्रिक्स सम्मेलन 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने अपना बहुआयामी कूटनीतिक संतुलन बाकायदा बरकरार बनाए रखा और सम्मेलन के रुख को अमेरिका विरोधी नहीं होने दिया। सौ प्रतिशत टैरिफ आयद करने का बिल उस वक्त पारित किया गया है, जबकि भारत और अमेरिका के मध्य एक शुरुआती व्यापारिक समझौते पर बातचीत अंतिम दौर में है। अमेरिका वस्तुत रूस के साथ ही साथ भारत को भी अपने आर्थिक प्रतिबंधों द्वारा निशाने पर लेने पर आमादा हो गया है। भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ आरोपित करने से भारतीय निर्यातकों को जबरदस्त नुकसान पहुंचेगा।

एकतरफा प्रतिबंधों की भर्त्सना

वैश्विक व्यापार को लेकर भी ब्रिक्स घोषणा पत्र में गंभीर चिंता प्रकट की गई। अत्यंत मनमाने ढंग से टैरिफ आरोपित करने के प्रति अपनी गहन चिंता का इजहार किया गया। एकतरफा आर्थिक प्रतिबंधों की घनघोर भर्त्सना की गई और अमेरिका का नाम तक लेने से भी बाकायदा परहेज किया गया। शायद इसलिए कि वाशिंगटन की नाराजगी से शायद बचा जा सके। ब्रिक्स सम्मेलन 2026 के संयुक्त घोषणापत्र में यूक्रेन युद्ध का कोई उल्लेख नहीं किया गया। हालांकि विश्व मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अनेक दफा दोहरा चुके हैं कि यह युग युद्धों का युग कदाचित नहीं है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं में सुधारों की पैरवी की गई। ब्रिक्स ने भारत और ब्राजील को सुरक्षा परिषद में स्थान प्रदान की पैरवी की। आतंकवाद के हर पहलू को खत्म करने का संकल्प दोहराया। वैश्विक कूटनीति की बात करें तो दुनिया में शांति स्थापित करने के लिए भारत वस्तुतः विश्व शक्तियों के मध्य संतुलन स्थापित करने की कोशिश में जुटा हुआ है। अभी कहां नहीं जा सकता कि तीसरे विश्व युद्ध के कगार खड़ी दुनिया को भारत बचा पाएगा अथवा नहीं ।

अगर अमेरिका ने 100% का टैरिफ थोप दिया तो !



मुद्दा

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों से 'सैंक्शनिंग रशा एंड ईरान एक्ट' के पारित होने को लेकर देश में आशंकाओं के बादलों का उठना स्वाभाविक है। आज जिस आर्थिकी और विश्व व्यवस्था को तकरीबन पूरी दुनिया ने अपना रखा है, उसकी वजह से पूरी दुनिया को लगता है कि अमेरिका के सहयोग के बिना वह एक कदम आगे नहीं रख सकती। वैश्विक आर्थिकी में डालर के वर्चस्व के चलते ज्यादातर देशों को लगता है कि अगर अमेरिका की आंखें टेढ़ी हुईं तो उस पर महाविपत्ति आ जाएगी। इसी सोच का ही असर है कि इस अधिनियम के पारित होने के बाद भारत के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की नजर में भारतीय विदेश नीति नाकाम नजर आने लगी है। सैद्धांतिक रूप से भारतीय वामपंथी इकोसिस्टम अमेरिका का हर पल खुला विरोध करता है, लेकिन उसे भी अमेरिकी टैरिफ कानून भारतीय हित के खिलाफ नजर आ रहा है। इन सबके बीच भारत सरकार की प्रतिक्रिया संतुलित और सधी हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत अपनी 140 करोड़ की आबादी की ऊर्जा सुरक्षा के लिए दृढ़ है। जाहिर है, भारत को झुकाने की सोच रखने वाले ट्रंप प्रशासन को ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं रही होगी। ऐसे में अमेरिका के अगले कदम पर निगाह रखना ज्यादा जरूरी हो जाता है।

रूस और ईरान से अगर भारत द्वारा तेल खरीदने का बुनियादी लक्ष्य रूस-यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देना या ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका और इजरायल का विरोध नहीं है। दरअसल भारत मौजूदा माहौल में अपनी भारी-भरकम जनसंख्या के लिए किफायती ऊर्जा सुरक्षा को संरक्षित कर रहा है। इसलिए भारत का न झुकना देश के विपक्षी दलों और अमेरिकी सरकार के लिए हैरतअंगेज भले ही हो, भारतीय हितों के अनुकूल नहीं है। वैसे जब से ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का पद संभाला है, अपने ऊल-जलूल फैसलों के लिए ही वे जाने गए हैं। यह पहला मौका नहीं है कि उन्होंने इस कानून के जरिए भारत को दबाने की कोशिश की है। बीते साल एक अगस्त 2025 से उन्होंने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया था। जिससे उनके ही बाजार में भारतीय वस्तुएं और सामान महंगे होने लगे थे। तब चालाकी दिखाते हुए ट्रंप प्रशासन ने फार्मास्युटिकल्स को इस टैरिफ से अलग रखा था। इसकी वजह यह है कि भारत से अमेरिका आने वाली दवाएं सस्ती पड़ती हैं। भारतीय रत्न और आभूषणों पर टैरिफ लगाने का बहुत असर नहीं पड़ा था। क्योंकि रत्न और आभूषण स्वभाव से ही महंगे होते हैं और उन्हें खरीदने वाले लोगों के लिए इनकी महंगाई मायने नहीं रखती। पश्चिमी एशिया का हालिया संकट अमेरिका की ही देन है। जब से यह संकट बढ़ा है, भारत ने रूस से तेल की खरीददारी बढ़ा दी है।

अमेरिकी संसद से रूस और ईरान पर कड़े प्रतिबंधों वाला कानून पारित होने के बाद भारत की ऊर्जा सुरक्षा और निर्यात को लेकर चिंता बढ़ी है। हालांकि भारत ने स्पष्ट किया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों और ऊर्जा जरूरतों से समझौता नहीं करेगा।

यह भारत की मजबूरी भी है। बीती जुलाई में भारत ने अपने कुल तेल आयात का 51.4 प्रतिशत तेल अकेले रूस से खरीदा था। रूस से तेल खरीद का भारतीय मकसद मौजूदा हालात में अपने लिए किफायती दरों पर तेल हासिल करना है। भारत का यह अधिकार है और मौजूदा हालात में अगर भारत झुकता है तो इसे भारतीय नागरिक शायद ही पसंद करेगा। भारत की तुलना में चीन ना सिर्फ रूस, बल्कि ईरान से भी भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है। जानने की बात है कि भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों में टेक्सटाइल्स, रत्न और आभूषण, आटोमोबाइल और इंजीनियरिंग उत्पाद ज्यादा है। टैरिफ अगर बढ़ेगा तो अमेरिकी बाजार में इनकी कीमतें महंगी होंगी, जिससे उनकी मांग घट सकती हैं। इससे भारतीय निर्यातकों को नुकसान हो सकता है। कुछ जानकारों को लगता है कि इससे रूस से जारी तेल खरीद से मिल रही अरबों रूपए की राहत खटाई में पड़ सकती है। बेशक अमेरिका भारत का बड़ा कारोबारी साझीदार है। लेकिन मोदी के 2024 में सत्ता में आने के बाद से अब तक करीब चालीस देशों से मुक्त व्यापार समझौता किए जा चुके हैं। भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ से भी ऐसा समझौता किया है। भारत का मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ, ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड आदि से मुक्त व्यापार समझौते या व्यापक आर्थिक साझेदारी का समझौता कर चुका है। भारत सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपने कारोबारी नेटवर्क का विस्तार करते हुए नौ बड़े मुक्त व्यापार समझौते भी किए हैं। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ यानी ईएफटीए में आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। इसी तरह भारत ने आसियान देशों, जापान, दक्षिण कोरिया और साफ्टा के सदस्य देशों के साथ पारंपरिक कारोबारी समझौता कर चुका है। अगर अमेरिका भारत पर टैरिफ थोपता है तो देश को चाहिए कि इन देशों के जरिए कारोबार को बढ़ावा दे। वैसे भी टैरिफ थोपने की दशा में भारतीय कारोबारी दूसरे देशों के जरिए अमेरिका में अपना माल भेज सकते हैं। उम्मीद कर सकते हैं कि सरकार भी ऐसी राह तलाशने की कोशिश में जुटी होगी। फिर भारतीय अर्थव्यवस्था भी पहले जैसी नहीं रही, इसलिए हताश और चिंतित होने की जरूरत नहीं है, भारत को अमेरिकी बाजार में घुसने के लिए वैकल्पिक राहों की तलाश तेज करनी होगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता क्यों अटका



रिश्ते

विवेक शुक्ला

स्वतंत्र पत्रकार

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता पिछले डेढ़ साल से चर्चा में है, लेकिन अभी तक उस पर अंतिम मुहर नहीं लगी है। दोनों देश बार-बार कहते हैं कि बातचीत आगे बढ़ रही है, फिर भी समझौता अधर में लटकता रहता है। सवाल यही है कि नई परिस्थितियों में दबाव बढ़ेगा या अमेरिका टैरिफ की धमकी से अपनी शर्तें थोपने की कोशिश करेगा। सबसे पहले बात साफ कर लेनी चाहिए। फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा था। उस समय द्विपक्षीय व्यापार करीब 191 अरब डॉलर था। आज यह आंकड़ा लगभग 240 अरब डॉलर के आसपास बताया जाता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और भारत के कुल माल निर्यात का करीब पांचवां हिस्सा वहीं जाता है। इसलिए यह समझौता सिर्फ कागजी नहीं, बल्कि वस्त्र, रसायन, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग और फार्मा जैसे क्षेत्रों की लाखों नौकरियों से जुड़ा विषय है। 2025 में तनाव बढ़ा। अमेरिका ने "पारस्परिक टैरिफ" लगाया और रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर अतिरिक्त जुर्माना भी चढ़ा दिया। कुछ वस्तुओं पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत तक पहुंच गया। भारतीय निर्यातकों के लिए यह बड़ा झटका था। छोटे और मझोले उद्यमों को ऑर्डर रद्द होने या मार्जिन घटने की चिंता सताने लगी। वस्त्र, चमड़ा, प्लास्टिक, रसायन और आभूषण जैसे क्षेत्रों में अनिश्चितता फैल गई। भारत ने इसे अनुचित बताया, क्योंकि रूस से तेल खरीदने वाले कुछ अन्य बड़े देश उसी अनुपात में दंडित नहीं हुए। फरवरी 2026 में मोदी-ट्रंप बातचीत के बाद माहौल कुछ नरम पड़ा। अमेरिका ने पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने की बात कही और रूस-तेल से जुड़ा अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क हटाने का ऐलान किया। भारत की ओर से अमेरिकी औद्योगिक सामान और कई कृषि उत्पादों -जैसे पशु आहार, मेवे, फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स-पर शुल्क घटाने या हटाने की रूपरेखा बनी। भारत ने पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा, विमान, तकनीक और कोयले की खरीद का इरादा भी जताया। दोनों सरकारों ने इसे "अंतरिम समझौते की रूपरेखा" कहा और इसे 30 खरब डॉलर के अमेरिकी बाजार की ओर एक कदम बताया। लेकिन रूपरेखा और अंतिम समझौते में फर्क होता है। भारत बार-बार कहता रहा है कि उसे प्रतिस्पर्धी देशों जैसे वियतनाम, थाईलैंड, इंडोनेशिया, फिलीपींस, मलेशिया और बांग्लादेश की तुलना में बेहतर या कम-से-कम बराबरी का टैरिफ फायदा चाहिए। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का रुख साफ है कि जब तक अमेरिका भारत को प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले तरजीही दर नहीं देता, तब तक अंतिम विवरण घोषित नहीं होगा। भारत सरकार ने कहा है कि उसने अमेरिका को पहले ही बता दिया है कि ऐसे कदम ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक बाजार और द्विपक्षीय रिश्तों पर असर डाल सकते हैं। क्या अमेरिका टैरिफ का डर दिखाकर अपनी मर्जी थोपेगा? अनुभव बताता है कि टैरिफ ट्रंप प्रशासन की पसंदीदा रणनीति रही है। 2025 में 50 प्रतिशत तक शुल्क चढ़ाने के बाद ही फरवरी 2026 की रूपरेखा बनी। यानी दबाव काम करता है। लेकिन भारत भी अब वैसा कमजोर पक्ष नहीं रहा। उसने ब्रिटेन, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और मॉरीशस जैसे देशों के साथ व्यापार समझौते किए हैं। न्यूजीलैंड समझौता अक्टूबर के आसपास लागू हो सकता है और यूरोपीय संघ से बात आगे बढ़ रही है। घरेलू बाजार बड़ा है, ऊर्जा जरूरतें गंभीर हैं और किसान-डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर सरकार समझौता नहीं करना चाहती। कृषि मंत्री पहले ही कह चुके हैं कि किसानों के हितों पर कोई समझौता नहीं होगा। इसलिए दबाव दोनों तरफ से बढ़ सकता है। अमेरिका चाहता है कि भारत ज्यादा अमेरिकी सामान खरीदे, कृषि बाजार खोले, गैर-टैरिफ बाधाएं घटाए और रूस से तेल खरीद घटाए। भारत चाहता है कि उसके निर्यात को अमेरिका में स्थायी और प्रतिस्पर्धी पहुंच मिले, टैरिफ अचानक न बढ़ें और कृषि-डेयरी पर लाल रेखा बनी रहे। फिलहाल गेंद दोनों के पाले में है। अब इस माह और अक्टूबर की बातचीत बताएगी कि दबाव समझौते की ओर ले जाता है या फिर नई अनिश्चितता की ओर। दोनों लोकतंत्रों को यह याद रखना होगा कि व्यापार सिर्फ शुल्क की गणित नहीं, बल्कि विश्वास का मामला भी है।



भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर डेढ़ साल से जारी बातचीत अब निर्णायक मोड़ पर है। टैरिफ, रूस से तेल खरीद, कृषि और बाजार पहुंच जैसे मुद्दे दोनों देशों के बीच अड़चन बने हैं। अमेरिका दबाव बढ़ा रहा है, जबकि भारत अपने किसानों, निर्यातकों और घरेलू उद्योगों के हितों की रक्षा चाहता है।

भारत के परिवेश में चीज़ें बदलती रहेंगी



अमेरिका-कनाडा विवाद

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

बनते-बिगड़ते विश्व की तस्वीर में जब सत्ता का पैमाना बढ़ जाता है तो कहीं कुछ किसी को फ़ायदा होता है तो किसी को नुक़सान, लेकिन जब कहानी वर्चस्व की आ जाए तो सिक्के का एक ही पहलू नज़र आता है और वह है सम्मान। समस्या यह है कि अमेरिका और कनाडा दोनों ही अपने आप सम्पन्न देशों में आते हैं, लेकिन दोनों को यह भी समझना होगा कि विश्वपटल पर उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सबका साथ चाहिए होता है, जिसके लिए बहुत समझौते करने होते हैं। बहरहाल यदि भारत के परिवेश में ऐसी स्थिति बनती है तो इसके सकारात्मक व नकारात्मक दोनों तरह के पहलू सामने आ सकते हैं। भारत की सौदेबाजी की ताकत बढ़ सकती है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। इसलिए यदि भारत भी चुनिंदा अमेरिकी वस्तुओं पर जवाबी शुल्क लगाए, तो अमेरिकी कंपनियों और सरकार पर भी आर्थिक दबाव पड़ेगा। इससे व्यापार वार्ता में भारत के पास एक अतिरिक्त समझौता उपकरण हो सकता है। घरेलू उद्योग को संरक्षण मिल सकता है। अमेरिकी सामान महंगे होने पर कुछ भारतीय निर्माता अपने बाजार का हिस्सा बढ़ा सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जहां भारत के पास पहले से पर्याप्त उत्पादन क्षमता है। व्यापार का विविधीकरण तेज हो सकता है। भारत यूरोप, कनाडा, एएसईएएन, खाड़ी और अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए मजबूर होगा, लेकिन नुकसान ज्यादा व्यापक हो सकते है। भारतीय निर्यातकों को सीधा नुकसान हो सकता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। अप्रैल–अगस्त 2026 में भारत का अमेरिका को वस्तु निर्यात लगभग 43 अरब रहा। और अगस्त में ही अमेरिका को भारतीय वस्तुओं का निर्यात लगभग 21% बढ़कर 8.3 अरब डॉलर पहुंचा। इसका मतलब है कि मौजूदा समय में अमेरिकी बाजार भारतीय निर्यात के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अगर भारत व्यापक व्यापार युद्ध शुरू करता है और अमेरिका भी जवाब में भारतीय उत्पादों पर भारी शुल्क लगाता है, तो कपड़ा, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां, आभूषण और अन्य निर्यात उद्योग प्रभावित हो सकते हैं।रोजगार पर असर पड़ सकता है।

निर्यात घटने का असर केवल बड़ी कंपनियों पर नहीं पड़ेगा। श्रम-प्रधान उद्योगों और उनसे जुड़े छोटे कारोबारों पर भी असर पड़ सकता है।भारत के लिए अमेरिकी आयात भी महंगे होंगे।अमेरिका से आने वाली मशीनरी, तकनीकी उपकरण, औद्योगिक सामग्री और दूसरे उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने का अर्थ भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ना भी हो सकता है।अमेरिकी व्यापार आंकड़ों के अनुसार जनवरी–जुलाई 2026 में अमेरिका ने भारत से लगभग 60 अरब की वस्तुएं आयात कीं, जबकि भारत को 30.44 अरब डॉलर की अमेरिकी वस्तुएं निर्यात कीं। यानी दोनों देशों का व्यापार काफी बड़ा है और दोनों पक्षों को नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि वर्तमान विवाद केवल टैरिफ तक सीमित नहीं है। अमेरिका में ऐसा विधेयक आगे बढ़ा है जिसमें रूस से महत्वपूर्ण मात्रा में तेल खरीदने वाले देशों पर बहुत ऊंचे शुल्क लगाने का प्रावधान है। भारत ने कहा है कि इससे उसके ऊर्जा हित और भारत-अमेरिका संबंध प्रभावित हो सकते हैं। भारत के लिए रूस से सस्ता कच्चा तेल छोड़ना भी महंगा हो सकता है, क्योंकि उसका सीधा संबंध पेट्रोल-डीजल, परिवहन लागत और महंगाई से है। इसलिए भारत के लिए अमेरिका के साथ टकराव का प्रभाव केवल निर्यात-आयात तक सीमित नहीं रहेगा।भारत की सौदेबाजी की ताकत बढ़ सकती है।अमेरिका भारत का एक बड़ा निर्यात बाजार है और दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध काफी व्यापक हैं। ओंटारियो कनाडा के ऑटो मैन्यूफ़ैक्चरिंग इंडस्ट्री का केंद्र है।उन्होंने साल 2025 में कुछ समय के लिए अमेरिका को होने वाले सभी बिजली निर्यात पर 25% सरचार्ज लगाने का प्रस्ताव रखा था जिसके बारे में उनकी सरकार का अनुमान था कि इससे मिशिगन, मिनेसोटा और न्यूयॉर्क में 15 लाख घरों और व्यवसायों पर असर पड़ेगा।कनाडा पोटाश सहित कई अहम चीज़ों का प्रमुख स्रोत भी है।पोटाश एक ऐसा उत्पाद है जिसका उपयोग उर्वरक में किया जाता है और जिसके लिए कनाडा दुनिया का शीर्ष आपूर्तिकर्ता है।



अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच भारत के सामने अवसर और चुनौतियां दोनों हैं। जवाबी शुल्क से सौदेबाजी की ताकत और घरेलू उद्योग को संरक्षण मिल सकता है, लेकिन निर्यात, रोजगार, आयात लागत और ऊर्जा सुरक्षा पर दबाव बढ़ने का जोखिम भी है।

तरकश

संजय के. दीक्षित

प्रशासन में उल्टी गंगा

छत्तीसगढ़ के राजस्व केसों में अंधेर नगरी जैसा हाल हो गया है। आम आदमी इस उम्मीद से तहसील कोर्ट के फैसलों के खिलाफ कलेक्टर और कमिश्नर कोर्ट में अपील करता है कि उसे न्याय मिलेगा, मगर कमोवेश सभी जगहों पर देखने में आ रहा कि ये साहबान लोग उसे बिना कोई निर्णय किए नीचे के अधिकारियों को लौटा दे रहे। जबकि, भू-राजस्व संहिता 49 की धारा 3 में स्पष्ट उल्लेख है कि अपीलीय प्राधिकारी याने कलेक्टर, कमिश्नर राजस्व केसों को पुनर्विचार या फिर से निर्णय करने के लिए केस को नीचे कदापि नहीं भेज सकते। उन्हें हर हाल में अपना फैसला देना होगा। केस की सुनवाई में अगर उन्हें कुछ और डक्यूमेंट की जरूरत होगी तो वे खुद ही तलब करेंगे...और अपने स्तर पर ही उसका निबटारा करेंगे। मगर छत्तीसगढ़ में राम राज है। कोई देखने वाला है नहीं...स्थिति यह है कि 90 परसेंट से अधिक केसेज कलेक्टर, कमिश्नर अपने अधीनस्थ अफसरों को लौटा दे रहे। इससे तहसील कार्यालयों में केसों की पेंडेंसी लगातार बढ़ती जा रही। दरअसल, सूबे के कलेक्टरों और कमिश्नरों ने अपनी जिम्मेदारी से बचने का ये तरीका निकाला है...अब आम आदमी भटकता रहे, उन्हें क्या फर्क पड़ना। आगे जब भी कलेक्टर कांफ्रेंस हो, इसे एजेंडा में शामिल करना चाहिए कि कितने अपीलीय प्राधिकारी ने अपील के कितने मामलों को निबटारा किया और कितने को नीचे वापिस किया, चौंकाने वाली संख्या सामने आएगी।

बड़े मियां तो बड़े मियां...

वो युग चला गया, जब कलेक्टर, कमिश्नर राजस्व मामलों के गहरी दिलचस्पी लेते थे। कलेक्टर साल में एकाध बार ब्लॉकों में पहुंचकर खुद ही डक्यूमेंट चेक कर लेते थे। मगर अब के कलेक्टरों को राजस्व से कोई वास्ता नहीं। गलती उनकी भी नहीं। अब डीएमएफ में इतना पैसा आ गया है कि बेचारे कलेक्टर उसी गुनतारे में व्यस्त रहते हैं कि उसे खर्च कैसे करें। खैर बात मुद्दे की। छत्तीसगढ़ सरकार ने जमीन या संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद ऑटो नामंतरण जैसा बड़ा रिफार्म किया है। मगर राजस्व विभाग उसे सफल होने दें तब तो! पिछले हफ्ते इसी स्तंभ में हमने बताया था कि किस तरह प्रायोजित आपत्तियां लगाकर नामंतरण रोका जा रहा। इसमें नया अपडेट यह है कि रजिस्ट्री के बाद आटो नामंतरण हो भी गया तो पटवारी अपना रिकार्ड नहीं सुधारता। पटवारी या तहसील ऑफिस में आप जाएंगे तो कहा जाएगा कि त्रुटि सुधार का आप्लीकेशन लगाइये। याने त्रुटि राजस्व विभाग का और आवेदन करें भुक्तभोगी व्यक्ति। उपर से बिना चढ़ावा कुछ होगा नहीं। याने सरकार कोई भी रिफार्म कर लें, आपको पटवारी के पास जाना ही होगा।

नाम चढ़ाने का 27 लाख

एक बड़े जिले का मामला है...एक रोड कंट्रेक्टर ने करीब 54 करोड़ में 20-22 एकड़ जमीन परचेज किया। जमीन की रजिस्ट्री हो गई। नाम भी चढ़ गया। मगर उसे ऑनलाइन करने के लिए राजस्व महकमा अड़ गया, क्योंकि सामने वाला बड़ा आसामी था। ठेकेदार को डर था कि इतना बड़ा सौदा है...राजस्व विभाग कहीं किसी मामले में उलझा दिया या दोबारा किसी की रजिस्ट्री करवा दिया...जैसा की आमतौर पर होता है...तो बड़ी चपत लग जाएगी। थक हारकर उसे 27 लाख देना पड़ा, तब जाकर ऑनलाइन नाम चढ़ा।

बिहार में बड़ा मूवमेंट

बिहार की नई बीजेपी सरकार ने जमीनों को डिजिटल रिकार्ड दुरूस्त करने बड़ा अभियान चलाया है। 17 सितंबर से लेकर 31 अक्टूबर तक पूरे राज्य में स्पेशल कैंपेन चलाया जा रहा। इसके लिए वहां के सिस्टम ने कलेक्टरों को नोडल अधिकारी बनाया है...कलेक्टर रोज इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। राजस्व विभाग से कहा गया है कि गांव में कैंप लगाकर रिकार्ड ठीक करें। अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु हो गई तो उसके वास्तविक वारिस का नाम ऑनलाईन रिकार्ड में चढ़ना चाहिए। याने झगड़े की पूरी वजह ही खतम हो जाएगी। छत्तीसगढ़ में भी ऐसा कुछ करना चाहिए।

कलेक्टरों को मिशन मोड

जमीनों की रजिस्ट्री के साथ ऑटो नामंतरण के लोकार्पण कार्यक्रम में सीएम विष्णुदेव साय ने राजस्व अमले को यमराज से तुलना की थी। उन्होंने बताया...30 साल पहले जब वे विधायक थे, एक तहसीलदार ने उनके एक परिचित की जमीन का नामंतरण 18 साल से लटका कर रखा था...वे खुद मोटर सायकिल पर उसे बिठाकर तहसील ऑफिस गए और फिर नामंतरण करवाया। बहरहाल, पड़ोस के तेलांगना और ओड़सिा ने राजस्व मामलों में काफी बदलाव कर आम आदमी का काम आसान कर दिया। मगर छत्तीसगढ़ में पटवारी और तहसीलदार राज से लोगों को मुक्ति नहीं मिल रही तो इसकी बड़ी वजह प्रशासन तंत्र की कमजोरी है। सरकार ने ऑटो नामंतरण का ऐतिहासिक रिफार्म किया मगर राजस्व विभाग के जिम्मेदार लोगों ने कभी देखने की कोशिश नहीं की, इसमें राजस्व अमला किस तरह रोड़ा अटका रहा। सरकार अगर कलेक्टरों की एकाउंटबिलिट तय कर दें तो महीने भर में राजस्व विभाग का भष्टाचार रुक जाएगा। इसके लिए एकाध कलेक्टरों को लटकाना पड़े, तो इसमें कोई हर्ज नहीं। क्योंकि, बिना कलेक्टर के संरक्षण के राजस्व विभाग का ये खेल कतई संभव नहीं।

लिटमस टेस्ट

छत्तीसगढ़ में चार नगर निगमों में चुनाव होना है। बीरगांव, भिलाई, रिसाली और भिलाई-चरौदा। ये चुनाव बीजेपी और कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न होगा। क्योंकि, चारों सीटें कांग्रेस के पास है और सत्ताधारी पार्टी की कोशिश होगी कि उसमें किस तरह सेंध लगाया जाए। बहरहाल, भिलाई इलाके के तीन नगर निगमों के चुनाव कांग्रेस के भूपेश बघेल और देवेंद्र यादव गुट के लिए भी लिटमस टेस्ट होगा। प्रत्याशी चयन में जिस गुट को ज्यादा मौका मिलेगा, और उसके नतीजे...2028 के विधानसभा चुनाव के राजनीतिक दिशा का संकेत देंगे। हालांकि, इसमें कोई संशय नहीं कि कांग्रेस में भूपेश बघेल गुट इस समय सबसे स्ट्रांग है। मगर भूपेश के शिष्य रहे देवेंद्र यादव उन्हें लगातार टक्कर दे रहे हैं। अलबत्ता, देवेंद्र यादव का राजनीतिक कैनवास अभी स्टेट लेवल नहीं हुआ है मगर यादवों के साथ सतनामी समुदाय में उनकी पैठ बढ़ी है। फिर, कांग्रेस की सियासत में दिल्ली कनेक्शन का बड़ा रोल होता है...और देवेंद्र ने ये काम वहां ठीकठाक कर लिया है। फिलहाल ये देखना दिलचस्प होगा कि प्रत्याशी चयन में कौन गुट भारी पड़ता है।



कलेक्टर, एसपी की ये कैसी ट्रेनिंग?

पीएम आवास का प्रोग्राम सक्ती में क्यों रखा गया, ये अलग प्रश्न है मगर केंद्रीय पंचायत मिनिस्टर शिवराज सिंह की मौजूदगी में काले झंडे से लेकर जिस तरह हूटिंग हुई, वह प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय है। दरअसल, कार्यक्रम ऐसा नहीं था कि उसे मैनेज नहीं किया जा सके। चूकि जांजगीर और सक्ती कांग्रेस का गढ़ है...बीजेपी के एक



भी विधायक वहां नहीं, सो जैसी सतर्कता बरतनी चाहिए थी, वो हुआ नहीं। सिस्टम को चाहिए कि जिले में कलेक्टर या एसपी बनाने से पहले किसी अच्छे कलेक्टर या एसपी के अंदर में रख एकाध महीने की ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। वो इसलिए कि आजकल एडीएम या अपर कलेक्टर वाला सिस्टम खतम हो गया है। 80 परसेंट कलेक्टर्स, एसपी को लॉ एंड आर्डर फेस करने का तजुर्बा नहीं। सक्ती में जिन्हें कलेक्टर बनाया गया, वे लंबे समय तक मुख्य सचिव की स्टाफ अफसर रहीं। फील्ड में कब पोस्टिंग की, शायद उन्हें भी याद नहीं होगा। बिलासपुर में जिला पंचायत सीईओ बनाया गया तो चार महीने में ही छुट्टी पर चली गई, फिर सरकार को पोस्टिंग बदलनी पड़ी। अब उन्हें सीधे नेता प्रतिपक्ष के जिले में भेज दिया गया। हालांकि, छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक इनोवेशन पर काफी काम हो रहा। कलेक्टर बनाने से पहले आईएएस अधिकारियों को एडीएम की एक पोस्टिंग देने की परंपरा फिर शुरू करनी चाहिए। वरना, वही होगा कि बलौदा बाजार में हिंसा की घटना हुई तो कलेक्टर जिला छोड़ भाग निकले थे...अभी भी स्थिति बदली नहीं है। इस तरह की कोई नौबत आए तो कितने कलेक्टर, एसपी फ्रंट पर टिक पाएंगे, सिस्टम में बैठे लोगों को इसे सनद रखना चाहिए।

झारखंड से दीये

पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर दीये जलाने का टारगेट तो कलेक्टरों ने बढ़-चढ़कर दे दिया मगर दीयों का बंदोबस्त करने में उनके पसीने छूट गए। दरअसल, कुम्हार बरसात बाद दिवाली के लिए दीये बनाने प्रारंभ करते हैं। इसलिए दीये का स्टॉक था नहीं। उपर से मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और बीजेपी कार्यकर्ताओं में दीये खरीदने की होड़ मच गई। सो, बाजार से दीये पहले ही खतम हो गए थे। कलेक्टरों के समक्ष दिक्कत ये भी थी...लाख रुपए का बजट मिला, उपर से सवा लाख दीये का टारगेट...और मार्केट से दीये नदारत। कई कलेक्टरों ने झारखंड तक आदमी दौड़ाए। झारखंड में गैर बीजेपी सरकार है, इसलिए वहां दीयों की उतनी डिमांड नहीं रही। कुल मिलाकर पर्सनल एप्रोच लगाकर कलेक्टरों ने ठीकठाक दीये जलवा लिए।

24 आईएएस डेपुटेशन पर

छत्तीसगढ़ में एक वो भी टाईम था, जब दो आईएएस सेंट्रल डेपुटेशन पर होते थे। एक सुनिल कुमार और दूसरा बीवीआर सुब्रमणियम। सुब्रमणियम तो राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ आए ही नहीं थे, सो उनका काउंट भी नहीं होता था। याने एक ही डेपुटेशन माने। मगर धीरे-धीरे अफसरों की संख्या बढ़ी तो प्रतिनियुक्ति में भी उसी के अनुरूप इजाफा हुआ। इस समय पूरे 24 आईएएस अधिकारी डेपुटेशन पर हैं। इनमें 93 बैच के दूसरे नंबर के सबसे सीनियर आईएएस अमित अग्रवाल भी शामिल हैं। 2011 बैच के नीलेश श्रीरसागर भी डेपुटेशन के लिए ट्राई कर रहे थे, मगर अब डायरेक्टर अर्बन की पोस्टिंग मिलने का मतलब है, वे अब शायद ही जाएं। मगर 2012 बैच के दो-तीन आईएएस अगले साल जरूर दिल्ली का रुख करेंगे। उससे पहले बहुत संभावना है कि दिसंबर तक अंकित आनंद भी दिल्ली जाएं। यानी संख्या और बढ़नी ही हैं। खैर, भारत सरकार ने ज्वाइंट सिकेट्री बनने के लिए सेंट्रल डेपुटेशन अनिवार्य कर दिया है। मगर दिक्कत यह है कि चुनिंदा अफसरों को ही केंद्र क्लियरेंस देता है। छत्तीसगढ़ से 24 आईएएस दिल्ली गए हैं, उनमें से कम-से-कम 15 तो काफी अच्छे अफसर होंगे। इससे राज्य को नुकसान तो होता है। छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में और भी...जहां रीढ़ सीधा करके काम करने वाले अफसरों की बड़ी जरूरत है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. जिन 12 जिलों में महिलाओं को कलेक्टर बनाया गया है, उनके परफार्मेंस के बारे में पब्लिक ओपिनियन क्या है?
2. मंत्री अगर सूटकेस के वजन को पोस्टिंग का पैरामीटर बना लेंगे तो क्या छत्तीसगढ़ में वर्किंग कल्चर डेवलप होने की कल्पना करनी चाहिए?

महात्मा गांधी की मां पुतलीबाई का निभाएंगी किरदार

दिग्गज अभिनेत्री वहीदा रहमान फिल्मकार अनुभव सिन्हा और सुधीर मिश्रा की आगामी फिल्म में महात्मा गांधी की मां पुतलीबाई की भूमिका निभाएंगी। फिल्म में मनोज बाजपेयी महात्मा गांधी का किरदार निभा रहे हैं, जबकि सौरभ शुक्ला भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फिल्म महात्मा गांधी के जीवन के कम चर्चित 21 दिनों की कहानी पर आधारित है। सुधीर मिश्रा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण अनुभव सिन्हा और नरेंद्र हिरावत ए बनारस मीडियावर्क्स के बैनर तले कर रहे हैं। फिल्म को एनएच स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है। वहीदा रहमान की मौजूदगी से फिल्म में भावनात्मक गहराई जुडने की उम्मीद है।

वहीदा रहमान का जुड़ना सम्मान की बात : सुधीर

सुधीर मिश्रा ने कहा कि वहीदा रहमान का इस परियोजना का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि प्यासा, साहिब बीबी और गुलाम, कागज के फूल और गाइड जैसी फिल्मों से उनका गहरा जुड़ाव रहा है और उन्हें यकीन नहीं होता कि ऐसी ऐतिहासिक फिल्मों की अभिनेत्री अब उनके निर्देशन



वाली फिल्म का हिस्सा बनने जा रही हैं। अनुभव सिन्हा ने कहा कि वहीदा रहमान के साथ फिल्म और खास तौर पर इस परियोजना पर चर्चा करना उनके लिए सम्मान की बात रही। उन्होंने खुशी जताई कि सुधीर मिश्रा और फिल्म की पटकथा वहीदा रहमान को फिर से सेट पर लाने में सफल रहे।

'दुपहिया सीजन-2' का प्रीमियर एक अक्टूबर को

मुंबई। प्राइम वीडियो की हिंदी ओरिजिनल सीरीज दुपहिया के दूसरे सीजन का प्रीमियर एक अक्टूबर को होगा। धडकपुर की पृष्ठभूमि पर आधारित कॉमेडी-ड्रामा सीरीज के नए सीजन में गांव के लोगों के सामने नई चुनौतियां और परेशानियां आएंगी। दुपहिया के दूसरे सीजन का निर्देशन सोनम नायर ने किया है। सलोना बैन्स जोशी और शुभ शिवदासानी ने बॉम्बे फिल्म कार्टेल एलएलपी के बैनर तले इसका निर्माण किया है। अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग इसके लेखक और रचनाकार हैं। सीरीज में गजराज राव, रेणुका शहाणे, स्पर्श श्रीवास्तव, भुवन अरोड़ा, शिवानी रघुवंशी और यशपाल शर्मा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ भी दूसरे सीजन में शामिल हुए हैं।



राका में अलग अंदाज में दिखे अल्लू

रहस्यमय टीजर रिलीज...

मुंबई। आइकन स्टार अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की बहुप्रतीक्षित फिल्म राका को लेकर रहस्य गहराता जा रहा है। मेकर्स ने 37 के क्रिप्टिक पोस्ट के बाद अब एक और रहस्यमय टीजर जारी किया है, जिसने प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। सन पिक्चर्स की ओर से साझा किए गए टीजर में लिखा है, जो असंभव सा लगता था, उससे भी आगे। हमने कल्पना करने की हिम्मत की। हमने इसे साकार करने की हिम्मत की। राका-एक वैश्विक विजय। टीजर में एक वैश्विक विजय संदेश ने खास तौर पर प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़े अहम खुलासे को फिलहाल पर्दे के पीछे रखा है और हर नए संकेत के साथ दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा रहे हैं। 37 के बाद सामने आए इस नए टीजर को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। प्रशंसक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि नए संदेश का पिछले संकेत से कोई संबंध है या नहीं। फिलहाल राका से जुड़े हर संकेत और टीजर के दृश्यों को प्रशंसक बारीकी से देख रहे हैं।





'तुम मेरे हो' में एक साथ आएंगे नजर...

मुंबई। गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय पहली बार फिल्म तुम मेरे हो में साथ नजर आएंगे। आशीष पांडा निर्देशित यह फिल्म प्रेम, एक्शन और रोमांच से भरपूर होगी। फिल्म 23 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म ईशा मालवीय की बॉलीवुड में पहली फिल्म है। निर्देशक आशीष पांडा ने कहा कि फिल्म में प्यार के साथ उन भावनाओं और चुनौतियों को भी दिखाया गया है, जो रिश्ते की परीक्षा लेती हैं। रेवा क्रिएटिव हाउस और डेबगुरु फिल्म्स निर्मित इस फिल्म की निर्माता आरती एस और डेबिना बनर्जी हैं। फिल्म की कहानी और पटकथा निरंजन अयंगर तथा पूर्वा नरेश ने लिखी है। संगीत सारेगामा के सहयोग से तैयार किया गया है, जबकि वितरण पीवीआर पिक्चर्स



करेगा। फिल्म के निर्माताओं ने इसके पहले पोस्टर जारी किए हैं। जिनमें गुरमीत और ईशा के किरदारों के बीच गहरे रिश्ते की झलक देखने को मिलती है। पांडा ने कहा कि गुरमीत ने किरदार की गहराई और दृढ़ता को प्रभावी ढंग से निभाया है, जबकि ईशा ने भावनात्मक गहराई के साथ किरदार की मजबूती को भी बखूबी पेश किया है।



'लव रंजन' में छह नए चेहरों की दस्तक

मुंबई। निर्माता लव रंजन की फिल्म 'पहला प्यार दूसरी बार' का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। अनुज सैनी के निर्देशन में बनी यह फ्रेंडशिप-कॉमेडी फिल्म 23 अक्टूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के जरिए अलीशा चोपड़ा, स्पर्श वालिया, साक्षी वैद्य, कुणाल वैद्य, सरगुन कौर लूथरा और तुषार छिब्बर हिंदी सिनेमा में अपने अभिनय करियर की शुरुआत कर रहे हैं। जारी पोस्टर में सभी छह कलाकार एक साथ नजर आ रहे हैं। लव फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है। लव रंजन ने कहा कि नए कलाकारों को पेश करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, खांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुजनता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 20 सितंबर 2026



स्लीपकेशन घुमक्कड़ी के साथ मिलेगी भरपूर आराम वाली नींद

आज की भाग-दौड़ भरी जीवनशैली में अधिकतर लोगों को सुकून और चैन भरी नींद की कमी अकसर महसूस होती है। इस कमी को पूरा करने में स्लीपकेशन का ट्रेंड बहुत कारगर साबित होता है। जहां घूमने के साथ ही भरपूर आराम का भी मौका मिलता है। स्लीपकेशन क्या है, इसका ट्रेंड क्यों बढ़ रहा है, आप भी जानना चाहेंगे।

{ कवर स्टोरी / अंशु सिंह }

हाल के वर्षों में हमारे यात्रा करने के तरीके में एक अलग तरह का बदलाव आ रहा है। तेजी से घूमने-फिरने और व्यस्त शेड्यूल के बजाय अब लोग घुमक्कड़ी के दौरान आराम, शांति और सुकून भरे पलों की तलाश कर रहे हैं। इसे स्लीपकेशन या स्लीप टूरिज्म कहा जा रहा है। यानी एक ऐसी सोच-समझकर की गई धीमी गति वाली यात्रा, जो भाग-दौड़ के बजाय आराम को प्राथमिकता देती है।

सोने के लिए जा रहे घूमने

पेशे से चिकित्सक मेघना सेठ की दिनचर्या कुछ ऐसी रहती थी कि उन्हें नींद पूरी करने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती थी। नींद की इस कमी का असर कहीं न कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगा था। उनके व्यवहार में हल्का चिड़चिड़ापन भी आ गया था, जो उनके पेशे के लिए सही नहीं था। उनके कुछ दोस्तों ने उन्हें कहीं घूमने जाने की सलाह दी और मेघना निकल पड़ीं, दोस्तों के साथ चार दिन के वीकेंड ट्रिप पर। लेकिन पहले दिन के गुजरते ही उन्होंने सबको साफ-साफ कह दिया कि वे अब और कहीं घूमेंगी नहीं, बल्कि कमरे में आराम करेंगी और अपनी नींद पूरी करेंगी। दोस्तों को पहले पहल उनका साथ घूमने से इंकार करना अच्छा नहीं लगा। कुछ देर तक सबने मौन साध लिया। लेकिन फिर मेघना ने उन्हें राजी कर लिया और इस तरह अगले दो दिन वे रिजॉर्ट में ही रहीं। गुरुग्राम के एक एमएनसी में सीनियर एनालिस्ट अमित मिश्रा भी जब कभी फैमिली ट्रिप पर जाते हैं, तो ये सुनिश्चित करते हैं कि वहां उन्हें अपनी नींद पूरी करने का पूरा मौका मिले। इसलिए वे ज्यादा भाग-दौड़ या आस-पास के इलाकों को एक्सप्लोर करने के बजाय रिजॉर्ट में रहकर ही छुट्टियां मनाने को प्राथमिकता देते हैं।

क्या है स्लीपकेशन

स्लीपकेशन, यात्रा का एक ऐसा रूप है जहां आपका ध्यान आपके आस-पास की हर चीज की खोज से हटकर, खुद से दोबारा जुड़ने पर केंद्रित हो जाता है। कोई जल्दबाजी वाली सुबह नहीं। हर सेकेंड का 'अधिकतम उपयोग' करने का कोई दबाव नहीं। इसके बजाय आप निर्बाध नींद के बाद धीमी, सचेतन सुबह का आनंद ले सकते हैं। एक ऐसा समय बिता सकते हैं, जिसका कोई हिसाब नहीं होता है। वैश्विक स्तर पर इस विचार को लोकप्रियता मिल रही है, क्योंकि लोगों ने यह पहचानना शुरू कर दिया है कि शहरों की आधुनिक जीवनशैली हमें लगातार अतिउत्तेजित और चुपचाप थका देती है। वैसे में एक स्लीपकेशन बिना किसी अपराध बोध के आराम करने की अनुमति देता है। हालांकि भारत में 'स्लीपकेशन' का कॉन्सेप्ट अभी काफी नया है। लेकिन यह धीरे-धीरे सोच-समझकर की जाने वाली यात्राओं का हिस्सा बनता जा रहा है।

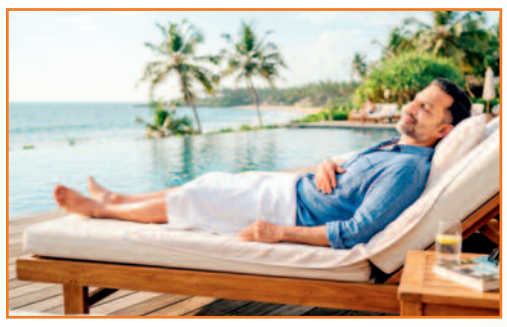

नींद की कमी से परेशान हैं लोग

आज के दौर में बेशुमार काम, जिम्मेदारियों, रिश्तों को संभालना और रोजमर्रा की जिंदगी के लगातार मानसिक बोझ के बीच तालमेल बिठाना जरूरी हो गया है। इस बारे में वरिष्ठ मनोचिकित्सक गगनदीप कौर कहती हैं, 'दुनिया में नींद की कमी वाले देशों में जापान के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। देश में नींद की कमी की समस्या पहले से ही मौजूद डायबिटीज, मोटापा, दिल की बीमारी और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के बोझ को और बढ़ा रही है।'

इसलिए बढ़ रहा स्लीपकेशन का ट्रेंड

यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन जैसे बड़े हेल्थ ग्रुप्स के दिशा-निर्देशों की मानें, तो ज्यादातर स्वस्थ वयस्कों को बेहतर ढंग से काम करने के लिए हर रात 7 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। लेकिन 'लोकल सर्कल्स' का एक सर्वे बताता है कि आज लगभग 10 में से 6 भारतीय वयस्कों को छह घंटे से भी कम की बिना रुकावट वाली नींद मिलती है। करीब 50 फीसदी से अधिक काम-काजी लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। इससे दिमाग पर बोझ बढ़ रहा है और वे थका हुआ महसूस करते हैं। इस 'स्लीप डेब्ट' को दूर करने के लिए ही स्लीपकेशन पर जाने का चलन बढ़ रहा है।

टूरिज्म सेक्टर का नया बाजार

आज कई बड़े टूरिज्म कॉरपोरेट्स ने इस नए बाजार को देखते हुए ऋषिकेश, कूर्ग, केरल, धर्मशाला और उदयपुर के कई प्रीमियम वेलनेस रिजॉर्ट्स में इस उभरते सेक्टर के लिए तैयारी करनी शुरू कर दी है। इन रिजॉर्ट्स के कमरों में टीवी या डिजिटल गैजेट्स की मनाही होती है। कमरों में पूरी तरह सन्नाटा और अंधेरा बनाए रखने के लिए विशेष पर्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोने से पहले लेवेंडर एरोमा थेरेपी और विशेष मेलेटोनिन रिच डाइट या हर्बल टी दी जाती है, जो गहरी नींद लाने में मदद करती है। उत्तराखंड के मारचुला में एक रिजॉर्ट के संचालक करण कहते हैं, 'आजकल की शहरी जिंदगी से हर कोई वाकिफ है। देर रात तक लैपटॉप पर काम करना, टीवी या मोबाइल देखना, एक ऐसी आदत बन गई है कि उससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा। डेडलाइंस को पूरा करने के लिए पेशेवर लोग आधी-आधी रात तक स्क्रीन से चिपके होते हैं। इसका सेहत पर असर पड़ता है। इसलिए स्लीपकेशन के दौरान उनके सुकून का विशेष ध्यान रखा जाता है। कोई डिस्टर्ब न करे ताकि वे साथ आए दोस्तों अथवा परिजनों से बात करें। सुबह के समय उनके लिए योग एवं ध्यान और शाम को संगीत का सेशन रखा जाता है, जिससे कि उनका दिमाग शांत रहे और वे अच्छी नींद ले सकें।'*

अनोखा होता है स्लीपकेशन का अनुभव



- इसमें व्यक्ति को सुबह बिना अलार्म के जागना होता है।
- बादलों को घुमड़ते हुए देखने के साथ कोई गर्म पेय पीना।
- अपने विचारों को लिखना या पूरी तरह से शांति में बैठना।
- बिना किसी मंजिल के लंबी सैर पर यूं ही घूमने निकल जाना।
- इसमें कोई तय कार्यक्रम नहीं होता। हर पल को रिकॉर्ड करने का कोई दबाव नहीं होता।
- स्लीपकेशन के दौरान धीरे-धीरे कुछ बदलाव महसूस होते हैं।
- मेडिटेशन से मन शांत होने लगता है।
- शरीर आराम महसूस करने लगता है।



ऑनलाइन शॉपिंग का बढ़ता ट्रेंड ऑफर-रिटर्न ट्रैप से रहें सावधान

फेस्टिव सीजन के साथ ही जमकर शॉपिंग भी शुरू हो जाती है। इसी के चलते ऑनलाइन शॉपिंग में ऑफर्स और कई लालच दिए जाते हैं। इसको अच्छी तरह समझना और इसके जाल में फंसने से बचने के लिए सावधानी जरूरी है।

{ लाइफस्टाइल / विवेक कुमार }

कभी बाजार जाने के लिए समय निकालना पड़ता था, दुकान-दुकान घूमना पड़ता था, फिर भी मनपसंद चीज मिलेगी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। अब वही खरीदारी मोबाइल स्क्रीन पर कुछ मिनटों में ही हो जाती है। कपड़ों से लेकर कॉस्मेटिक, किचन का सामान, जूते, बैग, बच्चों की चीजें और रोजमर्रा का राशन तक घर बैठे मंगाया जा सकता है। इससे महिलाओं को बहुत सुविधा हुई है। लेकिन इस सुविधा में नई तरह की चुनौतियां और फंसाने वाले जाल भी मौजूद होते हैं।

ऑफर के लालच से बचें: ऑनलाइन बाजार में ग्राहक को आकर्षित करने के लिए लगातार सेल, कूपन, फ्लैश डील, आज आखिरी मौका, सिर्फ दो पीस बाकी, मुफ्त डिलिवरी जैसे संदेश बार-बार इस तरह दोहराए जाते हैं कि आपके दिमाग में बैठ जाएं। ऐसे में कई बार हमें जरूरत नहीं होती, फिर भी हम ढेर सारी चीजें खरीद लेते हैं। क्योंकि ऑनलाइन खरीदारी में एक भ्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर पर भरोसा करना सही नहीं है। उत्पाद का विवरण पढ़ना भी बहुत जरूरी है।

जरूर पढ़ लें रिव्यू: जब ऑनलाइन खरीदारी करें, तो सबसे कारगर होते हैं पहले के खरीदारों के खरीद संबंधी रिव्यू। इसलिए जब भी ऑनलाइन कोई चीज खरीदें, तो उसके पहले ऑनलाइन रिव्यू जरूर पढ़ें। हालांकि यहां भी हर खरीदार की उसकी अपनी समीक्षा को बिल्कुल सत्य न मान लें। बेहतर है कि कई खरीदारों की प्रतिक्रियाएं पढ़ें, खासकर उन टिप्पणियों को विशेष रूप से देखें, जिनमें उत्पाद की कमियां विस्तार से बताई गई हों।

रेटिंग स्टार्स से रहें सावधान: जहां तक रेटिंग की बात है तो रेटिंग के स्टार देखकर अंतिम निष्कर्ष पर न पहुंचें बल्कि लिखी हुई टिप्पणी का मतलब ज्यादा सच होता है। पांच सितारे देखकर तुरंत प्रभावित होने की बजाय, यह देखना ज्यादा उपयोगी होता है कि ग्राहक ने वास्तव में लिखा क्या है? कई बार हजारों लोगों की अच्छी रेटिंग के बावजूद आपकी जरूरत के लिए उत्पाद अनुपयुक्त हो सकता है।



जान लें रिटर्न पॉलिसी: ऑनलाइन शॉपिंग में सबसे जरूरी है रिटर्न पॉलिसी। ऑनलाइन खरीदारी की सबसे बड़ी भूल है कि उत्पाद खरीदने से पहले रिटर्न पॉलिसी न पढ़ना। कई उत्पादों पर रिटर्न उपलब्ध नहीं होता। कुछ पर केवल रिप्लेसमेंट होता है। जबकि कुछ में रिफंड के लिए विशेष शर्तें होती हैं। कपड़े, कॉस्मेटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं के नियम अलग-अलग हो सकते हैं। इसलिए भुगतान करने से पहले यह देखना चाहिए कि उत्पाद वास्तव में रिटर्न किया जा सकता है या नहीं। कितने दिनों के भीतर किया जा सकता है और रिफंड किस माध्यम से मिलेगा?

सही प्लेटफॉर्म चुनें: सस्ती कीमत देखकर किसी अनजान वेबसाइट पर तुरंत भुगतान करना जोखिमभरा हो सकता है। वेबसाइट का नाम, संपर्क, जानकारी, रिटर्न नीति और भुगतान का विकल्प देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए।*



{ गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

याद नहीं करता कोई भी

याद नहीं करता कोई भी वक्त निकल जाने के बाद
साथ छोड़ देते हैं अक्सर लोग संभल जाने के बाद

इस जग का दस्तूर यही है सब साथी हैं उजियारे के
घुस जाते हैं लोग घरों में सूरज ढल जाने के बाद

रूप-रंग, कौमार्य उसे नित बांधे रखता है गुलशन से
पास नहीं जाता फिर भौंरा गुल के फल जाने के बाद

इश्क हुआ तो बेफिक्री में कुछ भी संभव हो जाता है
ढल जाता है हर सांचे में लौह पिघल जाने के बाद

दिल से जो भी निकलेगा वो लौट नहीं पाएगा फिर से
जैसे लौट नहीं पाता है बीता कल जाने के बाद

केवल आप प्रतीक्षा करिए दिन के ढल जाने का 'नवरंग'
परवानों की भीड़ लगेगी शम्मा जल जाने के बाद

{ व्यंग्य / धर्मेंद्र जोशी }

कार्य प्रगति पर है!

शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है।



आजकल अधिकतर शहरों की सड़कों पर जगह-जगह 'कार्य प्रगति पर है!' के बोर्ड लगे हुए दिख जाते हैं। बोर्ड धुंधला जाते हैं, मगर कार्य को गति नहीं मिल पाती है। प्रगति जमीन पर नहीं बल्कि केवल बोर्ड पर ही लिखी दिखाई देती है। यही वजह है कि जो गड्ढे पिछली बारिश में नन्हे-नन्हे अवतरित हुए थे, वे अब पाताल के द्वार रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहे हैं। न जाने कितने दो पहिया वाहन सवार पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को खुद पर गिरा कर हमेशा के लिए उनकी स्मृति इनमें अंकित हो चुकी है।

इधर, शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है। लोगों के घर धूल के गुबार से गुलजार हो रहे हैं। गृहिणियों का गृहकार्य बढ़ चुका है। वे सफाई में हाथ बंटाने के लिए अपने वीटो पावर का उपयोग कर घर के पुरुषों को भी बरामदे, कमरों और पोर्च की साफ-सफाई के लिए आदेश देती रहती हैं। इससे बचने के लिए काम-काजी पुरुष वर्ग, बहाने बनाकर अपने कार्यस्थल पर सुबह जल्दी जाते और शाम को विलंब से घर लौटते हैं।

सड़क के किनारे मौजूद गटर और नालियां भी लंबे समय से अपने जीर्णोद्धार के लिए खुली हुई हैं, जिससे जमा गंदे पानी में मच्छरों के झुंड बिना रोक-टोक के यायावरी करते रहते हैं। उनकी सक्रियता से सरकारी और निजी अस्पताओं में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों की लाइन दिन-प्रतिदिन लंबी होती जा रही है।

कुछ जागरूक नागरिकों ने अपने घर के सामने मौजूद जलयुक्त कुंड को पार करने के लिए पटिए के अस्थाई पुल का निर्माण कर रखा है। लेकिन सावधानी हटते ही उस पर भी दुर्घटना घटित हो जाती है। मुख्य सड़क से लगे मकान के रहवासी बेचारे जी, कल संध्या काल में अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी सहित वहीं गटरदोज हो गए। न केवल उनके धवल वस्त्र गंदगी से अलंकृत हुए, उनकी स्कूटी में भी हलचल बंद हो गई। जुगत बाबू की धर्मपत्नी के साथ भी वहीं हादसा हो गया। वे सब्जी मंडी से थैला भरकर ताजी तरकारी लेकर आ रही थीं। छत पर खड़ी पड़ोसन से बात करने में मगन, उन्हें नाली का ध्यान नहीं रहा और वे सब्जी सहित नाली में समा गईं। आस-पास के लोगों ने किसी तरह अपनी हंसी पर नियंत्रण कर उन्हें बाहर निकाला। वे रुआंसी होकर कीचड़ से सने हुए कपड़े धारण किए घर में प्रविष्ट हुईं। अभी दो दिन पहले ही एक नवयुवक बाइक सवार मोबाइल पर अपनी प्रेयसी से बात करने में इतना मशगूल हुआ कि अपनी स्टाइलिश बाइक समेत नालीदर्शन को प्रवेश कर गया। बमुश्किल लोगों ने उसको बाहर निकाला। इस तरह की तमाम घटनाएं लगातार होती रहती हैं। कार्य में प्रगति भले न के बराबर हो लेकिन आते-जाते लोगों को 'कार्य प्रगति पर है' का बोर्ड जरूर दिखाई पड़ता है।

सड़क निर्माण में विलंब को पक्ष और विपक्ष के नेता आपदा में अवसर के रूप में देखते हैं। वे नेता जो चार साल पहले चुनावी रण में धूल चाट चुके थे, वे एक लंबे अंतराल के बाद अपने पंख फड़फड़ा कर मुद्दा लपकने की चेष्टा में जुट जाते हैं, ताकि उनकी राजनीतिक बेरोजगारी दूर हो सके। वहीं सत्तासीन नेता यह प्रयास करते हैं कि सड़क निर्माण कार्य चुनाव के ठीक पहले ही पूर्ण हो, ताकि उनके अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की फेहरिस्त में इसे जोड़ा जा सके और वोट पाने के जरिए को और मजबूत किया जा सके।*

{ लघुकथा / कृति आर.के. जैन }

पिता का तकिया



मेरी कॉलोनी में रहने वाले एक वृद्ध की दिनचर्या वर्षों से नहीं बदली थी। हर शाम वह चारपाई पर बैठकर दरवाजे की ओर टकटकी लगाए रहते। लोग समझते, शायद बेटे का इंतजार है। बेटा महीने में केवल एक बार आता। जल्दबाजी में हाल-चाल पूछता, दवाइयां रखता और कहता, 'पिताजी, किसी चीज की जरूरत हो तो बता दिया कीजिए।' वृद्ध मुस्कुरा देते, 'सब है बेटा कुछ नहीं चाहिए।'

एक सर्द रात वह चुपचाप इस दुनिया से विदा हो गए। घर समेटते समय बेटे ने उनका पुराना तकिया उठाया। तकिया भारी लगा। खोलकर देखा तो उसमें न पैसे थे, न गहने, केवल संभालकर रखी छोटी-छोटी पर्चियां थीं। हर पर्ची पर एक तारीख और अधूरी-सी टीस लिखी थी, 'आज बहुत मन था कि बेटा थोड़ी देर बैठ जाता।' 'आज पहली बार खाना अकेले खाया।' 'डॉक्टर ने कहा, बातें करते रहिए। मगर किससे?' 'आज बरामदे में दो कप चाय रखी दूसरी ठंडी हो गई।'

सबसे आखिरी पर्ची पर लिखा था, 'अब उसे बुलाना मत। वह बहुत व्यस्त होगा।' पर्चियां पढ़ते-पढ़ते बेटे की आंखें धुंधला गईं। उसे पहली बार समझ आया कि उसने पिता की हर जरूरत पूरी की, पर उनके अकेलेपन को कभी नहीं पढ़ा। उसने तकिए को सीने से लगा लिया। उस दिन वह पहली बार फूट-फूटकर रोया, क्योंकि दुनिया का सबसे महंगा तकिया वही होता है, जिसमें रुई नहीं, अधूरी प्रतीक्षाएं भरी हों। रिश्ते अभाव से नहीं, उपेक्षा और प्रतीक्षा से दम तोड़ते हैं।*

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता के आकाश में स्त्री चेतना के स्वर



कवयित्री आरती आस्था का पांचवां कविता संग्रह 'छत पर लड़कियां' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इन कविताओं की रेंज बहुत बड़ी ही नहीं बहुस्तरीय भी है। यहां सदियों से पितृसत्तात्मक सोच वाले समाज में पली-बढ़ी स्त्री की दारुण व्यथा के साथ ही स्त्री चेतना का वह स्वर भी गूंजता है, जो हर अनुचित प्रतिबंध को अस्वीकारता है। 'छत पर खड़ी लड़कियां/देखते हुए डूबते सूरज को/सीखती हैं, डूबना नहीं है डूबना/यह प्रक्रिया भर है/दोबारा से उगने की।' जैसी पंक्तियां यह साबित करती हैं कि स्वतंत्रचेता स्त्री प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार मानने के बजाय नई उड़ान भरने को तत्पर रहती है। 'बिंदी और सिंदूर' कविता एक ऐसा बिंब उकेरती है, जो पारंपरिक प्रतीकों को भी नए संदर्भ में परिभाषित करती है। यहां स्पष्ट होता है कि आज स्त्री अपने अस्तित्व को स्वीकारने में जरा भी नहीं हिचकिचाती है। स्त्री की सोच में आए क्रांतिकारी बदलाव को संग्रह की कई अन्य कविताओं में स्पष्ट तौर पर लक्षित कर सकते हैं।

'मी लॉर्ड! मुझे न्याय दीजिए' कविता में वह कहती हैं, 'मैंने कत्ल कर दिया/मी लॉर्ड/उस लड़की का/परंपराओं, संस्कारों के हवन कुंड में/होम किए दे रही थी जो/खुद को/रखने को झूठा मान/घर परिवार का।' 'सुनो नादिया' जैसी कविता को शामिल करने से इस संग्रह की कविताओं का कैनवास और भी विस्तारित हो गया है। इससे भारतीय समाज में शोषित-दमित होकर जीने वाली स्त्रियों के स्वर में वैश्विक आधी आबादी का स्वर भी घुलता-मिलता नजर आता है। कह सकते हैं कि आरती आस्था के इस कविता संग्रह में स्त्री जीवन की अनेक छवियां उजागर हुई हैं।*

पुस्तक: छत पर लड़कियां (कविता संग्रह),
लेखिका: आरती आस्था, मूल्य: 299 रुपए,
प्रकाशक: न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

पेज जेकेट के शेष

इनके नाम से बनाई फर्म.....

- मेसर्स विनायक वेंचर्स - प्रोपराइटर प्रताप सिंह वर्मा, दुर्ग पाटन, प्रताप सिंह वर्मा ने बताया कि वह दिहाड़ी मजदूरी का कार्य करता है। 0 मेसर्स महावीर इंटरप्राइजेस - प्रोपराइटर महेश फकीरा सोनी, बिलासपुर कोनी, महेश फकीरा सोनी ने बताया वह सफाईकर्मी का कार्य करता है। 0 मेसर्स जय भोले इंटरप्राइजेस - प्रोपराइटर कुलेश्वर नौरंगे, सेजबहार फेस-1

एक और बहस... गृहमंत्री ....

विजय शर्मा ने कहा, मैं फिर से प्रधानमंत्री आवास योजना पर बहस के लिए तैयार हूं। भूपेश बघेल तैयारी के लिए एक माह का समय ले लें और उसके बाद चर्चा कर लें। **बघेल ने साय को दी थी चुनौती** : उल्लेखनीय है कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने शुक्रवार को तारा कोल ब्लॉक की नीलामी को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, सरकार इस मामले में जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा कर रही है। कांग्रेस सरकार के समय हसदेव अरण्य क्षेत्र के कई कोल ब्लॉकों को नीलामी से बाहर रखने की प्रक्रिया की गई थी। सीएम साय के 11 दिसंबर 2025 के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि इसी पत्र के बाद तारा कोल ब्लॉक को दोबारा नीलामी प्रक्रिया में शामिल करने की कार्रवाई आगे बढ़ी। श्री बघेल ने कहा, उनके पास भी इस मामले से जुड़े दस्तावेज हैं और मुख्यमंत्री के पास भी पत्र हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा, मीडिया के सामने दोनों पक्ष दस्तावेज रखें और आमने-सामने चर्चा करें। उन्होंने कहा, आरोप-प्रत्यारोप के बजाय इस मामले पर खुली बहस होनी चाहिए।

झीरम फैसले पर ...

कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा, एनआईए को यदि कवासी लखमा पर संदेह था तो उसे गिरफ्तार क्यों नहीं किया। यदि वो दोषी होता, तो जैसे सबको सजा हुई तो उसको भी हो गई होती। कुल मिलाकर इनके पास किसी तरह का कोई सबूत नहीं है। जैसे दूसरी केंद्रीय एजेंसी सरकार के इशारे पर काम कर रही है ठीक उसी तरह से एनआईए ने भी काम किया है।

बैज की अध्यक्षता में बनी रणनीति : इससे पहले पीसीसी चीफ दीपक बैज की अध्यक्षता में राजीव भवन में कांग्रेस की बड़ी बैठक आयोजित की गई। बैठक में झीरम नक्सली हमले में आए फैसले और आगे की कानूनी एवं राजनीतिक रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री शिव डहरिया, पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, वर्चुअल रूप से पूर्व मंत्री टीएस सिंहदेव, उमेश पटेल, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदु सहित सुशील आनंद शुक्ला, शहीद परिवार के शहीद महेंद्र कर्मा के पुत्र छविन्द्र कर्मा, पूर्व विधायक अनिता शर्मा, जितेन्द्र मुदलियार, शिव सिंह ठाकुर, राजीव नारंग, महादेव नाग, डॉ. शिवनारायण द्विवेदी, ज्ञान गोलछा, सैयद सत्तार अली, हर्षित शर्मा, रामअवतार देवांगन, संतोष शर्मा, अधिवक्ता फैजल रिजवी, सुदीप श्रीवास्तव, डॉ. देवा देवांगन, अमित श्रीवास्तव उपस्थित थे।

गणपति-रमन्ना की सहमति ..

में पीपुल्स वार पार्टी ऑफ कम्युनिस्ट में शामिल होकर दण्डकारण्य में कार्य कर रहा था। वर्ष 1993 से मिलिट्री दलम का डिप्टी कमाण्डर था तथा वर्ष 1995 में प्लाटून कमाण्डर तथा वर्ष 2013 बटालियन कमाण्डर था।

कोर्ट को दिए अपने बयान में उसने बताया कि झीरमघाटी घटना से पूर्व टीसीओसी की बैठक हुई थी, जिसमें देवजी, श्याम, रमेश, वेंकटेश, मेनक्का, माधवी, हिड़मा व सुरेंदर समेत अन्य शामिल हुए थे। इस बैठक में भर्ती, ट्रेनिंग, हमला, एजुकेशन डिप्लॉयमेंट एवं साउथ रिजन इन्फ्रेंट कमांड ने चर्चा की थी कि किस एरिया में कौन कौन सी कम्पनी जाएगी। इस बैठक में वेंकटेश को गंगालूर तथा श्याम व सुरेंदर को दरभा डिवीजन की जिम्मेदारी दी गई थी। दरभा डिवीजन में हमले के लिए सीआरसी की प्लाटून कंपनी दो के दो सेक्शन और दरभा डिवीजन के लोग हमले में शामिल होने एक दरभा डिवीजन का कमाण्ड बनाया गया था। वहीं उसने स्वीकार किया कि झीरम घाटी हमला के दौरान वह उपस्थित नहीं था।

नक्सल लीडर गणपति-रमन्ना ने दी अंतिम मंजूरी : कोर्ट ने एनआईए की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि घटना को अंजाम देने के लिए सप्ताह पूर्व पूरी रणनीति तैयार कर ली थी। इसके लिए गुम्मरका के जंगल में सेण्ट्रल कमेटी की बैठक की गई थी। इस बैठक के बाद हमले के लिए फाइनल मंजूरी शीर्ष नक्सल लीडर गणपति व रमन्ना ने दी थी। एनआईए की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है कि झीरम घाटी हमले को अंजाम देने के लिए काफी पहले से तैयारी की जा रही थी। इसके लिए कई दौर की बैठक अलग अलग स्थानों में करने के बाद हमले के सप्ताह भर पूर्व पूरा खाका तैयार कर हमले की जगह व लाल लड़ाकों के लिए हथियार व रसद की व्यवस्था कर ली गई थी। एनआईए कोर्ट ने फैसले के पेज नम्बर 116 में इस बात का उल्लेख किया है कि झीरम नरसंहार को अंजाम देने के लिए दरभा डिविजनल कमेटी मेंबर सुरेंदर व देवा ने टीसीओसी (टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैपेंन) के दौरान बैठक आयोजित की गई थी जिसमें दरभा डिवीजन में बड़ी घटना करने का प्रस्ताव रखा गया था। इस हमले के लिए देवजी व गणेश उइके की मौजूदगी में सीआरसी कम्पनी 26 के दो प्लाटून जयलाल के साथ और जोनल कम्पनी नम्बर टू से एक प्लाटून दरभा डिवीजन के टीसीओसी के लिए भेजने का निर्णय लिया गया था।

तीन पदों पर ...

पर जीत हासिल की। एनएसयूआई चार पद में से किसी पर भी जीत हासिल नहीं कर सकी, जबकि एबीवीपी ने अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पदों पर जीत दर्ज की। एबीवीपी के उम्मीदवार यश डबास अध्यक्ष चुने गए। यह जीत ऐसे समय में मिली है, जब हाल के महीनों में जंतर-मंतर पर 'जेन-जी' के विरोध-प्रदर्शन और सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना को लेकर युवाओं में काफी हलचल थी। सत्य निकेतन हादसे में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के पांच छात्रों की मौत हो गई थी। सचिव पद के लिए चुनाव में एबीवीपी उम्मीदवार रिया छाबड़ी ने 21,650 वोट हासिल कर जीत दर्ज की, जबकि एनएसयूआई उम्मीदवार नम्रता चौधरी को 14,869 वोट मिले। संयुक्त सचिव पद पर एबीवीपी के उम्मीदवार लक्ष्य राज सिंह ने 16,615 वोट हासिल कर जीत हासिल की।

बारिश से बचने ....

तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी। बिजली की चपेट में आने से झोपड़ी में मौजूद लोग बुरी तरह प्रभावित हुए। गाज की चपेट में आने से नरेश खैरवार (24 वर्ष) पिता रामू खैरवार, रामभरोश पटेल (32 वर्ष) पिता कंश राम पटेल और तुलसी राम पटेल (51 वर्ष) पिता बेदराम पटेल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

एमपी-महाराष्ट्र में बढ़ा ....

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जानकार यहां भी केंद्र की टाइगर आउटसाइड टाइगर रिजर्व (टीओटीआर) परियोजना लागू करने की बात कह रहे हैं। राज्य के टाइगर रिजर्व के बाहर नौ जिलों के वनक्षेत्रों में बाघों का मूवमेंट देखा गया है। वन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, नोटिफाइड टाइगर रिजर्व के बाहर मुख्य रूप से कबीरधाम (कवर्धा), कोरबा, रायगढ़, सरगुजा, कोरिया, सूरजपुर, कांकेर, बस्तर (जगदलपुर) और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के वनक्षेत्रों में बाघों का मूवमेंट दर्ज किया गया है। भोरमदेव और चिल्फी घाटी में इस साल चार से अधिक बाघ-बाघिनों का परिवार देखा गया है। भोरमदेव मध्यप्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व से लगा हुआ कॉरिडोर है। उत्तरी छत्तीसगढ़ के कोरबा, रायगढ़, सूरजपुर और सरगुजा के जंगलों में मध्यप्रदेश के बांधवगढ़, संजय-डुबरी से अचानकमार तथा गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के बीच आवाजाही कर रहे हैं। कांकेर और जगदलपुर में बीजापुर के रास्ते महाराष्ट्र के ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व से बाघ पहुंच रहे हैं।

20-22 माह परवरिश के बाद शावक को अलग कर देती है मां : शावक की उम्र 20 से 22 माह हो जाती है, उसके बाद मादा बाघ अपने शावक को अलग कर देती है। इसके बाद शावक से जवान हुए बाघ को अपने लिए नई टेरिटरी की तलाश करनी पड़ती है। पूर्व में रह रहे बाघ अपनी टेरिटरी में नए बाघ को प्रवेश करने नहीं देते। टेरिटरी में रहने के लिए एक-दूसरे के साथ संघर्ष करना पड़ता है। संघर्ष में जो हार जाए, उस बाघ को टेरिटरी से बाहर जाना पड़ता है। संघर्ष में किसी एक बाघ की जान भी जा सकती है। इस कारण मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र टाइगर रिजर्व के बाघ छत्तीसगढ़ के जंगल में नई टेरिटरी की तलाश में पहुंच रहे हैं।

इसलिए जरूरी है टीओटीआर परियोजना : टाइगर आउटसाइड टाइगर रिजर्व केंद्र सरकार की एक राष्ट्रीय स्तर की विशेष परियोजना है, जिसे केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और एनटीसीए द्वारा लांच किया गया है। भारत में बाघों के सफल संरक्षण के कारण उनकी आबादी बढ़ी है, जिससे अब लगभग 35% से 40% बाघ अधिसूचित टाइगर रिजर्व की सीमाओं से बाहर (जैसे गांवों, कृषि क्षेत्रों और जंगलों के बाहरी छोरों पर) रह रहे हैं। यह प्रोजेक्ट रिजर्व से बाहर निकलने वाले बाघों और इंसानों के बीच होने वाले मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने और सुरक्षित सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। बाघों की सुरक्षित निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित अर्ली वार्निंग (जल्द चेतावनी) सिस्टम, ड्रोन सर्विलांस, कैमरा ट्रैप और जीपीएस आधारित पेट्रोलिंग का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है।

मोदी का पुतला जलाया, 21 किसानों पर एफआईआर



अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर गुजरात के मोरबी जिले में पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पुतले जलाने जाने के बाद पुलिस ने 21 लोगों और कुछ अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज की है। मोरबी पुलिस ने इन सभी के खिलाफ गैर-कानूनी तरीके से जमा होने और आपराधिक साजिश रचने समेत कई आरोपों में मामला दर्ज कर लिया है। पिछले कई महीनों से मोरबी का जेटपार गाँव किसानों के आंदोलन की वजह से खासा चर्चा में है। यहां के किसान अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएलएल) की एक स्पेशल पर्पस व्हीकल कंपनी 'हलवद ट्रांसमिशन लिमिटेड' की ओर से अपने खेतों के ऊपर से हाई-टेंशन बिजली ट्रांसमिशन लाइन बिछाए जाने का कड़ा विरोध कर रहे हैं। मोरबी तालुका पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर नीलेश एस. घेटिया की शिकायत के आधार पर शुक्रवार शाम को यह एफआईआर दर्ज की गई है।

पेज एक के शेष

कस्टम मिलिंग में खेल...

नहीं करेंगे तो उनके विरुद्ध सख्ती बरतते हुए बैंक गारंटी को जब्ती बनाने से लेकर उनके मिल में सीलबंदी की कार्रवाई की जाएगी।

398021.55 टन धान उठाव के विरुद्ध 267676.85 टन जमा होना है चावल: विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, जिले में एग्रीमेंट के तहत 183 राइस मिलर्स द्वारा कुल 398021.55 टन धान का उठाव किया गया है। इस धान के विरुद्ध कुल 267676.85 टन चावल जमा किया जाना है, लेकिन अभी तक कुल 151114.34 टन चावल ही जमा हो पाया है। इस तरह शेष 116562.46 टन चावल जमा होना बाकी है। धान का उठाव 15 नवंबर 2025 से शुरू होकर 31 जनवरी 2026 तक हुआ था। इस तरह धान का उठाव किए साढ़े सात महीने हो चुके हैं। इसके बाद भी मिलर्स द्वारा अब तक महज 54.94 प्रतिशत चावल ही जमा कर पाए हैं।

शिक्षा लग्जरी नहीं, हक

ग्राफ के जरिए समझाया कि किस तरह बजट कम हुआ। उन्होंने कहा कि 7 लाख करोड़ शिक्षा में जाने थे, वो अरबपतियों के हाथ में गए, डेढ़ करोड़ स्कॉलरशिप छीनी गई है। कार्यक्रम के लिए दोपहर 3:30 बजे से युवाओं का प्रवेश शुरू कर दिया गया था। कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी के लिए कांग्रेस ने 35 वर्ष तक की आयु सीमा तय की है। आयोजन को खासतौर पर जेन-जी को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कार्यक्रम में बॉलीवुड गायक राघव चैतन्य, डांस ग्रुप विकास अनबिटेबल ने दमदार प्रस्तुति देते हुए युवाओं का खूब मनोरंजन किया।

सीएम ने कहा-कैंसर से जंग में ...

बालको मेडिकल सेंटर की ओर से आयोजित चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। 'रेस्टोरिंग बैलेंस टू कैंसर केयर' थीम पर आयोजित कॉन्क्लेव में देश-विदेश के 200 से अधिक राष्ट्रीय और 11 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। इस दौरान कैंसर की रोकथाम, स्क्रीनिंग, उपचार, अनुसंधान और नई चिकित्सा तकनीकों पर मंथन किया जा रहा है। इस दौरान बालको मेडिकल सेंटर की निदेशक डॉ. भावना सिरोही, पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति मेडिकल कॉलेज रायपुर के डीन डॉ. विवेक चौधरी, ई-कैंसर की प्रतिनिधि डॉ. सुजाना स्टेनवे, वाइस एडमिरल आरती सरीन सहित देश-विदेश से आए चिकित्सक, शोधकर्ता और स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

100 एकड़ में बनेगी 5 हजार बिस्तर की मेडिसिटी: मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर में लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में 5 हजार बिस्तर सुविधा वाली मेडिसिटी विकसित की जा रही है। इससे प्रदेश में विशेषज्ञ और सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार होगा। उन्होंने बताया कि राज्य गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, जबकि अब शासकीय और निजी क्षेत्र को मिलाकर मेडिकल कॉलेजों की संख्या 15 हो गई है। पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

कैंसर मरीजों का बनेगा व्यवस्थित डेटाबेस: स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, प्रदेश में कैंसर की समय पर पहचान के लिए स्क्रीनिंग का दायरा बढ़ाया जा रहा है। सरकार ने कैंसर को नोटिफाई करने का निर्णय लिया है। इससे कैंसर मरीजों का व्यवस्थित डेटाबेस तैयार करने और उनके उपचार व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के बेहतर संधारण में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि बालको मेडिकल सेंटर के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश में 500 से अधिक स्वास्थ्य शिविर लगाए हैं। वहीं सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जा रहा है।

हंसपुर हत्याकांड में तत्कालीन ...

करीब 9 बजे ग्राम हंसपुर के पास बॉक्साइट से लदे एक ट्रक को कुछ ग्रामीणों ने रोक लिया था। इस दौरान तत्कालीन कुसमी एसडीएम करुण डहरिया समेत तीन लोगों ने कुछ ग्रामीणों के साथ मारपीट की। इस घटना में कई लोग घायल हुए थे। घायलों में रामनरेश भी शामिल था। उपचार के दौरान अत्यधिक आंतरिक रक्तस्राव के चलते उसकी मौत हो गई। न्यायालय के आदेश के मुताबिक मामले में करुण डहरिया समेत तीनों आरोपियों को 16 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद आरोप पत्र न्यायालय में पेश कर दिया। ट्रायल कोर्ट में कुछ अभियोजन गवाहों के बयान भी दर्ज हो चुके हैं। जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे आरोपियों की ओर से दलील दी गई कि वे लंबे समय से जेल में हैं और पुलिस की जांच पूरी हो चुकी है। ऐसे में उन्हें नियमित जमानत का लाभ दिया जाना चाहिए। करुण डहरिया की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज परांजपे ने अदालत में अलग घटनाक्रम प्रस्तुत किया। राज्य की ओर से उप महाधिवक्ता डॉ. सौरभ कुमार पांडे ने भी जमानत का विरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और केस डायरी का अवलोकन करने के बाद उच्च न्यायालय ने कहा कि कुछ घायल व्यक्तियों और पुलिसकर्मियों के बयानों में आरोपियों द्वारा रामनरेश के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट किए जाने की बात दर्ज है। वहीं ट्रायल कोर्ट के समक्ष कुछ गवाहों ने बचाव पक्ष के समर्थन में भी बयान दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि जमानत पर सुनवाई के दौरान साक्ष्यों की विस्तृत जांच करना उचित नहीं है। गवाहों के बयानों की विश्वसनीयता और उनकी अंतिम समीक्षा मुकदमे की सुनवाई के दौरान की जानी है। जमानत के स्तर पर अदालत को प्रथम दृष्टया मामले की स्थिति पर विचार करना होता है।

विलुप्त होने की कगार पर...

स्थानीय ग्रामीण बाजारों में इन देशी मछलियों का एक खास स्थान रहा है, जहाँ इन्हें इनके अनूठे पारंपरिक नामों से पहचाना जाता है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न नदी-बेसिनों जैसे महानदी, इंद्रावती और हसदेव में 96 से अधिक प्रकार की देशी और सजावटी (ऑर्नामेंटल) मछलियों की प्रजातियां दर्ज हैं। हालांकि, प्राकृतिक आवासों के विनाश और जल प्रदूषण के कारण इनकी संख्या लगातार घट रही है। स्थानीय और पारंपरिक प्रजातियों का समृद्ध संसाररराज्य के जल निकायों में प्रसिद्ध स्थानीय प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें कोतरी, खोखसी, टेंगना, बांबी, मोंगरी, सिंघी, चिन्हारी, सारंगी, डडवा, डेसरा, बोधस, डूडुंम, पढ़ेना, चंदेनी, लुड़वा, भेंदो, सोडहा, गिवना, केवई, चिंगरी, तेलबया और माइनर कार्प शामिल हैं। इसके अलावा, स्वदेशी प्रमुख प्रजातियों में बोराई, करोंच, बटा, कुरसा, चितला, पटोला, गुरैल तथा कैटफिश वर्ग की बचरा, पंगाज, पब्दा, रीता जैसी मछलियां प्रमुख हैं। प्रदेश के जलस्रोतों में भोला, टिक्टो बार्ब, सरना बार्ब, चंदानामा, खसखसी और रसबोरा जैसी छोटी और सुंदर सजावटी स्वदेशी प्रजातियां भी पाई जाती हैं।

देशी प्रजाति की मछली पूरी तरह से विलुप्त नहीं: मत्स्य विभाग के संचालक एनएस नाग का दावा है कि छत्तीसगढ़ में पाई जाने वाली देशी प्रजाति की कोई भी मछली पूरी तरह से विलुप्त नहीं हुई है। धान के खेतों, डबरी, गड्ढों के कीचड़ में पनपने वाली मछली देशी मांगूर, सिंघी, डरई, कोतरी की प्रजाति संकटग्रस्त है। इनके संरक्षण के लिए शासन आवश्यक कदम उठा रहा है।

प्राकृतिक आवासों से देशी मांगुर विलुप्त, संरक्षण का प्रयास : कृषि विज्ञान केंद्र धमतरी के विषयवस्तु विशेषज्ञ मछली पालन मनीषा खापर्डे ने बताया कि डबरी, तालाबों में प्राकृतिक रूप से मिलने वाली देशी मांगुर विलुप्त हो चुकी है। हालांकि देशी मांगुर के संरक्षण के लिए कोंडागांव में बिडिंग कराई जा रही है लेकिन सीमित मात्रा में। इसके अलावा सिंघी, पाबदा, सरना, तोर-तोर, बाघ और आऊ मछली विलुप्त होने की कगार पर है। उन्होंने देशी मछलियों के विलुप्त होने की बड़ी वजह मछलियों के प्रजनन काल के समय मछली पकड़ने के प्रतिबंध को कड़ाई से पालन नहीं करने को बताया। इसके अलावा जल में प्रदूषण, प्राकृतिक आवास (जलीय खरपतवार जहां देशी मछलियों का प्रजनन होता है) नदी, जलाशय से साफ होना, मछली पालन में कतला, रोहा, कामनकार, मृगाल, तेलपिया को ही प्रोत्साहित करना बड़ा कारण है।

विलुप्ति से बचाने उठा रहे कदम

प्रतिबंध, बस्तर की विशिष्ट बोध मछली को विलुप्त से बचाने वन्यप्राणी संरक्षण सलाहकार समिति और स्थानीय निकायों ने इसे राज्य मछली घोषित करने का प्रस्ताव दिया है। ग्रामीणों में जागरूकता, देशी बीजों का संरक्षण, कृत्रिम प्रजनन तथा बीजों को वापस नदियों में छोड़ा जाना, आक्रामक विदेशी प्रजातियों पर नियंत्रण, स्थानीय समुदायों को शामिल कर इनके संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पुतिन की जीत तय फिर भी रूस में चुनाव

मॉस्को। रूस में शुक्रवार यानी 18 सितंबर से तीन दिन का संसदीय चुनाव शुरू हो गया। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की पार्टी यूनाइटेड रशिया का संसद में दबदबा बरकरार रहने की उम्मीद है। वहीं, यूक्रेन युद्ध का खुलकर विरोध करने वाली याब्लोको पार्टी को चुनाव से बाहर कर दिया गया है। यह 2022 में यूक्रेन पर रूस के पूर्ण सैन्य हमले के बाद पहला संसदीय चुनाव है। रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के इलाकों में भी वोटिंग हो रही है। यूक्रेन और यूरोपीय संघ ने वहां हो रहे मतदान को अवैध बताया है। रेमलिन के लिए यह चुनाव सिर्फ संसद के सदस्य चुनने तक सीमित नहीं है। पुतिन चाहते हैं कि बड़ी संख्या में लोग वोट डालें, ताकि यह संदेश जाए कि यूक्रेन युद्ध के बीच भी जनता सरकार और रूसी सैनिकों के साथ खड़ी है। पुतिन ने शुक्रवार को ऑनलाइन वोट डाला।

- यूक्रेन के कब्जे वाले इलाकों में भी वोटिंग; युद्ध का विरोध करने वाली पार्टी बाहर

450 सीटों के लिए हो रही वोटिंग

रूस के स्टेट ड्यूमा में 225 सीटों पर लोग राजनीतिक पार्टियों को वोट देंगे। बाकी 225 सीटों पर अलग-अलग इलाकों से खड़े उम्मीदवारों में से किसी एक को चुनेंगे। यूनाइटेड रशिया के अलावा कम्युनिस्ट पार्टी, एलडीपीआर, ए जस्ट रशिया और न्यू पीपल जैसी पार्टियां भी चुनाव लड़ रही हैं। हालांकि, इन्हें रूस में सरकार के खिलाफ मजबूत विपक्ष नहीं माना जाता। बड़े मुद्दों पर ये पार्टियां अक्सर सरकार का साथ देती हैं।

पाक : आत्मघाती हमले में अब तक 31 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट में मस्जिद के पास पुलिस परिसर पर हुए आत्मघाती हमले में मरने वालों की संख्या 31 हो गई है। मृतकों में 16 पुलिसकर्मी शामिल हैं। हमले में 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। हमला शुक्रवार दोपहर हुआ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं.: 58-यांत्रिक-वैल्डिंग-बीसीएन-अकलतरा, दिनांक: 07.09.2026

कार्य का नाम:- खुली निविदा के आधार पर दो साल की अवधि के लिए बीसीएन डिपो, बिलासपुर एवं अकलतरा सेक्शन के अंतर्गत विभिन्न साइडिंग्स एवं यार्ड में अनलोडेबल वैगनस के वेल्डिंग व रिपेयर गतिविधियों की आउटसोर्सिंग।

निविदा मूल्य: ₹ 04,59,80,667.27 (रूपये चार करोड़ उनसाठ लाख अस्सी हजार छः सौ सड़सठ एवं सत्ताईस पैसा मात्र), समस्त खर्चों एवं जीएसटी सहित। **अमानत राशि: ₹ 03,79,900/-** (रूपये तीन लाख उन्यासी हजार नौ सौ मात्र)।

ई-निविदा सूचना सं.: 60-यांत्रिक-वैल्डिंग-किरोड़ीमलनगर, दिनांक: 05.09.2026

कार्य का नाम:- खुली निविदा के आधार पर दो साल की अवधि के लिए किरोड़ीमलनगर स्टेशन/द.पू.म. रेलवे के अंतर्गत विभिन्न साइडिंग्स में अनलोडेबल वैगनस के वेल्डिंग व रिपेयर गतिविधियों की आउटसोर्सिंग।

निविदा मूल्य- ₹ 05,95,77,298.48 (रूपये पांच करोड़ पंचानवे लाख सतहत्तर हजार दो सौ अंठानबे एवं अड़तालीस पैसा मात्र), समस्त खर्चों एवं जीएसटी सहित। **अमानत राशि: ₹ 04,47,900/-** (रूपये चार लाख सैंतालीस हजार नौ सौ मात्र), **निविदा खुलने की तिथि:** दिनांक **29.09.2026** को दोपहर **12:00** बजे खोले जाएंगे।

उपरोक्त ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई-निविदा के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।

वरि. मंडल यांत्रिक इंजी.(फ्रेट)
सीपीआर/10/398 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @seorail

संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़
सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, खेल भवन जी.ई. रोड रायपुर
फोन 0771-2262178, वेबसाईट :- www.sportsyw.cg.gov.in,
ई - मेल : - dir-sportsyw.cg@gov.in

क्र. / पुरस्कार - 100 / GENS/58769/2026-SECTION

विज्ञापन

महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान वर्ष 2026-27 हेतु अनुशंसाओं का आमंत्रण

विषयान्तर्गत 01 नवम्बर को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ियों को दिए जाने वाले महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान वर्ष 2026-27 हेतु दिनांक 20 से 30 सितम्बर, 2026 तक निर्धारित प्रारूप में अनुशंसाएं आमंत्रित की जाती हैं।

महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान प्रतिवर्ष एक खिलाड़ी को दिया जा सकेगा। प्रत्येक अंलकरण में राशि 1.00 लाख नगद, अलंकरण फलक, प्रशस्ति पत्र से सम्मनित किया जाएगा।

चयन का मापदण्ड:-

1. महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान ऐसे पात्र खिलाड़ियों को दिए जाऐंगे, जिन्होंने वर्ष 2025–26 (विगत वर्ष) में तीरंदाजी की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (सीनियर वर्ग) या राष्ट्रीय खेलों में, छत्तीसगढ़ की ओर से भाग लेते हुए स्वर्ण पदक, रजत पदक या कांस्य पदक प्राप्त किया हो या अंतर्राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो। यदि तीरंदाजी में उपरोक्त उपलब्धियों वाले खिलाड़ी किसी वर्ष में नहीं मिले तो, इस नियम के जारी होने वाले वर्ष को सम्मिलित करते हुए तीन वर्षों तक तीरंदाजी की राष्ट्रीय शालेय प्रतियोगिता या राष्ट्रीय अंतरविश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में पदक प्राप्त खिलाड़ी को यह सम्मान देने हेतु चयन के लिए विचार में लिया जाएगा।
   यदि तीरंदाजी में उपरोक्त उपलब्धियों वाले खिलाड़ी किसी वर्ष नहीं मिले तो उस वर्ष अन्य ऐसे खेल, जिन्हें भारत सरकार युवा कार्य और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय स्तर के खेल अलंकरण हेतु विचार क्षेत्र में लेता है, के खिलाड़ियों को जिन्होंने विगत वर्ष की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (सीनियर वर्ग) या राष्ट्रीय खेलों में छत्तीसगढ़ की ओर से भाग लेत हुए स्वर्ण पदक, रजत पदक या कांस्य पदक प्राप्त किया हो या अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो, इस सम्मान हेतु चयन के लिए विचार में लिए जाऐंगे।
2. यह सम्मान पुरूष एवं महिला वर्ग के खिलाड़ियों के लिए सम्मिलित रूप से होगा अर्थात उपलब्धियों की तुलना सम्मिलित रूप से की जाएगी।
3. इस सम्मान के लिये उन खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर विचार किया जाएगा, जो छत्तीसगढ़ का स्थानीय निवासी है या उपलब्धि वर्ष एवं पुरस्कार वर्ष में छत्तीसगढ़ राज्य की किसी मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्था में नियमित अध्ययनरत है या उपलब्धि वर्ष एवं पुरस्कार वर्ष में छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय /अर्द्धशासकीय अथवा सार्वजनिक उपक्रम में निरंतर कार्यरत है।
4. सम्मान हेतु वर्ष की गणना 01 अप्रैल से 31 मार्च तक होगी।
5. यदि चयन समिति की राय में किसी विशेष वर्ष में इस सम्मान को पाने योग्य प्रदर्शन नहीं होता है तो उस वर्ष सम्मान देने की आवश्यकता नहीं है।
6. यह सम्मान विभाग के अन्य खेल पुरस्कारों के अलावा होगा जो खिलाड़ी को उसकी उपलब्धि के लिये दिया गया है, लेकिन गुण्डाधूर सम्मान से अलंकृत खिलाड़ी इस सम्मान को प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं होंगे।
7. यह सम्मान किसी खिलाड़ी को उसके जीवनकाल में केवल एक बार ही दिया जाएगा।
8. यदि किसी खिलाड़ी या दल को उपलब्धि वर्ष या सम्मान वर्ष में मान्यता प्राप्त खेल संगठन द्वारा राज्य या राष्ट्रीय चैम्पियनशिप से निष्कासित किया गया हो तो उसे संबंधित वर्ष के लिए यह सम्मान प्राप्त करने की पात्रता नहीं होगी।
9. सम्मान हेतु प्रविष्टि के संबंध में किसी प्रकार का दबाव लाया जाना प्रविष्टि के लिए अनर्हता मानी जाएगी।
10. ऐसा माना जाएगा कि जिस खिलाड़ी की प्रविष्टि उसके स्वयं के द्वारा या अन्य किसी स्त्रोत से सम्मान हेतु प्राप्त हुई है, उस खिलाड़ी ने इन सब नियमों को स्वीकार कर लिया है।
11. प्रथम दृष्टि में उपयुक्त होते हुए भी विभाग संबंधित खिलाड़ी की प्रविष्टि पर विचार करने के लिए उस खिलाड़ी की खेल उपलब्धियों की आगे जांच पड़ताल और खोजबीन करने का अधिकार अपने पास रखता है।

महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान की नियमावली छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) क्रमांक 520 (6), दिनांक 22 सितम्बर 2007 में प्रकाशित हुई है, तत्संबंधी नियमों के सभी प्रावधानों/ नियमों / शर्तों का पालन करते हुए इस सम्मान हेतु एक खिलाड़ी चयन जूरी द्वारा किया जाएगा।

नौकरी पेशा आवेदकों के लिए :- राज्य/ केन्द्र के शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ सार्वजनिक उपक्रम के अधिकारी / कर्मचारी पर सम्मान / पुरस्कार प्राप्त करने हेतु उन पर संबंधित सरकार द्वारा लागू

एसआईपी से उम्मीद के मुताबिक नहीं बन रहा पैसा, तो कुछ गलतियों से बचें

व्यवस्थित निवेश योजना यानी एसआईपी आज छोटे और बड़े निवेशकों के बीच लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का लोकप्रिय माध्यम बन चुकी है। हर महीने तय राशि निवेश करने की सुविधा के कारण नौकरीपेशा और सीमित आय वाले लोग भी धीरे-धीरे बड़ा कोष तैयार करने की उम्मीद रखते हैं। लेकिन कई निवेशकों की शिकायत रहती है कि वर्षों तक एसआईपी चलाने के बाद भी पैसा उनकी उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ रहा। ऐसे में वे अक्सर फंड, बाजार या फंड प्रबंधक को जिम्मेदार मान लेते हैं। असल में एसआईपी कोई ऐसा निवेश उत्पाद नहीं है, जो निश्चित या गारंटीशुदा रिटर्न देता हो। यह केवल नियमित अंतराल पर निवेश करने का तरीका है। निवेश का अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि हर महीने कितनी राशि लगाई जा रही है, किस प्रकार के म्यूचुअल फंड का चयन किया गया है, निवेश का लक्ष्य और अवधि क्या है, बाजार की स्थिति कैसी है और निवेशक कितने समय तक लगातार निवेश बनाए रखता है। यदि एसआईपी उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं दे रही है तो बाहर निकलने से पहले निवेशक को अपनी रणनीति की इन पांच महत्वपूर्ण कमियों की जांच करनी चाहिए।

लक्ष्य के मुकाबले बहुत कम है एसआईपी की राशि : एसआईपी में सबसे आम गलती यह होती है कि निवेशक पहले यह तय करता है कि वह हर महीने कितनी रकम आसानी से बचा सकता है, लेकिन यह नहीं देखता कि उसके वित्तीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए वास्तव में कितने निवेश की जरूरत है। 2,000 या 5,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश की अच्छी शुरुआत हो सकती है, लेकिन हर लक्ष्य के लिए यह रकम पर्याप्त नहीं होती। मसलन, यदि कोई व्यक्ति पांच साल में 50 लाख या एक करोड़ रुपये का कोष बनाना चाहता है, तो केवल 5,000 रुपये मासिक निवेश से लक्ष्य तक पहुंचना संभव नहीं होगा।

सैलरी आते ही पैसा खत्म हो जाता है तो बदलें कुछ आदतें

हर महीने सैलरी आते ही लगता है कि इस बार खर्च संभालकर चलेंगे, लेकिन कुछ ही दिनों बाद खाते का बैलेंस तेजी से कम होने लगता है। महीने के आखिर में जरूरी खर्चों के लिए भी पैसों का हिसाब लगाना पड़ता है। ऐसी स्थिति को हमेशा कम आय का नतीजा मानना सही नहीं है। कई बार बिना बजट खर्च करना, छोटी-छोटी खरीदारी को नजरअंदाज करना और बचत को महीने के आखिर के लिए छोड़ देना भी आर्थिक दबाव की बड़ी वजह बनता है। पैसे को बेहतर तरीके से मैनेज करने के लिए बहुत जटिल वित्तीय रणनीति की जरूरत नहीं होती। कुछ आसान आदतों को नियमित रूप से अपनाकर आय और खर्च के बीच बेहतर संतुलन बनाया जा सकता है।

सैलरी आते ही पहले बचत करें

सबसे आम गलती यह होती है कि लोग पूरे महीने खर्च करने के बाद बची रकम को बचत करने के लिए रखते हैं। व्यवहार में अक्सर महीने के अंत तक बचने के लिए बहुत कम पैसा रह जाता है। इसका आसान तरीका है। 'पहले बचत, फिर खर्च'। सैलरी खाते में आते ही तय रकम को अलग बचत खाते या निर्धारित निवेश में भेज दें। इससे खर्च करने के लिए उपलब्ध पैसा अपने आप सीमित हो जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति की मासिक आय 50,000 रुपये है तो वह अपनी क्षमता के अनुसार पहले ही 5,000 या 10,000 रुपये अलग कर सकता है। इसके बाद बाकी रकम से महीने का खर्च चलाया जाए। बचत की राशि छोटी हो तो भी नियमितता ज्यादा महत्वपूर्ण है। समय के साथ यही रकम बड़ा वित्तीय सहारा बन सकती है।

माह की शुरुआत में बनाएं बजट

सैलरी आने के बाद बिना योजना के खर्च शुरू करना बजट बिगाड़ने का सबसे आसान तरीका है। इसलिए महीने की शुरुआत में ही जरूरी खर्चों की सूची बनाएं। सबसे पहले किराया, ईएमआई, बिजली-पानी, राशन, स्कूल फीस, बीमा प्रीमियम और दूसरी अनिवार्य जरूरतों के लिए रकम अलग करें।



सैलरी का आसान बंटवारा करें

- **जरूरी खर्च:** घर, राशन, बिजली, ईएमआई और दूसरी अनिवार्य जरूरतें।
- **बचत:** भविष्य की जरूरतों और बड़े खर्चों के लिए।
- **निवेश:** लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए।
- **वैकल्पिक खर्च:** घूमना, मनोरंजन, खरीदारी और दूसरी इच्छाओं पर खर्च।
- इस बंटवारे को अपनी वास्तविक आय और जिम्मेदारियों के अनुसार बदला जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, खूँटी

ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– RDD/SD/KHUNTI/04/2026-27

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	खूँटी जिला के रनियाँ प्रखण्ड अन्तर्गत जयपुर पंचायत में पिडुल से टालडा जाने वाले पथ में सिकरिया नाला पर पुल निर्माण।	4,02,79,800/–	8,06,000 /–	10,000/–	18 माह

1. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 05.10.2026
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 05.10.2026 से दिनांक 12.10.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
3. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, खूँटी
4. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –14.10.2026 अपराह्न 12:30 बजे
5. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, खूँटी।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7992312702 (संबंधित कार्यलय का दूरभाष नम्बर)
7. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,खूँटी

PR 390127 Rural Development(26-27).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, खूँटी।

ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– RDD/SD/KHUNTI/05/2026-27

क्र०सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	खूँटी जिला के अड़की प्रखण्ड अन्तर्गत तोड़ांग पंचायत में ग्राम–बांदूगड़ा में तजना नदी पर पुल निर्माण।	4,87,40,800/–	9,75,000/–	10,000/–	18 माह

1. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 05.10.2026
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 05.10.2026 से दिनांक 12.10.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
3. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, खूँटी
4. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –14.10.2026 अपराह्न 12:30 बजे
5. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, खूँटी।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7992312702 (संबंधित कार्यलय का दूरभाष नम्बर)
7. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, खूँटी।

PR 390132 (Rural Development) 26-27 (D)

बिजनेस साइट

क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो में उमड़ी भीड़, रजिस्ट्री स्टाम्प ड्यूटी में 50% छूट का दिखा असर



रायपुर। क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो-2026 के दूसरे दिन शनिवार को इंडोर स्टेडियम में प्रॉपर्टी खरीदारों की भीड़ उमड़ी। दोपहर से ही बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी जरूरत, बजट और पसंदीदा लोकेशन के अनुसार फ्लैट, प्लॉट, बंगले, विला, स्वतंत्र मकान और कमर्शियल स्पेस की जानकारी ली। कई खरीदारों ने मौके पर प्रॉपर्टी की बुकिंग भी कराई। एक्सपो में बुकिंग पर रजिस्ट्री और स्टाम्प ड्यूटी में 50 फीसदी छूट का ऑफर आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। एक्सपो में क्रेडाई से जुड़े 50 बिल्डर्स के 250 से अधिक प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए जा रहे हैं। हर स्टॉल पर खरीदारों को प्रोजेक्ट की कीमत, सुविधाओं, लोकेशन और भुगतान संबंधी जानकारी दी जा रही है। आधुनिक सुविधाओं से लैस प्रोजेक्ट्स के साथ प्लॉट और फ्लैट की मांग भी नजर आई। बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी और यूको बैंक के स्टॉल पर होम लोन, ईएमआई और दस्तावेजों से जुड़ी जानकारी दी जा रही है। वहीं, रेरा के स्टॉल पर खरीदारों को प्रोजेक्ट की वैधानिक स्थिति, ले-आउट प्लान, प्रमोटर का रिकॉर्ड और प्रोजेक्ट की प्रगति से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

आज अंतिम दिन

शनिवार को रेरा चेयरमैन संजय शुक्ला और सदस्य धनंजय देवांगन ने एक्सपो का दौरा कर स्टॉल का निरीक्षण किया और खरीदारों से चर्चा की। क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष पंकज लाहोटी, चेयरमैन मृणाल गोलछा, सचिव अभिषेक बच्छावत, आईपीपी संजय रहेजा, कोषाध्यक्ष आयुष मोदी, प्रोग्राम चेयरमैन अशोक मूंदड़ा और प्रतीक केवलानी ने बताया कि एक्सपो का उद्देश्य आम लोगों को उनके बजट और जरूरत के अनुसार बेहतर प्रॉपर्टी विकल्प उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि रविवार 20 सितंबर को एक्सपो का अंतिम दिन है।

लकी ड्रॉ के लिए एंट्री पर रजिस्ट्रेशन कराना न भूलें

एक्सपो का एक बड़ा आकर्षण लकी ड्रॉ भी है। यदि विजिटर्स एंट्री गेट पर लगे स्टॉल में अपनी जानकारी दर्ज कराते हैं, तो वे क्रेडाई की ओर से आयोजित लकी ड्रॉ का हिस्सा बन सकते हैं। इस ड्रॉ के माध्यम से रेफ्रिजरेटर, टीवी, वाशिंग मशीन, ओवन, मिक्सी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान जीतने का सुनहरा अवसर मिल रहा है, इसलिए अपनी एंट्री कराना न भूलें। लकी ड्रॉ के साथ विजिटर्स के लिए चाय और स्नैक्स की व्यवस्था भी की गई है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, चाईबासा

ई०–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– WRD/MID/CBSA/DMFT/ F2-12/2026-27

1. कार्य का नाम :–

क्र०	योजना का नाम	जिला	प्रखण्ड	प्राक्कलित राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	नीमडीह पंचायत के मध्य विद्यालय, चालगी से कुचिया सीमा तक 1610 मीटर पी0 सी0 सी0 पथ का निर्माण कार्य।	पश्चिमी सिंहभूम।	टोन्टो	116.316	10,000.00	2,33,000.00	6 माह।
2	बामेबासा पंचायत के ग्राम–हाथीमंडा के सिरदोर गोदाम से हाथीमंडा होते हुए गुटुसाई तक 2600 मीटर पी0 सी0 सी0 पथ का निर्माण कार्य।	पश्चिमी सिंहभूम।	टोन्टो	191.908	10,000.00	3,84,000.00	6 माह।
3	रूईडीह पंचायत के ग्राम–पाताहातु रेलवे फाटक से पोरलोंग तक 1960 मीटर पी0 सी0 सी0 पथ का निर्माण कार्य।	पश्चिमी सिंहभूम।	खूंटपानी	158.65	10,000.00	3,17,500.00	6 माह।
4	पटाजैंत पंचायत के ग्राम बनकट्टी नाला में चेकडैम का निमार्ण कार्य।	पश्चिमी सिंहभूम।	जगन्नाथपुर	113.993	10,000.00	2,28,000.00	11 माह।
5	बान्दु पंचायत के ग्राम–बान्दु मुण्डा टोली से गुईर तक 2500 मीटर पी0 सी0 सी0 पथ का निर्माण कार्य।	पश्चिमी सिंहभूम।	गुदड़ी	205.193	10,000.00	4,10,500.00	6 माह।

नोट :– केवल ई०–निविदा (Online Mode) ही स्वीकार होगा।

2. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट WWW.jharkhandtenders.gov.in पर देखें।
3. बेवसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय :– 12.10.2026 के 11:00 बजे पूर्वाह्न् से।
4. ई०–निविदा में भाग लेने की अंतिम तिथि एवं समय :–21.10.2026 अपराह्न 05:00 बजे तक।
5. ई०–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 23.10.2026 को 03:00 बजे अपराह्न ।
6. परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग झारखण्ड मंत्रालय, धुर्वा, राँची के आदेश सह ज्ञापांक 120, दिनांक 03.10.2023 के अनुरूप (Online) प्राप्त की जायेगी।
7. निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम, पता , दूरभाष सं0 एवं ई0 मेल आई डी0– कार्यपालक अभियंता , लघु सिंचाई प्रमण्डल, चाईबासा / 9572468424 ई0मेल – eemidchaibasa@gmail.com, eemidchai-eemr-jhr@nic.in
8. निविदा के B.O.Q की राशि घट–बढ़ सकती है तदानुसार B.O.Q के मूल्य एवं अग्रधन की राशि में बदलाव होगा ।
9. प्राक्कलित राशि का 10 प्रतिशत से न्यूनतम निविदाताओ के लिए दर पर निविदित (Quoted rate is more than 10% below the schedule rate)के परिपेक्ष में पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड रॉची के पत्रांक 2146(S) दिनांक 09.09.2020 के शर्तावली के अनुसार अतिरिक्त जमानत की राशि एकरारनामा करने के समय जमा करना अनिवार्य होगा ।
10. संवेदक द्वारा डाली गई Online सभी अभिलेख Digital Signature रहना अनिवार्य है।
11. बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा को रद्द करने का अधिकारी अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई० भुगतान संवेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जाएगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।

PR 390121 West Singhbhum (26-27)_D
कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, चाईबासा

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

नर्सिंग स्टाफ/ऑपरेटर

आवश्यकता है- बीएससी नर्सिंग स्टॉफ / नर्सिंग हेल्पर स्टॉफ मेल/ फिमेल -6 फ्रेशर या अनुभवी एवं कंप्यूटर ऑपरेटर-1 (हॉस्पिटल के कार्य हेतु) रहने की सुविधा संपर्क: बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009. (आरो-583)

हाऊस कीपिंग

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग – पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने हेतु), ऑफिस बॉय – केवल रायपुर लोकल उम्मीदवार एवं कंसल्टेंसी वाले संपर्क करें :- मो.6232022676. (आरो-309)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु पुरुष और महिला , सेल्समेन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, पता:- विरदी साड़ी कंकालीपारा रोड, रायपुर संपर्क समय 10:30 से 9:00, 9425522577 , 9425522576.(आरो-209)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के-लड़कियां एवं सेल्समैन-सेल्सगर्ल की आवश्यकता वेतन 10000/- से 15000/- तक +कमीशन संपर्क:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोलबाजार, 9329103178.(आरो-OM)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मैकेनिक/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम के लिए इलेक्टिक स्कूटी मैकेनिक, सुपरवाइजर, सेल्स के लिए लड़कों की आवश्यकता हैं, वेतन योग्यतानुसार। संपर्क चावला इलेक्ट्रिक, मेन रोड, तेलीबांधा, रायपुर मोबाइल 9907960900. (आरो-292)

एच आर मैनेजर

Wanted- Required an HR manager for a textile manufacturing plant at Raipur (C.G.)- capable of handling 200-250workers as well as implementing HR policy. Email resume at: vacancy.spintex@gmail.com(आरो-ghos)

सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- एक सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है वेतन 10000 से स्टार्ट ओम ज्वैलर्स शॉप नंबर 64 बी प्रिया सिंगार सदन के सामने इंदिरा मार्केट दुर्ग (आरो न.-4173)

ड्रायवर

आवश्यकता है- स्कूल बस चलाने हेतु रायपुरा चौक, कुशालपुर, पचपेड़ी नाका, भनपुरी से ड्राइवरों की आवश्यकता हैं वेतन योग्यतानुसार लायसेंस हवी बैच अनुभवी को प्राथमिकता जय महामाया ट्रेवल्स ऊपरवारा नया रायपुर मो.9993944771, 9977909698.(आरो-211)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

दुकान कार्य

आवश्यकता है- जनरल दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता हैं। वेतन 11,000 रूपये प्रतिमाह, अपने परिचय पत्र के साथ मिले- श्री कृष्णा मार्केटिंग, पेटी लाईन, गोल बाजार,रायपुर, फोन: 7224926767. (आरो-006)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- रायपुर (सिविललाइन्स) स्थित प्रतिष्ठित परिवार के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, ईमानदार और जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभवः कम से कम 5 वर्ष शिक्षाः न्यूनतम 10वीं पास वेतनः 20,000 प्रतिमाह रहने की व्यवस्था है स्थानः सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्क : 9109972720, 9109125252. (आरो-077)

केयर टेकर

आवश्यकता है- जानवरों की सेवा करें और बढ़िया वेतन कमाए। कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य रू. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800. (आरो-007)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु (10वी -12वीं)पास लड़कों हेतु जो कानपुर में रहकर काम कर सके वेतन 12000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + किराया, ट्रेनिंग के बाद कमाए 15000- 20000/- महीना- 8770508791, 7580821223. (आरो-140)

हरिभूमि क्लासीफाईड

नर्सिंग स्टाफ/मार्केटिंग

आवश्यकता है- रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर (R.M.) 01 पद, अनुभवी नर्सिंग स्टॉफ (महिला /पुरुष) 05 पद, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (P.R.O) 01 पद, ड्राईवर (रात्रिकालीन) 01 पद पता- मातृ स्मृति हॉस्पिटल, एकता नगर, गुढ़ियारी, रायपुर संपर्क:- 8839474743, 8269340044. (आरो-078)

पंप कर्मी

आवश्यकता है- लड़कियों एवं लड़कों की आवश्यकता है पेट्रोल पंप में कार्य करने के लिये इच्छुक उम्मीद्वार अपने बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें:- डागा पेट्रोल पंप फाफाडीह चौक रायपुर मो 8109135400, 9179380728.(आरो-666)

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप पर काम करने के लिए महिला एंव पुरूष कर्मचारियों की आवश्यकता है। संपर्क करें जय जवान पेट्रोल पंप मरीन ड्राइव के पास तेलीबांधा रायपुर (छ.ग.) मो . - 9827141707.(आरो-4181)

सेल्स/ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- 1. Male staff for furniture fitting. 2. Male staff for sales. 3. Female staff for office handling and tele calling. Address - Durian Furniture ,Radhika Nagar, besides Central Bank of India. Near supela police station, Bhilai Contact no. 9301419553, 7805961516.(आरो-212)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 22000 विपणन अधिकारी 30000 फील्ड अधिकारी 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर 20000 टेंडर कार्य,योग्यतानुसार मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016. (आरो-815)

आवश्यकता है- वी.आई.पी चौक, तेलीबांधा, एम.जी. रोड, टाटीबंध, बोद्री (बिलासपुर), हेतु सुरक्षा सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड, की अतिशीघ्र आवश्यकता है। ड्यूटी 12 घंटा, वेतन 12000-15000/- आयु सीमा- 25- 45 वर्ष, कृपया जरूरतमंद ही संपर्क करें - 8602776151.(आरो-210)

कुक

आवश्यकता है- शंकर नगर, न्यू दिल्ली स्वीट्स के पीछे खाना बनाने हेतु महिला की आवश्यकता है। संपर्क 7400700030. (आरो-0148)

Property प्रापर्टी

मकान/प्लाट

मकान एवं प्लाट बेचना है- माधव राव सप्रे वार्ड रायपुर गोकुलधाम सोसायटी के सामने भूतल पर 800 वर्ग फीट में निर्मित मकान सर्व सुविधा युक्त मेंन रोड से 100 फीट पर चुकता कीमत 37 लाख एवं नया राजधानी (जामगांव अभनपुर) पर डायवर्सन प्लाट 1000 फुट को चुकता रेट 6 लाख में बेचना है। संपर्क करें:- 8827380696, 9754685471, 8960002971, 8435931717. (आरो-204)

मकान बेचना है- ग्राम अमलेश्वर के महादेव वाटिका में स्थित रहवासी कॉलोनी में भूखंड- 12, 1300 स्क्वायर फीट जमीन पर निर्माण कार्य किया गया मकान बेचना है। नोटः- केवल वास्तविक खरीददार ही संपर्क करें। संपर्क- 9873043842. (आरो-208)

प्लॉट बेचना है - सकरी हाईवे रोड से 50मी. गायत्री मन्दिर के सामने सर्वसुविधायुक्त पूर्ण विकसित कॉलोनी प्लॉट साईज 252×53= 13356 वर्गफुट डायवर्टेड आवासीय नार्थ फेस 2/3 टुकड़ों में बेचना है सम्पर्क करें- 7898855268. (RO-41750)



वैवाहिकी

वर चाहिए

वर- Alliance invited for a beautiful,well-educated Jatt Sikh girl,30,5'5,from a reputed,well-settled Raipur family.Canadian citizen,wishing to settle in India; family-oriented with a modern outlook.Seeking an educated,well-settled,family-oriented Jatt Sikh match,preferably from Raipur and a business family.Contact: 6266-792911.(आरो-8215)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ASTROLOGY ज्योतिष

ज्योतिष तांत्रिक विशेषज्ञ



पति-पत्नि में अनबन, प्रेम विवाह, राजयोग, धनयोग, विवाह योग, संतान योग, मंत्रीयोग, राजपत्रित पद व्यापार संबंधित प्रश्न, यात्रा ट्रांसफर एवं अन्य ज्योतिष प्रश्नोता, 9 ग्रह, 27 नक्षत्र 64 योगिनी, वास्तु शास्त्र तथा अन्य प्रश्नोत्तर ज्योतिष द्वारा प्राप्त करें तंत्र द्वारा वशीकरण, विवाह किसी भी परेशानी से तत्काल लाभ प्राप्त करें।

चुनाव विजय हेतु संपर्क करें।

तांत्रिक सम्राट डॉ. जे.पी. दुबे
तंत्र पी.एच.डी. (गोल्ड मेडलिस्ट)
गली नंबर-3, शुभकामना हॉस्पिटल के पास, दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर
96302-33918, 9238384295
नोट: भूत, भविष्य, वर्तमान की जानकारी प्राप्त करें।
स्वामी जी प्रत्येक दिन रायपुर में मिलेंगे।
आने से पूर्व एपाइंटमेंट अवश्य लें।

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ - फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे:-B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, LLB M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLY-TECHNIC, B.tech M.tech (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515. (आरो-4171)

क्लासीफाईड

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

RAIPUR SMART BUSINESS AUDIT
15,000/- से शुरू
◆ GST रजिस्ट्रेशन 500/- ◆GST फाइलिंग 500/-
◆ Income Tax ITR फाइल मात्र 500/-
• MSME • TDS • CMA DATA • फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क : शेखर गुप्ता onlytds.com
पता- सी-74, सेक्टर-1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsaap पर बनवाऐ 9300755544, 8878655544

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

सोरायसिस एवं चमड़ी रोग

प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।

इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है। क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है। क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहे तो इनकी झूठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।

वायदे रिसर्च एन्ड रिकन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.वी. अग्रवाल(BAMS MD)
(चर्म रोग विशेषज्ञ)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
98271-99213,94255-55659
96177-89223,93032-42200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय दोपहर 12 से 7 बजे तक

नागोया के आसमान में चमका भारत मनु और सहरावत ने लहराया तिरंगा



एशियाई खेलों का रंगारंग उद्घाटन

मार्च पास्ट में 45 देशों के खिलाड़ी हुए शामिल

4 अक्टूबर को खेलों का समापन

मार्च पास्ट में नेवी ब्लू का जलवा

स्टार निशानेबाज मनु भाकर और कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत की अगुवाई में भारत ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच खिलाड़ियों की परेड में प्रवेश किया। गहरे नीली (नेवी ब्लू) साड़ी और बंदगले की औपचारिक जैकेट पहने मनु दर्शकों का अभिवादन करती नजर आईं। उन्होंने सहरावत के साथ 150 सदस्यीय भारतीय दल की अगुवाई की। भारतीय पुरुष खिलाड़ियों ने भी गहरे नीले रंग की बंदगले की औपचारिक जैकेट और उससे मेल खाती पतलून पहनी थी।

एजेंसी ▶▶ नागोया

जापान ने शनिवार को एशियाई खेलों के सादगीपूर्ण लेकिन रंगारंग उद्घाटन समारोह में अपनी तकनीकी और औद्योगिक ताकत के साथ-साथ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश की जिसने प्रतियोगिता से पहले की अव्यवस्थाओं और लॉजिस्टिक्स समस्याओं के बीच एक उम्मीद की किरण दिखाई। अगले 15 दिनों तक 45 देशों के करीब 11,000 खिलाड़ी 43 खेलों और 71 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। इस दौरान कुल 469 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला होगा और खेलों का समापन 4 अक्टूबर को होगा। बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट समेत कुछ अन्य खेलों की स्पर्धाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं। 'हार्मोनिक हार्ट बीट' थीम के साथ जापान ने अपने इतिहास में तीसरी बार एशियाई खिलाड़ियों का स्वागत किया। इससे पहले 1958 में तोक्यो और 1994 में हिरोशिमा में एशियाई खेलों का आयोजन हुआ था।

'वन एशिया' की थीम मुख्य आकर्षण

उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण दिल के आकार का मुख्य मंच रहा, जिसे 'वन एशिया' की थीम को दर्शाने के लिए तैयार किया गया था। यह पूरे महाद्वीप के खिलाड़ियों और लोगों के एक-दूसरे से दिल से जुड़ने का प्रतीक था। 30 हजार दर्शकों की क्षमता वाले खचाखच भरे मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित इस शानदार समारोह में आइची की औद्योगिक तकनीक और पारंपरिक कला का अनूठा मेल देखने को मिला।



हॉकी: नई शुरुआत करेगी भारतीय टीम

काकामिगाहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम हाल ही में विश्व कप में मिली निराशा को भुलाकर एशियाई खेलों में रविवार से शुरू होने वाली हॉकी प्रतियोगिता में अपने खिताब का बचाव करने में किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी जबकि महिला टीम भी स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगी। भारत को मेजबान जापान, कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया के साथ पूल ए में रखा गया है, जबकि पूल बी में पाकिस्तान, मलेशिया, चीन, ओमान, उज्बेकिस्तान और थाईलैंड शामिल हैं। भारत अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ करेगा। वह इस मैच में बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगा।

पूल बी में महिला हॉकी टीम

भारतीय महिला हॉकी टीम को पूल बी में उज्बेकिस्तान, इंडोनेशिया, थाईलैंड, जापान और सिंगापुर के साथ रखा गया है। भारतीय टीम उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जिसमें वह बड़ी जीत हासिल करना चाहेगी। लेकिन प्रतियोगिता में भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा चीन ही बना हुआ है।



टेकबॉल : सेमीफाइनल में हारी क्विम्सी

अब कांस्य के लिए मुकाबला

भारत की क्विम्सी डिसूजा एशियाई खेलों की टेकबॉल महिला एकल सेमीफाइनल स्पर्धा में इंडोनेशिया की सुमाया के खिलाफ जुझारू प्रदर्शन करने के बावजूद हार गई और अब कांस्य पदक के लिये खेलेंगी। क्विम्सी ने शुरुआती बढत बनाई लेकिन लय कायम नहीं रख पाई और 12-7, 9-12, 7-12 से हार गई। क्विम्सी अब रविवार को कांस्य पदक का प्लेआफ खेलेगी। क्विम्सी ने अपनी लंबे कद का पूरा फायदा उठाते हुए बार-बार सटीक स्मैश लगाए। घुमावदार टेबल से उनकी नीची और स्लाइडिंग सर्व ने सुमाया को दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम 12-7 से आसानी से जीत लिया लेकिन दूसरे गेम में कहानी एकदम से बदल गई। यह खेल सेपक टकरा (पांव से वॉलीबॉल खेलने जैसा) से मिलता है और सुमाया सेपक टकरा की खिलाड़ी रही है, जिसका उन्हें फायदा मिला। सुमाया ने तेजी दिखाई और क्विम्सी को हर अंक के लिए कड़ी टक्कर दी। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को रैलियों में उलझाया।

टेबल टेनिस : मानव-मानुष से पदक की उम्मीद



मानुष शाह और मानव ठक्कर की विश्व में तीसरे नंबर की पुरुष युगल जोड़ी के नेतृत्व में आत्मविश्वास से भरी भारतीय टेबल टेनिस टीम रविवार को एशियाई खेलों में अपना अभियान शुरू करेगी और उसका लक्ष्य कम से कम एक पदक जीतना है। भारतीय पुरुष टीम ग्रुप एफ के अपने पहले मैच में इंडोनेशिया का सामना करेगी और रविवार को अपने दूसरे मैच में ईरान के खिलाफ खेलेगी। महिला टीम को भी ग्रुप एफ में रखा गया है और वह इंडोनेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। दिन के दूसरे मैच में उसका सामना सिंगापुर से होगा।

सटीक निशाना लगाने के लिए तैयार मनु और नीरू



ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर की अगुवाई में भारतीय निशानेबाज रविवार को एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसमें उन्हें चीन से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। निशानेबाजी में भारत का 30 सदस्यीय दल भाग ले रहा है और उनसे पिछले एशियाई खेलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद जा रही है। हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों ने रिकॉर्ड 22 पदक (सात स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य) जीते थे। भारतीय टीम में कई ओलंपियन और विश्व स्तरीय खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें से कुछ को बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने का अनुभव है। लेकिन सबकी निगाहें निश्चित रूप से मनु पर होंगी, जो पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक हासिल करने के बाद एशियाई खेलों में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करेंगी।

बैडमिंटन : भारत को जापान से मिल सकती है चुनौती

पिछले एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम रविवार को अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश की खिलाफ करेगी जबकि महिला टीम कजाकिस्तान से भिड़ेगी। टीम प्रतियोगिता के बाद 25 सितंबर से व्यक्तिगत स्पर्धाएं होंगी। भारत को 2023 में हांगझोऊ में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पुरुष युगल में स्वर्ण पदक दिलाया था। इसके अलावा भारत ने पुरुष टीम स्पर्धा में रजत और पुरुष एकल में एचएस प्रणय के शानदार प्रदर्शन से कांस्य पदक भी जीता था। भारतीय पुरुष टीम रजत पदक को स्वर्ण पदक में बदलने का लक्ष्य रखेगी, जबकि महिला टीम 2014 में इंचियोन में कांस्य पदक जीतने के बाद दूसरा टीम पदक हासिल करने की कोशिश करेगी।

भारत- बांग्लादेश के बीच भिड़ंत आज

महिला क्रिकेट



निशिन। मौजूदा चैंपियन भारत रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एशियाई खेलों के सेमीफाइनल मैच में अपने आक्रामक तेवर बरकरार रखकर दबाव बनाने की कोशिश करेगा। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ इस प्रारूप में अपना दबदबा बनाए रखा है और उसने पिछले नौ मुकाबलों में जीत हासिल की है, जिसमें पिछले सप्ताह एशिया कप में 40 रन की जीत भी शामिल है। बांग्लादेश के हाथों उसे टी20 में आखिरी बार तीन साल पहले हार का सामना करना पड़ा था। बांग्लादेश की टीम भारत पर दबाव बनाने के लिए अपने स्पिनरों पर निर्भर रहेगी। बांग्लादेश को अगर भारत के बल्लेबाजों पर दबाव बनाना है तो नाहिदा अख्तर और रबिया खान जैसी गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वे पिच से मिलने वाली किसी भी मदद का फायदा उठाने और भारत के आक्रामक शीर्ष क्रम को नियंत्रण में रखने की कोशिश करेंगी।

मैच का समय सुबह 10:30 बजे

शतरंज ओलंपियाड

टीम इंडिया का शानदार प्रदर्शन, स्पेन को दी मात

समरकंद। भारतीय पुरुष टीम ने शतरंज ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्पेन को 3-1 से हराया तो वहीं महिला टीम ने मंगोलिया पर इसी अंतर से जीत दर्ज की। विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने पूर्व विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर अलेक्सी शिरोव को मात देकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। गुकेश ने मुकाबले में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और 42 चालों में बाजी अपने नाम कर ली। भारत को शुरुआती बढ़त अर्जुन एरिगैसी ने दिलाई। दूसरे बोर्ड पर सफेद मोहरों से खेलते हुए अर्जुन ने आक्रामक अंदाज में शानदार जीत दर्ज की। वहीं आर. प्रज्ञानानंदा को डेविड एंटोन गुइजारो ने ड्रॉ पर रोक दिया, जबकि निहाल सरीन और जैमे सैंटोस लतासा के बीच मुकाबला भी बराबरी पर समाप्त हुआ।

डेविस कप : दक्षिणेश्वर और बालाजी की शानदार जीत

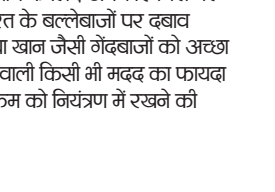

सियोल। दक्षिणेश्वर सुरेश और श्रीराम बालाजी ने युगल मुकाबले में उई-सुंग पार्क और जी-सुंग नाम को हराकर डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत की जीत की उम्मीदों को जीवंत रखा। मुकाबला के पहले दिन शुक्रवार को दोनों एकल मैच गंवाने के कारण 0-2 से पिछड़ने के बाद भारत को कुछ अलग करने की जरूरत थी। उसने निकी पूनाचा की जगह दक्षिणेश्वर को बालाजी के साथ कोर्ट पर उतारा और उसका यह फैसला सही साबित हुआ। इन दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-3 3-6 6-3 से जीत हासिल की।

केनरा बैंक Canara Bank भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking सिंडिकेट Syndicate

रायपुर देवेन्द्र नगर शाखा (छ.ग.)

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत

ऋणी एवं जमानतदार का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण	प्रकार / सीमा / बकाया ऋण
श्रीमती प्रियंका जैन पुत्री राज कुमार जैन (ऋणी एवं बंधककर्ता), साम्राज्य रेजीडेंसी के पास, खमतराई, जिला-रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001 एवं 5308/10, पश्चिम सदर, थाना रोड, सदर थाना रोड के पास, अहाता किदारा, दिल्ली जी.पी.ओ., उत्तरी दिल्ली, दिल्ली-110006. **श्री पुनीत सिंघी पुत्र गुलाब चंद सिंघी (सह-ऋणी)** साम्राज्य रेजीडेंसी के पास खमतराई, जिला- रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001 एवं सिंगी गली, पुरानी लाइन, गंगाशहर, बीकानेर, राजस्थान - 334401	**शीर्षक धारक का नाम: श्रीमती प्रियंका जैन पत्नी श्री पुनीत सिंघी**, रायपुर नगर निगम के तहत आने वाले ग्राम खमतराई, प.ह.नं.-108, शीट नं.-8, प्लॉट नं.- 2/3, 2/4, 2/8, 2/12, खसरा नं.- 479/1, 480/2, 481/2 एवं 489/4, तहसील व जिला- रायपुर, छत्तीसगढ़ । में स्थित 'साम्राज्य रेजिडेंसी' की मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग "प्रयाग" वीर शिवाजी वार्ड, (कडिका क्र. 8 स्वीकृत अभिन्यास) की 7वीं मंजिल स्थित रेजिडेंशियल यूनिट नंबर-702 (3BHK) एवं भूमि के समस्त भाग तथा अंश। बिल्ट-अप क्षेत्रफल- 1268.68 वर्गफीट । **चौहद्दी: उत्तर-** खुली जगह एवं लिफ्ट, **दक्षिण-** खुली जगह एवं लिफ्ट, **पूर्व-** खुली जगह, **पश्चिम-** कॉरिडोर । **CERSAI ID: 400075101451 (SID)**	**HOUSING FINANCE** ₹ 32,10,176.00 16/09/2026 पर कुल देय धनराशि ₹ 30,51,734.86 एनपीए तिथि 13/09/2026

उपर्युक्त उल्लेखित उधारकर्ता एवं जमानतदारों ने उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को बंधक रखकर **केनरा बैंक, रायपुर देवेन्द्र नगर शाखा (छ.ग.)** से ऊपर उल्लेखित अनुसार ऋण सुविधा प्राप्त की है तथा ऊपर उल्लेखित जमानतदारों ने गारंटी उपलब्ध करवाई है, उधारकर्ता ऋण स्वीकृति के नियम तथा शर्तों का पालन करने में असफल हो चुके हैं। रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार खाता अनियमित होने पर ऊपर उल्लेखित दिनांक को एनपीए के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। बैंक द्वारा उपरोक्त वर्णित बकाया ऋण राशि की वसूली के लिए सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के नोटिस दिनांकित **(ऊपर उल्लेखित अनुसार)** ऋणी व जमानतदारों को एनपीए की तिथि **(ऊपर उल्लेखित अनुसार)** अंतिम ज्ञात पते पर भेजा गया था जो बिना सुपुर्दगी के वापस लौट गया है। जिसके पश्चात् यह प्रकाशन जारी किया जा रहा है जिसके माध्यम से देनदारों व जमानतदारों को ऊपर उल्लेखित धनराशि ब्याज दर **(संविदात्मक दर)**, लागत व्यय इत्यादि के साथ इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर भुगतान करने कहा गया है जिसमें चूक करने पर निम्नलिखित बंधक संपत्तियों पर उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के प्रावधानों के अंतर्गत बैंक की बकाया धनराशि की वसूली हेतु कार्यवाही की जाएगी। ऋणी एवं जमानतदार संपत्ति स्वामी का ध्यान वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(8) के प्रावधानों के तहत उपलब्ध समय में प्रतिभूति आस्तियों को छुड़ाने की ओर आकर्षित किया जाता है ।

दिनांकः 19.09.2026 स्थानः रायपुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी/केनरा बैंक

केनरा बैंक Canara Bank भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking सिंडिकेट Syndicate

भिलाई जीई रोड शाखा (छ.ग.)

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत

ऋणी एवं जमानतदार का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण	प्रकार / सीमा / बकाया ऋण
1. **श्री कमल नारायण देवांगन पिता श्री झुमक लाल देवांगन (ऋणी)**, 646, गया नगर, वार्ड नं. 04, दुर्ग-491001 2. **श्रीमती रुखमणी देवांगन पत्नी श्री कमल नारायण देवांगन (सह-ऋणी)**, 646, गया नगर, वार्ड नं. 04, दुर्ग-491001	**शीर्षक धारक का नाम: श्री कमल नारायण देवांगन पुत्र श्री झुमका लाल देवांगन**, हायवर्टेड खसरा नं. 751, 752 एवं 753/2 (पुराना), नया खसरा नं. 751/30, 752/30, 753/58, प.ह.नं. 63, मौजा- दुर्ग, गया नगर, आरएनएम-दुर्ग-03, तहसील व जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़ । क्षेत्रफल- 1625.00 वर्ग फुट पर स्थित दो मंजिला आवासीय भवन के समस्त भाग तथा अंश । **चौहद्दी: उत्तर-** 5 फीट गली, **दक्षिण-** 20 फीट रोड, **पूर्व-** अन्य भूमि, **पश्चिम-** नरेंद्र काटझारे की भूमि । **CERSAI ID: 400068358889**	**CANARA MORTGAGE** ₹ 27,75,000.00 17/09/2026 पर कुल देय धनराशि ₹ 21,89,454.64 एनपीए तिथि 14/09/2026

उपर्युक्त उल्लेखित उधारकर्ता एवं जमानतदारों ने उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को बंधक रखकर **केनरा बैंक, भिलाई जीई रोड शाखा (छ.ग.)** से ऊपर उल्लेखित अनुसार ऋण सुविधा प्राप्त की है तथा ऊपर उल्लेखित जमानतदारों ने गारंटी उपलब्ध करवाई है, उधारकर्ता ऋण स्वीकृति के नियम तथा शर्तों का पालन करने में असफल हो चुके हैं। रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार खाता अनियमित होने पर ऊपर उल्लेखित दिनांक को एनपीए के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। बैंक द्वारा उपरोक्त वर्णित बकाया ऋण राशि की वसूली के लिए सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के नोटिस दिनांकित **(ऊपर उल्लेखित अनुसार)** ऋणी व जमानतदारों को एनपीए की तिथि **(ऊपर उल्लेखित अनुसार)** अंतिम ज्ञात पते पर भेजा गया था जो बिना सुपुर्दगी के वापस लौट गया है। जिसके पश्चात् यह प्रकाशन जारी किया जा रहा है जिसके माध्यम से देनदारों व जमानतदारों को ऊपर उल्लेखित धनराशि ब्याज दर **(संविदात्मक दर)**, लागत व्यय इत्यादि के साथ इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर भुगतान करने कहा गया है जिसमें चूक करने पर निम्नलिखित बंधक संपत्तियों पर उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के प्रावधानों के अंतर्गत बैंक की बकाया धनराशि की वसूली हेतु कार्यवाही की जाएगी। ऋणी एवं जमानतदार संपत्ति स्वामी का ध्यान वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(8) के प्रावधानों के तहत उपलब्ध समय में प्रतिभूति आस्तियों को छुड़ाने की ओर आकर्षित किया जाता है ।

दिनांकः 19.09.2026 स्थानः भिलाई (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी/केनरा बैंक

पंजाब नैशनल बैंक सीओ-एसएएम, रायपुर (छ.ग.)

ई-नीलामी तिथि - 06/10/2026
समय: सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक

सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अन्तर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री
APPENDIX-IV-A [See proviso to rule 8(6)]

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पूर्ननिर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अचल संपत्तियों की ई-निलामी सूचना सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत जारी की जा रही है। इस सूचना के द्वारा उधारकर्ताओं, जमानतदाताओं तथा आम जनता को सूचित किया जाता है। कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ सुरक्षित लेनदार के पास बंधक है एवं इन संपत्तियों को बैंक के प्रधिकृत अधिकारी द्वारा रचनात्मक/भौतिक /सांकेतिक द्वारा अधिकार में ले लिया गया है। इन संपत्तियो की विक्रय "जहाँ है जैसा है" "जो भी है जैसा भी है" नीचे दिये कॉलामो में वर्णित तिथि में बैंक/सुरक्षित लेनदार के देय राशि उधारकर्ताओं तथा जमानतदारो से वसुली के लिए किया जा रहे है। आरक्षित मूल्य तथा ब्याना राशि नीचे तालिका में संपत्तियों के समस्त दर्शाई गई है।

सुरक्षित संपत्तियों की अनुसुची

क्र.	खाताधारक का नाम / उधारकर्ता / जमानतदार का नाम व पता / शाखा का नाम	बंधक चल/अचल संपत्तियों का विवरण / मालिक का नाम	1) 13(2) के तहत डिमांड नोटिस की तिथि 2) वकाया राशि 3) कब्जा तिथि सरफेसी एक्ट 2002 के नियम 13(4) के तहत 4) कब्जा की प्रकृति	आरक्षित मूल्य (लाख में) / ईएमडी (लाख में) / बोली वृद्धि राशि-10000/- प्रत्येक संपत्ति के लिये
1	**उधारकर्ता - श्री अजय कुमार सोनी** पिता श्री संतोष कुमार सोनी, पता: मंगल बाजार, गली नंबर 5, ईदगाह भाटा, विवेकानंद आश्रम, रायपुर (छ.ग) 492001 एवं पता: संतोष मोबाइल, दुकान नंबर 35, बेसमेंट एरिया, लाल गंगा शॉपिंग मॉल, घड़ी चौक के पास, जीई रोड, रायपुर, (छ.ग) 492001, **शाखा -देवेंद्र नगर (748400), संपर्क: श्री अमित कुमार पांडे, 9425886925**	**आवासीय फ्लैट -** फ्लैट नंबर एलआईजी 731, दूसरी मंजिल, ब्लॉक 46, खसरा नं 1494/1, 1616, 1617 भाग, प.ह नं 117, प्रपोज्ड प.ह नं 53, दीनदयाल आवास योजना, सीजीएचबी मंडल के अंतर्गत, मौजा बोरियाकला, आरएनएम - रायपुर-1, तहसील एवं जिला - रायपुर (छ.ग) पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक -श्री अजय कुमार सोनी पिता श्री संतोष कुमार सोनी	1) **01.07.2021** 2) **रू 7,24,941.00** + दिनांक 01.04.2021 से ब्याज प्रभावी 3) **14.09.22** को सांकेतिक कब्जा	रू **8.90** लाख / रू **0.89** लाख
2	**उधारकर्ता - श्री विनोद थपलियाल** पिता श्री दयानंद थपलियाल, पता: ईडब्लूएस 08/बी, ब्लॉक नं. 8, भूतल, पारिजात अपार्टमेंट, तालपुरी, रुआबांधा, भिलाई, दुर्ग, छ.ग 491001 एवं पता: सौजन्य - आर.के.उइके, प्लॉट नं. 246 सी, गली नं. 20,	**आवासीय फ्लैट-** फ्लैट नं. 08/बी (ईडब्ल्यूएस), भूतल, पारिजात अपार्टमेंट ट्विन टाउन, तालपुरी, रुआबांधा, भिलाई, दुर्ग, छ.ग में क्षेत्रफल- 359.92 वर्गफीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक - श्री विनोद थपलियाल पिता श्री दयानंद थपलियाल । सीमाएं :- उत्तर- फ़्लैट, दक्षिण- फ़्लैट नं. 08/सी, पूर्व - फ़्लैट, पश्चिम - फ़्लैट नं. 08/ए. स्मृति नगर, भिलाई(छ.ग) 490020. **शाखा कार्यालय: उमरपोटी (216410) संपर्क: श्री विवेक कुर्रे, 7974418774**	1) **28-08-2024** 2) **रू 4,10,352.03** + दिनांक 28-08-2024 से ब्याज प्रभावी 3) **23-12-24** को सांकेतिक कब्जा	रू **4.43** लाख / रू **0.44** लाख
3	**उधारकर्ता: 1. श्री घसिया राम महानंद** पिता पोदु महानंद, **2. श्रीमती इंदिरा महानंद** पति श्री घसिया राम महानंद,दोनों का पता: पुनित किराना स्टोर्स के सामने, त्रिमूर्ति नगर, फाफाडीह, रायपुर, छ.ग., एवं पता: ईडब्ल्यूएस फ्लैट नं. 6/2, सीजीएचबी, नारदहा, रायपुर, छ.ग. 492001, **शाखा कार्यालय: पंडरी (152520), संपर्क: श्री भवानी नंदन जायसवाल, 9685696565**	**ईडब्लूएस फ्लैट** नंबर 02, ब्लॉक नंबर 06, भूतल, खसरा नंबर 1501/4 का भाग, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड, मौजा: नरदाहा, प.ह नंबर 80/1, रायपुर, तहसील/जिला: रायपुर में क्षेत्र- 398.76 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री घसिया राम महानंद व श्रीमती इंदिरा महानंद।	1) **06.09.2022** 2) **रू 4,04,529.24** + दिनांक 18.05.2025 से ब्याज प्रभावी 3) **25.11.22** को सांकेतिक कब्जा	रू **5.37** लाख / रू **0.53** लाख
4	**उधारकर्ता: 1. मोहम्मद जुल्फकार** पिता मोहम्मद मिनातुल्ला, **2. मोहम्मद साकिर** पिता मोहम्मद मिनातुल्ला, दोनों का पता: अम्बेडकर चौक, जनता कॉलोनी, गुढ़ियारी रायपुर, छ.ग. 492009. **शाखा कार्यालय: पंडरी (152520), संपर्क: श्री भवानी नंदन जयसवाल, 9685696565**	खसरा नं. 377/1, 380/2 का भाग, मौजा: **गुढ़ियारी,** ठक्कर बाबा वार्ड नं. 09, प.ह नं 107/37, आर.एन.एम.: रायपुर-1, तहसील/जिला: रायपुर (छ.ग.) में **क्षेत्रफल 1500 वर्ग फुट** पर स्थित संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश, मालिकाना हक- **मोहम्मद जुल्फाकर एवं मोहम्मद शाकिर** दोनों के पिता मोहम्मद मिनतुल्ला। सीमाएं:-उत्तर : बंजारे जी का मकान, दक्षिण: 15 फीट चौड़ी सड़क, पूर्व : साधना मिश्रा का मकान, पश्चिम : अमर कुमार मिश्रा की भूमि।	1) **21/08/2025** 2) **रू 13,46,641.03** + दिनांक 31-07-2025 से ब्याज प्रभावी 3) **30.12.25** को सांकेतिक कब्जा	रू **35.41** लाख / रू **3.54** लाख
5	**उधारकर्ता - श्री गंटी सीताराम मूर्ति** पिता श्री गंती भोगेश्वर राव, पता: फ्लैट नंबर एन-311, आरडीए कॉलोनी, बोरियाखुर्द, सुंदरनगर, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492013। **जमानतदार: जी. नागेश्वर राव,** पता: ए-110, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कोटा, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001, **शाखा कार्यालय: स्टेशन रोड, रायपुर (106600), संपर्क: श्री वरुण पुरोहित, 9672928833**	**फ्लैट** नं. एन-311 (दूसरी मंजिल), **बोरियाखुर्द,** पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवास योजना, प.ह.नं. 118, खसरा नं. 111/1/4/8/9 का भाग, तहसील/जिला: रायपुर में **क्षेत्रफल -299 वर्ग फुट** पर स्थित संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश, मालिकाना हक- श्री गंती सीताराम मूर्ति।	1) **02.07.2025** 2) **रू 2,34,010.12** + दिनांक 31.05.2025 से ब्याज प्रभावी 3) **12.09.25** को सांकेतिक कब्जा	रू **3.35** लाख / रू **0.33** लाख
6	**उधारकर्ताओं: 1. श्री लक्ष्मीनारायण के पिंडगुलवार, 2. श्रीमती गौरी बाई कृष्णमूर्ति पिंडगुलवार** पति कृष्णमूर्ति पिंडगुलवार, दोनों का पता: हर्ष किराना स्टोर के बाजू, दुर्ग पब्लिक स्कूल के पास, साई नगर, वार्ड 58, उरला, जिला- दुर्ग, 491001. **शाखा कार्यालय: दुर्ग (079610), संपर्क: श्री मुकेश कुमार अग्रवाल, 9078624428**	**आवासीय संपत्ति-** खसरा नंबर 825/24, मौजा: उर्ला, प.ह नंबर 17/7, आर.एन.एम सिकोला, हर्ष किराना स्टोर के बाजू, दुर्ग पब्लिक स्कूल के पास, साई नगर, वार्ड नं 58, उरला, जिला- दुर्ग में **क्षेत्रफल - 650 वर्गफुट** पर स्थित सामयिक बंधक संपत्ति , मालिकाना हक- श्रीमती गौरी बाई कृष्णमूर्ति पिंडगुलवार।	1) **27.07.2025** 2) **रू 16,67,555.60** + दिनांक 30.06.2025 से ब्याज प्रभावी 3) **04.10.25** को सांकेतिक कब्जा	रू **19.70** लाख / रू **1.97** लाख
7	**उधारकर्ता - श्रीमती कल्पना वालुंजकर** पति श्री मनीष वालुंजकर, पता: फ्लैट नं. 94/ओ, पारिजात अपार्टमेंट, तालपुरी, रुवाबांधा, भिलाई, जिला: दुर्ग (छ.ग), 490006 एवं पता: कृष्णा विहार, बोरसी, दुर्ग, (छ.ग) 491001, **शाखा कार्यालय: बोरसी (205910), संपर्क: श्रीमती एंजलिना कुजूर, 8210197217**	**आवासीय फ्लैट** नं. 94/ओ, तीसरी मंजिल, पारिजात अपार्टमेंट, क्षेत्रफल- 365.19 वर्गफीट, खसरा नं. 04 (भाग) ट्विन सिटी, तालपुरी, आमदी रुआबांधा, जिला: दुर्ग, छ.ग , मालिकाना हक- श्रीमती कल्पना वालुंजकर पति श्री मनीष वालुंजकर। सीमाएं :- उत्तर- फ्लैट, दक्षिण - फ्लैट नं 94/पी, पूर्व - फ्लैट, पश्चिम- फ्लैट नं. 94/एन	1) **12-07-2023** 2) **रू 9,26,225.00** + दिनांक 30-06-2023 से ब्याज प्रभावी 3) **28-06-24** को सांकेतिक कब्जा	रू **6.38** लाख / रू **0.63** लाख
8	**उधारकर्ताओं: 1) श्रीमती हेमलता भरणे, 2) श्री हेमकिशोर भरणे**, दोनों का पता : मिलेनियम चौक, मोहनी ब्यूटी पार्लर के पास, सुंदरनगर, रायपुर, **जमानतदार : श्री चुन्नीलाल भरणे,** पता: अलमारी फैक्ट्री के पास, करण नगर, चंगोराभाटा, रायपुर, छ.ग - 492013. **शाखा कार्यालय: पचपेड़ी नाका (611300), संपर्क: श्री प्रवीण सेनगुप्ता, 9301295456**	**आवासीय मकान -** खसरा नंबर 212/13, मौजा: चांगोराभाटा, प.ह नंबर 105/47, डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड नंबर 67, रायपुर, आरएनएम: रायपुर-1, तहसील/जिला: रायपुर, छ.ग में **क्षेत्रफल- 640 वर्गफुट** पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती हेमलता भरणे। सीमाएं :- उत्तर - अन्य का मकान, दक्षिण - सड़क, पूर्व - प्रदीप साहू की भूमि, पश्चिम - तुषेश गौतम की भूमि।	1) **21.01.2023** 2) **रू 7,14,069.81** + दिनांक 21.01.2023 से ब्याज प्रभावी 3) **12.12.25** को सांकेतिक कब्जा	रू **15.42** लाख / रू **1.54** लाख
10	**उधारकर्ता: 1. श्री अशोक कुमार सिंह** पिता हरिहर सिंह, **2. श्रीमती रीनू सिंह**, दोनों का पता- फ्लैट नंबर बी-107, दूसरी मंजिल, वृंदावन गार्डन, विज्ञान केंद्र के सामने, दलदल सिवनी, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001 । **शाखा: देवेंद्र नगर (748400), संपर्क: श्री अमित कुमार पांडेय, 9425886925**	**आवासीय फ्लैट -** फ्लैट नंबर बी-107, ब्लॉक नंबर बी, पहली मंजिल, खसरा नंबर 728/1-2-3, 731/3-4 (भाग), प.ह नंबर 109, वृंदावन गार्डन कॉलोनी, दलदल सिवनी, कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड नंबर 26, आरएनएम- रायपुर-1, तहसील/जिला: रायपुर, छत्तीसगढ़, में क्षेत्रफल - 894.87 वर्गफुट पर स्थित अचल संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश, मालिकाना हक - श्री अशोक कुमार सिंह पिता स्वर्गीय श्री हरिहर सिंह। सीमाएँ: उत्तर- फ्लैट नंबर बी-108, दक्षिण- खुली जगह, पूर्व- खुली जगह, पश्चिम- कॉरिडोर।	1) **16.06.2025** 2) **रू 9,73,852.89** + दिनांक 25.07.2024 से ब्याज प्रभावी 3) **06.10.25** को सांकेतिक कब्जा	रू **20.59** लाख / रू **2.06** लाख
11	**उधारकर्ता: श्री बिट्टू कुमार**, पता-1: वार्ड नं. 1, वीर सावरकर नगर, दुर्गा मंदिर के पास, मंगलम विहार, हीरापुर, टाटीबंध, रायपुर, जिला: रायपुर, छ.ग. 492001. पता-2: एलआईजी-1877, जय अम्बे किराना स्टोर के पास, हाउ



भारत का मिनी इंडिया, यहां एक ही जगह मौजूद हैं सभी धर्म के लोग

नई दिल्ली। आज के मौजूदा समय में भारत में कई सारे बड़े-बड़े शहर मौजूद है। इन सभी शेहरों की अपनी अलग विशेषता और पहचान भी है इन्हीं में से कुछ शहर तो ऐसे भी है जो वैश्विक पटल पर भी अपनी पहचान बनाने में कामयाब हुए है। आज की इस खबर में हम आपको एक ऐसे ही शहर के बारे में जानकारी देने वाले हैं इसे भारत का मिनी इंडिया भी कहा जाता है। यहां पर आपको अलग-अलग राज्यों के खानपान से लेकर नागरिक काफी आसानी से मिल जाएंगे।

इस शहर को कहा जाता है मिनी इंडिया

भारत की राजधानी दिल्ली को मिनी इंडिया के नाम से भी जाना जाता है। इसके कई सारे प्रमुख कारण भी है, यहां पर देश के हर कोने से आकर लोग रह रहे हैं। चाहे जम्मू कश्मीर हो या फिर कन्याकुमारी आपको देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगभग सभी शहरों के लोग आसानी से मिल जाएंगे। दिल्ली में आपको पूरे भारत की संस्कृत, भाषा खान-पान और परंपराओं का मेलजोल भी देखने को आसानी से मिल जाता है।



सभी भाषा बोलने वाले लोगों को समावेश

देश की राजधानी दिल्ली में हिंदी- बंगाली- भोजपुरी- गुजराती- मराठी- कन्नड़ आदि भाषा बोलने वाले लोग भी आपको काफी आसानी से मिल जाएंगे। चाहे आप देश के किसी भी राज्य से क्यों ना हो आपको दिल्ली में आसानी से वहां का भोजन मिल जाएगा। देशभर से यहां पर लोग बेहतर शिक्षा- रोजगार के उद्देश्य से आते हैं।

सभी महत्वपूर्ण कार्यालय इस क्षेत्र में मौजूद

यहां पर सभी पार्टियों के दफ्तर भी मौजूद है. दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट से लेकर संसद भवन तक सभी चीज दिल्ली में ही मौजूद है। दिल्ली को मिनी इंडिया कहे जाने की प्रमुख वजह यहां पर लाल किला, कुतुब मीनार, राष्ट्रपति भवन आदि भी माने जाते हैं। यह दिल्ली की खूबसूरती को चार चांद लगा देते हैं।



आसानी से मिल जाएंगे सभी धर्म को मानने वाले लोग

पूरे भारत में आपको अलग-अलग धर्म और पंथ के लोग काफी आसानी से मिल जाएंगे, इसी तरह दिल्ली में भी आपको अलग-अलग धर्म को मानने वाले लोग मिल जाएंगे। इसी कारण यहां पर हर त्यौहार जैसे की होली- दिवाली- लोहड़ी- बिहू- ओणम- पोंगल- गणेश चतुर्थी- जगन्नाथ रथ यात्रा आदि मनाते हुए दिखाई दे जाएंगे। इन सभी कारणों की वजह से ही दिल्ली को मिनी इंडिया कहा जाता है।

सुंदर हत्यारे स्कालेंट मैकॉ... अपने बच्चों को ही भूखा मार देते हैं ये रंगीन तोते

नई दिल्ली। स्कालेंट मैकॉ बहुत सुंदर और मशहूर तोते हैं. इनका चमकदार लाल रंग जंगल में आसानी से दिख जाता है लेकिन इनकी संख्या लगातार कम हो रही है। शिकार, जंगल काटना और घोंसलों की कमी से ये खतरे में हैं। मेक्सिको और मध्य अमेरिका में एक उप-प्रजाति लगभग खत्म हो चुकी है। वैज्ञानिकों ने पाया कि इनके खुद के माता-पिता भी बच्चों की मौत का बड़ा कारण हैं। पेरू की वैज्ञानिक गैब्रिएला विगो-ट्रॉको ने दो दशक से ज्यादा समय तक इन पक्षियों की स्टडी की। टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी से जुड़ी यह वैज्ञानिक द मैकॉ सोसाइटी की सह-निदेशक हैं।

मैकॉ जानबूझकर मरने छोड़ देते हैं चूंजों को : उन्होंने पाया कि स्कार्लेट मैकॉ जानबूझकर अपने सबसे छोटे चूजों को भूखा छोड़ देते हैं। एक घोंसले में मादा चार अंडे तक दे सकती है लेकिन आमतौर पर सिर्फ एक या दो बच्चे ही उड़ पाते हैं। तीसरे और चौथे चूजे लगभग हमेशा मर जाते हैं। दूसरे पैदा हुए चूजों में भी करीब 25 प्रतिशत की मौत हो जाती है।



घोंसलों में कैमरे लगाए तो दिखीं ऐसी गतिविधियां

वैज्ञानिकों ने घोंसलों में कैमरे लगाकर देखा. माता-पिता, खासकर मां, सबसे छोटे चूजे को किनारे धकेल देती है। पिता जब खाना लाता है तो मां और बड़े बच्चों को खिलाता है। छोटा चूजा ठंडा पड़कर चिल्लाता रहता है। कोई भाई-बहन नहीं सताते। खाने की कमी भी वजह नहीं है।

वैज्ञानिकों ने घोंसले से निकाला एक बच्चा

2018 में पेरू के तंबोपता नेशनल रिजर्व में विगो-ट्रॉको की टीम ने एक चूजे को घोंसले से निकाला। उसका नाम पार्कर रखा गया। वह चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था। आंखें भी नहीं खुली थीं। वह कमजोर और कम वजन का था। अगर बचाया नहीं जाता तो वह भूख से मर जाता।

सबको बराबर खिलाएंगे तो कोई नहीं बचेगा

विगो-ट्रॉको का मानना है कि माता-पिता अलग-अलग उम्र के बच्चों को संभाल नहीं पाते। चार-पांच दिन के अंतर से पैदा हुए चूजों की जरूरतें बहुत अलग होती हैं। खाने का तरीका और घोंसले का तापमान दोनों अलग चाहिए। अगर सबको बराबर खिलाने की कोशिश करें तो कोई भी नहीं बच सकता इसलिए वे सबसे स्वस्थ और बड़े बच्चों को चुनते हैं। यह कभी जीवित रहने की रणनीति थी। अब जब प्रजाति घट रही है तो यह बड़ी समस्या बन गई है।

वी शेप में क्यों उड़ते हैं पक्षी, इसके पीछे है बेहद रोचक वजह

नई दिल्ली। आसमान में बहुत बार आपने पंछियों को उड़ता हुआ देखा होगा, पर क्या आपने ध्यान दिया कि ये पंछी अंग्रेजी के अक्षर वी शेप में उड़ते हुए क्यों नजर आते है। यह सिर्फ देखने में ही अच्छा नहीं लगता, बल्कि इसके पीछे साइंस भी है। इसकी वैज्ञानिक वजह के बारे में जानकर यह सोचने मजबूर हो जाएंगे कि पक्षी भी कितने बुद्धिमान होते हैं।

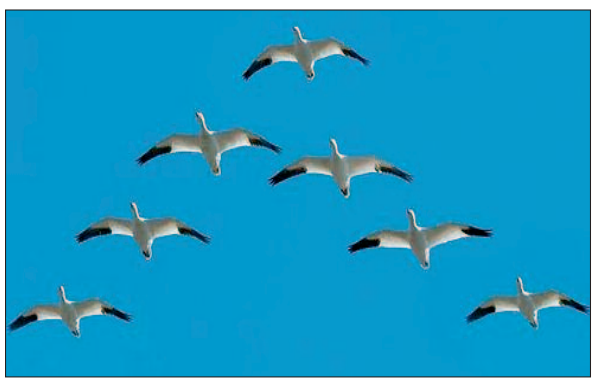

कम ऊर्जा लंबी दूरी की स्मार्ट तकनीक

दरअसल पक्षियों का वी शेप में उड़ना एक स्मार्ट तकनीक है। जब कोई पक्षी उड़ता है, तो उसके पंख हवा को नीचे की ओर धकेलते है। इससे उसके पीछे एक खास तरह की हवा बनती है, जिसे 'अपवॉश' कहते हैं। पीछे उड़ने वाले पक्षी इसी हवा का फायदा उठाते हैं, जिससे उन्हें उड़ने में कम ताकत लगती है। इस प्रकार पूरा झुंड कम ऊर्जा में लंबी दूरी तय करता है।

सीधी लाइन में न उड़ने का कारण

अगर पक्षी एक सीधी लाइन में एक-दूसरे के पीछे उड़ते है तो इससे पक्षी को डाउनवॉश का सामना करना पड़ता है। इससे हवा नीचे की तरह धकेली जाती है, जिससे पक्षी की उड़ान मुश्किल हो जाती है। इसी समस्या से बचने के लिए पक्षी वी शेप बनाते हैं और फिर उड़ान भरते हैं। दरअसल, वी शेप में उड़ने वाले पक्षी प्रवासी होते है और उन्हें ज्यादा दूरी तय करनी पड़ती है। ऐसे में उनका ऊर्जा बचाना बेहद महत्वपूर्ण होता है।

टीमवर्क, लीडर और कम्युनिकेशन

पक्षियों के झुंड में वी शेप उड़ने पर सबसे आगे उड़ने वाला पक्षी सबसे ज्यादा थकता है। इसीलिए पक्षी बार-बार अपनी जगह बदलकर लीडर बनते हैं, ताकि सबको आराम मिल सके। इस फॉर्मेशन में उड़ने से पक्षी एक-दूसरे को आसानी से देख सकते हैं और तालमेल बनाए रखते हैं।











हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com